MINI SOO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
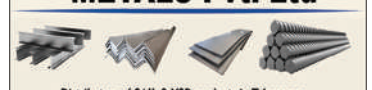
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । शनिवार, 28 नवंबर, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । Epaper : https://epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-324

दूर बाधा, साऊथ साधा

बीआरएस-डीएमके परिसीमन को राज़ी

नई दिल्ली, 27 नवंबर (एजेंसियां)। मोदी सरकार ने संसद का विशेष सत्र बुलाया है, जिसकी कार्यवाही 30 नवंबर से 3 दिसंबर तक चलेगी। परिसीमन और महिला आरक्षण विधेयक की राह में सबसे बड़ी बाधा दक्षिण भारत की राजनीतिक पार्टियां रही हैं। उनके विरोध के चलते अप्रैल में सरकार दोनों विधेयक पारित नहीं करा सकी थी। सात महीने बाद सरकार ने कैबिनेट में विधेयकों को मंजूरी दी है, जिसके बाद दक्षिण के राजनीतिक दलों की नाराजगी कम होती दिखाई दे रही है। एक के बाद एक दलों के रुख में बदलाव के संकेत मिल रहे हैं। केसीआर की पार्टी बीआरएस ने 24 प्रतिशत हिस्सेदारी की शर्त के साथ परिसीमन पर सरकार का समर्थन करने का ऐलान किया है, वहीं बदले हुए विधेयक पर डीएमके के तेवर भी नरम



पड़े हैं। डीएमके ने शर्तों के साथ महिला आरक्षण और परिसीमन विधेयक का समर्थन करने की बात कही है।

दक्षिण भारत के राज्यों की नाराजगी और सीटों में कमी की आशंकाओं को दूर करने के लिए ऐसा लगता है कि मोदी सरकार ने अपना फॉर्मूला बदला है। लोकसभा और विधानसभाओं में 50 प्रतिशत सीटों की बढ़ोतरी वाले संविधान संशोधन विधेयक को कैबिनेट की मंजूरी मिल गई है। नए फॉर्मूले में सीटों के अनुपात की गारंटी के जरिए सत्तापक्ष ने डीएमके से लेकर बीआरएस तक दक्षिण के प्रमुख क्षेत्रीय दलों को साधने की कवायद तेज कर दी है।

बीआरएस का सुझाव : दक्षिण की हिस्सेदारी सुरक्षित रहे

परिसीमन पर बीआरएस के रुख के बारे में पार्टी नेता रावुल श्रीधर रेड्डी ने कहा कि उनकी पार्टी परिसीमन प्रक्रिया के खिलाफ नहीं है। उनकी चिंता केवल दक्षिण भारतीय राज्यों के हितों की रक्षा को लेकर है। उन्होंने मांग की कि 1971 की जनगणना को आधार माना जाना चाहिए और लोकसभा में दक्षिणी राज्यों की मौजूदा 24 प्रतिशत हिस्सेदारी बरकरार रखी जानी चाहिए। इसमें जरा भी कमी नहीं होनी चाहिए। यदि यह भरोसा दिया जाता है, तो बीआरएस विधेयक का समर्थन करेगी।

तेलंगाना में अभी लोकसभा की कुल 17 सीटें हैं, लेकिन परिसीमन के बाद 8 सीटें बढ़ जाएंगी। इस तरह तेलंगाना में 25 लोकसभा सीटें हो जाएंगी। तमिलनाडु में अभी 39 लोकसभा सीटें हैं, परिसीमन के बाद ये बढ़कर 60 हो जाएंगी। सरकार ने 50 प्रतिशत की दर से सीटें बढ़ाने का फॉर्मूला रखा है, जिसके लिहाज से हर राज्य में सीटें इसी तरह बढ़ेंगी।

बीआरएस नेता का कहना है कि परिसीमन के लिए केवल जनसंख्या ही एकमात्र पैमाना नहीं होना चाहिए। दक्षिणी राज्यों ने देश की आर्थिक वृद्धि में बड़ा योगदान दिया है और जनसंख्या नियंत्रण में भी बेहतर प्रदर्शन किया है। इन उपलब्धियों के बदले उनका राजनीतिक प्रतिनिधित्व कम करके उन्हें सजा नहीं दी जानी चाहिए। पार्टी का रुख स्पष्ट है कि परिसीमन प्रक्रिया पारदर्शी, निष्पक्ष और उचित तरीके से होनी चाहिए, ताकि तेलंगाना और सभी दक्षिणी राज्यों के हितों की रक्षा हो सके।

माना जा रहा है कि दक्षिण भारत के राज्यों की कुल हिस्सेदारी को करीब 24 प्रतिशत के स्तर पर सुरक्षित रखने की योजना बनाई जा सकती है। इसके तहत तमिलनाडु की मौजूदा करीब 7.18 प्रतिशत हिस्सेदारी को भी बरकरार रखने का रास्ता निकाला जा रहा है। ऐसे में लोकसभा की कुल सीटें बढ़ने पर भी दक्षिण भारत के राज्यों का प्रतिशत कम नहीं होगा, बल्कि अनुपात के हिसाब से उनकी सीटें भी बढ़ेंगी। ▶8पर

आधी आबादी के लिए आधी सीटें बढ़ेंगी



नई दिल्ली, 27 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने देश की चुनावी व्यवस्था में बड़े बदलाव का प्रस्ताव रखा है। इसके तहत लोकसभा और राज्यों की विधानसभाओं की सीटों में 50 प्रतिशत वृद्धि की जाएगी। यह बढ़ोतरी सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में होगी। सरकार का कहना है कि इस कदम का उद्देश्य महिलाओं को एक-तिहाई आरक्षण देना है। इसके लिए संविधान (132वां संशोधन) विधेयक, 2026 सोमवार को लोकसभा में पेश किया जाना है। विधेयक में लोकसभा की अधिकतम सदस्य संख्या 850 करने का प्रस्ताव है, जिसमें राज्यों से 815 और केंद्र शासित प्रदेशों से 35 सदस्य होंगे। विधानसभाओं की अधिकतम सदस्य संख्या 500 से बढ़ाकर 650 की जाएगी। परिसीमन के जरिए चुनाव क्षेत्रों की सीमाएं भी दोबारा तय होंगी और नई सीटों का बंटवारा 2051 तक लागू रहेगा।

सबसे पहले समझते हैं कि सरकार ने क्या प्रस्ताव रखा है। केंद्र सरकार चाहती है कि लोकसभा और राज्यों की विधानसभाओं में महिलाओं को एक-तिहाई आरक्षण लागू हो। इस आरक्षण को लागू करने का रास्ता सरकार ने सीटें बढ़ाने और परिसीमन के जरिए निकाला है। परिसीमन का अर्थ चुनाव क्षेत्रों की सीमाएं दोबारा तय करना और यह निर्धारित करना है कि किस राज्य में कितनी सीटें होंगी। इसी उद्देश्य से संविधान (132वां संशोधन) विधेयक, 2026 लाया जा रहा है। यह विधेयक सोमवार को लोकसभा में पेश होने वाला है। विधेयक के उद्देश्य एवं कारणों वाले हिस्से में स्पष्ट लिखा है कि इसका मकसद लोकसभा, ▶8पर

महिला आरक्षण की आड़, संविधान बदलने की मंशा : कांग्रेस

नई दिल्ली, 27 नवंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह महिला आरक्षण की आड़ में परिसीमन कराना चाहते हैं और उनका असली मकसद संविधान को बदलना है। परिसीमन यानी लोकसभा सीटों और चुनाव क्षेत्रों की सीमाएं नए सिरे से निर्धारित करने की प्रक्रिया। कांग्रेस ने यह बात सोनिया गांधी के 10 जनपथ स्थित आवास पर हुई अपनी संसदीय रणनीति समूह की बैठक के बाद कही। बैठक परिसीमन से जुड़े



संविधान संशोधन विधेयक पर चर्चा के लिए बुलाई गई थी। कांग्रेस की मांग है कि लोकसभा की मौजूदा सीटें नहीं बढ़ाई जाएं, इसी संख्या पर महिला आरक्षण लागू हो और राज्यों के बीच सीटों का मौजूदा बंटवारा अगले 25 साल तक वैसा ही रहे। उधर, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने शुक्रवार को इस विधेयक को मंजूरी दे दी है और सरकार इसे अगले सप्ताह शुरू होने वाले संसद के विशेष सत्र में पेश कर सकती है। बैठक में कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी, पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी मौजूद रहे। इनके अलावा अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा, ▶8पर

हसीना पैदल जाएगी

ढाका तक मानव चेन बनाने की योजना

नई दिल्ली, 27 नवंबर (एजेंसियां)। शेख हसीना 16 दिसंबर तक बांग्लादेश लौटने के लिए भारत से पैदल सीमा पार करने को तैयार हैं। यदि उनकी वापसी का कोई दूसरा रास्ता नहीं निकलता है, तो वह पैदल ही बांग्लादेश में प्रवेश कर सकती हैं।

बांग्लादेश की सत्ता से हटाई गईं पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग भी उनके स्वागत के लिए लाखों समर्थकों को सीमा पर जुटाने की तैयारी कर रही है। उनके एक करीबी सहयोगी ने बीबीसी को यह जानकारी दी है।

शेख हसीना के करीबी सहयोगी अबू ओबैदाह आरिन ने बीबीसी से कहा कि यदि दिल्ली से ढाका के लिए व्यावसायिक उड़ान की व्यवस्था समेत वापसी का कोई दूसरा रास्ता नहीं निकलता है, तो पूर्व प्रधानमंत्री भारत-बांग्लादेश सीमा पैदल पार करने के लिए तैयार हैं। आरिन ने कहा, वह पैदल बांग्लादेश में दाखिल होने के लिए भी तैयार हैं। 24 नवंबर को शेख हसीना के प्रवक्ता ने उनकी वापसी की तारीख का ऐलान किया था। उन्होंने 16 दिसंबर को बांग्लादेश लौटने की बात कही थी और दिल्ली से ढाका के लिए व्यावसायिक उड़ान की व्यवस्था करने की मांग की थी। इस मांग पर बांग्लादेश की तरफ से तीखी प्रतिक्रिया



आई। इसके बाद देश में पहले से जारी राजनीतिक तनाव और बढ़ गया। पिछले कुछ सप्ताह में बांग्लादेश के कई हिस्सों में हिंसक घटनाएं हुई हैं।

शेख हसीना अगस्त 2024 से भारत में रह रही हैं। उस समय छात्रों के नेतृत्व में हुआ विरोध प्रदर्शन पूरे देश में फैल गया था। यह आंदोलन उनकी अवामी लीग सरकार के खिलाफ बड़े विद्रोह में बदल गया, जिसके बाद उन्हें देश छोड़ना पड़ा। हसीना ने बांग्लादेश लौटने के लिए 16 दिसंबर की तारीख चुनी है। इस दिन बांग्लादेश में विजय दिवस मनाया जाता है। 1971 में इसी दिन बांग्लादेश पाकिस्तान से आजाद हुआ था। शेख हसीना की वापसी की योजना ऐसे समय सामने आई है, जब बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण ने 2024 के ▶8पर

ओवैसी भड़काऊ!

दिग्गी ने लगाया ध्रुवीकरण का आरोप

झांसी, 27 नवंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने ओवैसी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और विश्व हिंदू परिषद (विहिप) पर धार्मिक कट्टरता को बढ़ावा देने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि ओवैसी कट्टरपंथी मुस्लिमों को भड़काने का काम करते हैं, जबकि आरएसएस और विश्व हिंदू परिषद कट्टरपंथी हिंदुओं को भड़काते हैं। उनके मुताबिक, दोनों पक्ष अपनी राजनीतिक मौजूदगी बनाए रखने के लिए इस तरह की राजनीति करते हैं। दिग्विजय सिंह शुक्रवार दोपहर करीब 3 बजे अपनी 'सत्य सनातन स्वाभिमान यात्रा' लेकर झांसी पहुंचे थे। यहां पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने सनातन धर्म, हिंदुत्व, भाजपा की राजनीति, चुनाव आयोग और इंडिया गठबंधन में सीटों के बंटवारे जैसे मुद्दों पर अपनी बात रखी।

दिग्विजय सिंह ने कहा कि देश में सनातन धर्म के नाम पर हिंदुत्व थोपा जा रहा है। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म की मूल भावना प्रेम, सद्भाव, सत्य, अहिंसा और करुणा है। यह सभी धर्मों का सम्मान करना सिखाता है।

उन्होंने आरोप लगाया कि मौजूदा समय में हिंदुत्व के नाम पर समाज में नफरत और ध्रुवीकरण फैलाया जा रहा है। उनके मुताबिक, सत्य सनातन स्वाभिमान यात्रा का



मकसद लोगों को सनातन धर्म के मूल संदेश से परिचित कराना और समाज में आपसी प्रेम तथा सद्भाव को मजबूत करना है।

ओवैसी और चंद्रशेखर के गठबंधन पर क्या बोले?

ओवैसी और चंद्रशेखर के गठबंधन को लेकर पूछे गए सवाल पर दिग्विजय सिंह ने कहा कि भाजपा की राजनीति में ओवैसी कट्टरपंथी मुस्लिमों को भड़काते हैं, जबकि आरएसएस और विश्व हिंदू परिषद कट्टरपंथी हिंदुओं को भड़काने का काम करती हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि दोनों पक्षों की ऐसी राजनीति से समाज में विभाजन पैदा होता है। उनके मुताबिक, इस तरह की राजनीति का मकसद अपनी राजनीतिक मौजूदगी बनाए रखना है।

चुनाव आयोग पर पक्षपात का आरोप

कांग्रेस नेता ने चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र को मजबूत बनाए रखने के लिए चुनाव आयोग का निष्पक्ष होना जरूरी है, लेकिन मौजूदा चुनाव आयोग पक्षपात कर रहा है।

दिग्विजय सिंह ने आरोप लगाया कि लोकतंत्र और संविधान खतरे में हैं। उन्होंने कहा कि उनकी यात्रा के जरिए लोगों को इन मुद्दों के प्रति भी जागरूक किया जा रहा है।

राम कथाओं के जरिए भाजपा की सत्ता में वापसी से जुड़े सवाल पर दिग्विजय सिंह ने कहा कि कथाओं का अपना महत्व और आकर्षण होता है। हालांकि, उनके मुताबिक, कथा के जरिए दिया जाने वाला संदेश सनातन धर्म की मूल भावना के अनुरूप होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि कथा का उद्देश्य समाज में प्रेम, सद्भाव और सभी धर्मों के प्रति सम्मान की भावना पैदा करना होना चाहिए। किसी भी कथा के जरिए कटुता या वैमनस्य नहीं फैलना चाहिए। ▶8पर

धर्म की जय हो!

कार्टून कॉर्नर



मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 28°
न्यूनतम : 17°

दीपम विवाद पर ऐतिहासिक फैसला

नई दिल्ली, 27 नवंबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु के मदुरै स्थित थिरुपरनकुंद्रम पहाड़ी पर कार्तिगई दीपम जलाने को लेकर चल रहे विवाद में सुप्रीम कोर्ट के सख्त रुख के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भगवान मुरुगन का जयकारा लगाया। प्रधानमंत्री मोदी ने शुक्रवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर तमिल भाषा में पोस्ट करते हुए लिखा, भगवान मुरुगन की जय!

दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने विवादित दीपथून स्तंभ पर कार्तिगई दीपम जलाने की अनुमति से जुड़े अपने पुराने आदेश का पालन नहीं होने पर तमिलनाडु सरकार और मंदिर प्रशासन को कड़ी फटकार लगाई है। कोर्ट ने शनिवार को उसी निर्धारित स्थान पर दीप जलाने का निर्देश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने 20 नवंबर को आदेश दिया था कि 24 नवंबर को कार्तिगई दीपम उत्सव के अवसर पर थिरु-



परनकुंद्रम पहाड़ी स्थित दीपथून स्तंभ पर पारंपरिक दीप जलाया जाए। हालांकि, निर्धारित स्थान पर दीप जलाने के बजाय मंदिर प्रशासन ने उचिपिल्लैयार मंडपम में दीप प्रज्ज्वलित किया। इस पर शुक्रवार को सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने प्रथम दृष्टया माना कि तमिलनाडु के अधिकारियों ने जानबूझकर उसके आदेश की अवहेलना की है। कोर्ट ने इसे 'खुली और जानबूझकर की गई अवज्ञा' करार देते हुए कहा कि ऐसे मामलों में अब सख्त रुख अपनाने का समय आ गया है।

अधिकारियों को अवमानना नोटिस, सीआरपीएफ को सुरक्षा की जिम्मेदारी

सुप्रीम कोर्ट ने मामले में तमिलनाडु के मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) और मदुरै के जिला कलेक्टर समेत कई वरिष्ठ अधिकारियों को अवमानना नोटिस जारी किया है। अदालत ने चेतावनी दी कि न्यायिक आदेशों की इस तरह अनदेखी संवैधानिक अराजकता की स्थिति पैदा कर सकती है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि श्रद्धालुओं को निर्धारित दीपथून स्थल पर दीप जलाने की अनुमति दी जाए। ▶8पर

विजय सनातन विरोधी : भाजपा

कार्तिगई दीपम विवाद पर एक बार फिर राजनीतिक घमासान छिड़ गया है। सुप्रीम कोर्ट की नाराजगी के बाद भाजपा ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री थलपति विजय पर तीखा हमला बोला। भाजपा ने थलपति विजय को हिंदू और सनातन विरोधी बताया है। भाजपा ने उन पर जानबूझकर संविधान के नियमों का उल्लंघन करने का आरोप लगाया है। भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि कार्तिगई दीपम को लेकर विवाद केवल इसलिए खड़ा हुआ है, क्योंकि तमिलनाडु सरकार और वहां के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ (थलपति विजय) सनातन परंपराओं और हिंदू समुदाय से नफरत करते हैं।गौरव भाटिया ने कहा कि यह नफरत इतनी गहरी है कि एक मुख्यमंत्री, जिसने भारत के संविधान के तहत उसके मूल्यों की रक्षा और संरक्षण करने की शपथ ली है, उसने जानबूझकर इसका उल्लंघन करने का फैसला किया। ▶8पर

सेवा और सहयोग के उद्देश्य से ओमान में गल्फ एटीए का शुभारंभ

भारतीय प्रवासियों के कल्याण के लिए तीन प्रमुख पहलें : बीमा जागरूकता, अस्पतालों में छूट कार्ड एवं भारत में अनाथ बच्चों को भोजन वितरण

ओमान

अपने परिवार और प्रियजनों से दूर रहकर बेहतर रोजगार, जीवन स्तर एवं परिवार की आर्थिक स्थिति सुधारने के सपने के साथ हजारों भारतीय खाड़ी देशों में पहुंचते हैं। हालांकि, विदेश में जीवन हमेशा आसान नहीं होता। अनेक प्रवासियों को नौकरी छूटने, वेतन में देरी, वेतन नहीं मिलने, स्वास्थ्य संबंधी आपात स्थिति, कार्यस्थल पर दुर्घटनाओं, कानूनी समस्याओं तथा फर्जी नौकरी के प्रस्तावों जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

ऐसे कठिन समय में प्रवासियों को किसी ऐसे व्यक्ति या संस्था की आवश्यकता होती है, जो उनकी समस्याओं को समझे, उचित मार्गदर्शन दे और जरूरत पड़ने पर उनके साथ खड़ा रहे। इन्हीं चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए तथा मानव सेवा के उद्देश्य से गल्फ आंध्र-तेलंगाना एसोसिएशन (गल्फ एटीए) ने 26 नवंबर 2026 को ओमान के सलालाह में अपनी गतिविधियों का औपचारिक शुभारंभ किया। संस्था का मुख्य उद्देश्य भारतीय प्रवासियों के कल्याण एवं उनके जीवन को सुरक्षित और बेहतर बनाने के लिए कार्य करना है।

संस्था की स्थापना का उद्देश्य

गल्फ एटीए की स्थापना आंध्र प्रदेश, तेलंगाना सहित अन्य भारतीय समुदायों के लोगों को खाड़ी देशों में सहायता, जानकारी एवं उचित मार्गदर्शन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से की गई है। संस्था केवल एक सामाजिक संगठन के रूप में नहीं, बल्कि कठिन परिस्थितियों में प्रवासियों को सहयोग एवं भरोसा प्रदान करने वाले सेवा मंच के रूप में विकसित होना चाहती है।



खाड़ी देशों में पहुंचने वाले अनेक भारतीय श्रमिक स्थानीय श्रम कानूनों, रोजगार अनुबंधों, वेतन संबंधी अधिकारों, वीजा नियमों एवं कानूनी प्रक्रियाओं से पूरी तरह परिचित नहीं होते। कुछ लोग फर्जी भर्ती एजेंसियों, नकली नौकरी विज्ञापनों तथा भ्रामक वीजा प्रस्तावों के शिकार भी हो जाते हैं। कई बार वे ऐसी परिस्थितियों में फंस जाते हैं, जहां उन्हें सहायता के लिए किससे संपर्क करना चाहिए, इसकी जानकारी नहीं होती।

गल्फ एटीए इन समस्याओं के समाधान के लिए जागरूकता बढ़ाने, उचित मार्गदर्शन देने, आधिकारिक सहायता माध्यमों की जानकारी उपलब्ध कराने तथा आवश्यकता पड़ने पर संबंधित व्यक्तियों एवं संस्थाओं के साथ समन्वय करने का कार्य करेगी।

संस्था मानवीय सहायता के अंतर्गत भारत में मृत भारतीय नागरिकों के पार्थिव शरीर को उनके घर पहुंचाने संबंधी प्रक्रियाओं में भी परिवारों को आवश्यक जानकारी एवं सहयोग प्रदान करेगी।

इस अवसर पर गल्फ एटीए ओमान के अध्यक्ष श्री बोकेना गंगास्वामी ने बताया कि संस्था ने भारतीय प्रवासियों के कल्याण, स्वास्थ्य सुरक्षा एवं सामाजिक हितों को ध्यान में रखते हुए ओमान में विभिन्न सेवा कार्यक्रम शुरू किए हैं।

उन्होंने कहा कि संस्था रोजगार संबंधी समस्याओं, वेतन में देरी, चिकित्सा आपात स्थितियों, दुर्घटनाओं, कानूनी मामलों तथा फर्जी नौकरी प्रस्तावों से प्रभावित प्रवासियों की सहायता के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने आगे कहा कि गल्फ एटीए विदेशों में रहने वाले भारतीयों को समय पर जानकारी, उचित मार्गदर्शन एवं आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने वाला विश्वसनीय सामाजिक सेवा मंच बनना चाहती है। संस्था की पहलों का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कठिन परिस्थितियों में कोई भी प्रवासी स्वयं को असहाय महसूस न करे।

अनाथ बच्चों के लिए भोजन वितरण

मानवीय सेवा एवं सामाजिक जिम्मेदारी के तहत गल्फ एटीए ने भारत में अनाथालयों में रहने वाले बच्चों के लिए भोजन वितरण कार्यक्रम भी शुरू किया है।

यह पहल जरूरतमंद एवं वंचित बच्चों की सहायता करने, उनके जीवन में सहयोग का हाथ बढ़ाने तथा सामाजिक सेवा के माध्यम से संवेदनशीलता और मानवता को बढ़ावा देने के संस्था के संकल्प को दर्शाती है।

संस्था के प्रतिनिधियों ने बताया कि गल्फ एटीए भारत में ऐसे मानवीय कार्यक्रम जारी रखने के साथ-साथ खाड़ी देशों में रह रहे भारतीय प्रवासियों को भी सहायता प्रदान करेगी। संस्था पारंपरिक एसोसिएशन की पहचान से आगे बढ़कर मानव सेवा एवं सामुदायिक कल्याण के लिए समर्पित मंच के रूप में स्थापित होना चाहती है।

प्रवासी भारतीय बीमा योजना के प्रति जागरूकता

गल्फ एटीए के अध्यक्ष श्री गंगास्वामी ने घोषणा की कि ओमान में भारतीय श्रमिकों के लिए भारत सरकार की प्रवासी भारतीय बीमा योजना (पीबीबीवाई) के संबंध में विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

उन्होंने बताया कि योजना की निर्धारित शर्तों के अनुसार पात्र प्रवासी भारतीय श्रमिकों को दुर्घटना में मृत्यु अथवा स्थायी दिव्यांगता की स्थिति में 10 लाख रुपये तक का बीमा कवरेज मिल सकता है।

योजना के मूल बीमा प्रीमियम की जानकारी इस प्रकार दी गई है

दो वर्ष की बीमा पॉलिसी के लिए 275 रुपये।

तीन वर्ष की बीमा पॉलिसी के लिए 375 रुपये।

लागू कर अतिरिक्त होंगे।

संस्था योजना के अंतर्गत उपलब्ध चिकित्सा लाभ, पार्थिव शरीर को भारत पहुंचाने संबंधी खर्च तथा पात्र श्रमिकों एवं उनके परिवारों को मिलने वाले अन्य लाभों के बारे में भी जागरूकता अभियान चलाएगी।

इन कार्यक्रमों के माध्यम से गल्फ एटीए अधिक से अधिक भारतीय श्रमिकों को बीमा सुरक्षा के महत्व के प्रति जागरूक कर उनके परिवारों का आर्थिक भविष्य सुरक्षित करने के लिए प्रेरित करेगी।

बिना स्वास्थ्य बीमा वाले भारतीयों के लिए अस्पताल डिस्काउंट कार्ड

गल्फ एटीए की एक अन्य महत्वपूर्ण पहल ओमान में स्वास्थ्य बीमा नहीं रखने वाले भारतीय प्रवासियों की चिकित्सा संबंधी समस्याओं को कम करने के उद्देश्य से शुरू की जा रही है। संस्था नूर अल शिफा अस्पताल के सहयोग से विशेष अस्पताल डिस्काउंट कार्ड शुरू करने के प्रयास कर रही है। इस पहल का उद्देश्य प्रवासियों के चिकित्सा खर्चों का आर्थिक बोझ कम करना है, विशेषकर उन लोगों के लिए जिनके पास स्वास्थ्य बीमा नहीं है अथवा जो आर्थिक कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं।

चिकित्सा छूट एवं अन्य लाभ अस्पताल की पात्रता शर्तों, लागू नियमों तथा संबंधित पक्षों के बीच अंतिम समझौते के अनुसार उपलब्ध कराए जाएंगे।

गल्फ एटीए ने आशा व्यक्त की कि इस पहल से अचानक आने वाले चिकित्सा खर्चों का सामना करने वाले भारतीय प्रवासियों को आर्थिक राहत मिलेगी।

पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी सदस्य

शुभारंभ कार्यक्रम में गल्फ एटीए ओमान के उपाध्यक्ष शेख मदार एवं शब्बीर अहमद, समन्वयक सवनापल्ली बालैया, ग्रुप प्रभारी एवं कोषाध्यक्ष मैदम रामकृष्ण तथा सलाहकार चिट्टीमल्ला दीपक एवं शेख तनवीर खाजा उपस्थित रहे।

कार्यकारिणी के प्रमुख सदस्यों शेख अज-हरुद्दीन, सुगुनाकर, वर्धन, गंगाधर, मोहम्मद जमील एवं कनकैया ने भी संस्था की गतिविधियों में सहयोग एवं समर्थन देने का संकल्प व्यक्त किया।

गल्फ एटीए के प्रतिनिधियों ने बताया कि आने वाले दिनों में संस्था प्रवासी कल्याण, स्वास्थ्य जागरूकता, सामाजिक जिम्मेदारी एवं मानवीय सहायता से संबंधित कई अन्य कार्यक्रम शुरू करेगी।

संस्था का उद्देश्य कठिन समय में भारतीय प्रवासियों के साथ खड़ा रहना, जरूरतमंद परिवारों को सार्थक सहयोग देना तथा भारत में वंचित समुदायों की सहायता करना है।

गल्फ एटीए सेवा, मानवता एवं भारतीय प्रवासियों के कल्याण को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता बनाकर कार्य करेगी।

न्यूज ब्रीफ

पीओके के रावलकोट मेयर अब्दुल नईम खान को बताया राष्ट्र विरोधी, कुर्सी छीनी



मुजफ्फराबाद। पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर (पीओके) की सरकार ने रावलकोट मेयर अब्दुल नईम खान को राष्ट्र विरोधी गतिविधियों में शामिल होने के आरोपों का हवाला देते हुए पद मुक्त कर दिया। उन्हें प्रतिबंधित संगठन ज्वाइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी के कार्यकर्ता के रूप में आतंकवाद विरोधी अधिनियम (एटीए) की चौथी अनुसूची में शामिल किया गया है। पाकिस्तान की संघीय सरकार ने इस क्षेत्र में अशांति फैलाने के लिए विदेशी एजेंडे पर काम करने वाले तत्वों को जिम्मेदार ठहराया है। डान की रिपोर्ट के अनुसार, सरकार ने गुरुवार को रावलकोट के मेयर अब्दुल नईम खान को उनके पद से हटा दिया और राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों में शामिल होने के आरोप में नगर निगम से उनकी सदस्यता भी खत्म कर दी। स्थानीय सरकार और ग्रामीण विकास विभाग की अधिसूचना में कहा गया है कि यह कार्रवाई लोकल गवर्नमेंट एक्ट, 1990 की धारा 23(2) के तहत की गई है। एजेके गृह विभाग की 15 नवंबर की एक अन्य अधिसूचना के अनुसार, खान का नाम उन लोगों की सूची में शामिल है, जिन्हें आतंकवाद-रोधी अधिनियम की धारा 16 के तहत चौथी अनुसूची में रखा गया है। इस बीच पीएमएल-एन के नेतृत्व वाली पीओके सरकार ने 15 अरब रुपये की 100 दिवसीय कार्ययोजना पेश की है। इसमें स्वास्थ्य, शिक्षा, परिवहन, पर्यटन और नागरिक बुनियादी ढांचे में सुधार का वादा किया गया है। इसमें कुछ दीर्घकालिक परियोजनाएं भी शामिल हैं। प्रमुख पहल में 70 मोबाइल अस्पताल इकाइयां, 75 इलेक्ट्रिक बसें और पांच दानिश स्कूल शामिल हैं। प्रधानमंत्री इफ्तिखार गिलानी का कहना है कि सरकार रुके हुए जागरन-द्वितीय जलविद्युत परियोजना को पूरा करने के विकल्पों पर विचार कर रही है।

टैटू बनवाने के दौरान रखे साफ-सफाई का पूरा ख्याल



लंदन। टैटू बनवाने के दौरान साफ-सफाई की अनदेखी या बाद में उचित देखभाल नहीं करने से त्वचा को नुकसान पहुंच सकता है और संक्रमण का खतरा भी बढ़ सकता है। बाजार में स्थायी और अस्थायी दोनों तरह के टैटू उपलब्ध हैं। अस्थायी टैटू त्वचा की सबसे ऊपरी परत यानी एपिडर्मिस पर बनाए जाते हैं, जबकि स्थायी टैटू त्वचा की दूसरी परत डर्मिस में बनाए जाते हैं। स्थायी टैटू बनवाते समय सुई के माध्यम से त्वचा में रंग पहुंचाया जाता है। इसलिए इस्तेमाल किए जाने वाले उपकरणों और सुई की स्वच्छता का विशेष ध्यान रखना जरूरी होता है। टैटू कलाकारों के अनुसार, टैटू बनवाने के लिए हमेशा ऐसी जगह का चयन करना चाहिए, जहां साफ-सफाई के उचित इंतजाम हों। इस्तेमाल की गई सुई को दोबारा किसी दूसरे व्यक्ति पर इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। हर व्यक्ति के लिए नई और साफ सुई का उपयोग जरूरी है, क्योंकि दूषित उपकरणों से संक्रमण फैलने का खतरा रहता है।

बांग्लादेश की राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार विजेता फिल्म निर्माता मटिया बानू शुकू का निधन

ढाका (बांग्लादेश)। राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार विजेता फिल्म निर्माता मटिया बानू शुकू नहीं रहीं। गुरुवार रात उन्हें एक निजी अस्पताल के इंटेंसिव केयर यूनिट (आईसीयू) से पैलिएटिव केयर (उपशामक देखभाल) में स्थानांतरित किया गया। वहां उन्होंने गुरुवार रात लगभग 12:05 बजे अंतिम सांस ली।

अमेरिका में तूफान से तबाही, पूर्वोत्तर और मिडवेस्ट में बाढ़, नौ लाख से अधिक घरों की बिजली गुल

थैंक्सगिविंग की छुट्टियों के दौरान जनजीवन प्रभावित, हजारों उड़ानें प्रभावित, न्यूयार्क की मशहूर मेसीज परेड भी टली



वाशिंगटन (अमेरिका)

संयुक्त राज्य अमेरिका में थैंक्सगिविंग डे के अवसर पर आए भीषण तूफान ने पूर्वी तट और मिडवेस्ट के कई इलाकों में जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया। भारी बारिश, तेज हवाओं और बाढ़ के कारण बड़े पैमाने पर बिजली आपूर्ति बाधित हुई। छुट्टियों के दौरान यात्रा करने वाले लोगों को भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। खराब मौसम के कारण न्यूयार्क की मशहूर मेसीज थैंक्सगिविंग डे परेड को भी टालना पड़ा।

सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, बिजली आपूर्ति पर नजर रखने वाली वेबसाइट पावरआउटेज डाट यूएस के अनुसार, अमेरिका के मिडवेस्ट और पूर्वोत्तर क्षेत्रों में नौ लाख से अधिक बिजली उपभोक्ताओं के घरों की बिजली गुल रही। इनमें पेंसिल्वेनिया के दो लाख से अधिक उपभोक्ता शामिल हैं। वहीं, वर्जीनिया और मिसौरी में भी एक-एक लाख से अधिक उपभोक्ताओं को बिजली संकट का सामना करना पड़ा।

उड़ानों पर नजर रखने वाली वेबसाइट फ्लाइटअवेयर के मुताबिक, अमेरिका आने-जाने वाली दो हजार से अधिक उड़ानें देरी से चल रही थीं, जबकि 420 से ज्यादा उड़ानें रद्द कर दी गईं। तूफान के कारण पूर्वी तट के कई इलाकों में भारी बारिश, तेज हवाओं और बाढ़ की स्थिति पैदा हो गई। न्यू जर्सी की गवर्नर मिकी शेरिल ने पूरे राज्य में आपातकाल घोषित कर दिया। न्यूयार्क के कुछ हिस्सों में भी गवर्नर कैथी होचुल ने आपातकाल लागू किया। मौसम एवं विज्ञान विभाग ने उत्तरी जार्जिया से लेकर मिड-अटलांटिक और दक्षिणी न्यू इंग्लैंड तक के क्षेत्रों में तेज हवाओं को लेकर चेतावनी जारी की।

न्यूयार्क में तूफान और बाढ़ से मुश्किलें बढ़ीं

न्यूयार्क शहर के मेयर जोरान ममदानी ने बताया कि बाढ़ के पानी में फंसी दो कारों से लोगों को सुरक्षित बाहर निकालना पड़ा। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे पानी से भरी सड़कों पर पैदल चलने, साइकिल चलाने या वाहन ले जाने का जोखिम न उठाएं। ममदानी ने कहा, हम सभी को सुरक्षित रहने की याद दिलाना चाहते हैं। आपकी सुरक्षा से बढ़कर कोई मंजिल नहीं है।

शहर की आपातकालीन प्रबंधन एजेंसी के अनुसार, थैंक्सगिविंग के दिन न्यूयार्क में करीब डेढ़ से दो इंच बारिश हुई, जबकि कुछ इलाकों में बारिश का आंकड़ा तीन इंच तक पहुंच गया। समुद्र में ज्वार का स्तर बढ़ने से स्टेटन आइलैंड और लान्ग आइलैंड समेत शहर के कई तटीय इलाकों में पानी भर गया। एजेंसी ने बताया कि सेंट्रल पार्क में हवा की रफ्तार 30 मील प्रति घंटे से अधिक रही, जबकि लागार्डिया हवाई अड्डे पर यह 56 मील प्रति घंटे तक पहुंच गई। तेज हवाओं को देखते हुए मेसीज ने अपनी वार्षिक थैंक्सगिविंग परेड शनिवार तक के लिए स्थगित कर दी। आयोजकों को आशंका थी कि मैनहट्टन की ऊंची इमारतों के बीच तेज हवाओं में परेड के विशाल गुब्बारों को संभालना खतरनाक हो सकता है।

परेड टलने से दूसरे शहरों से आए लोगों की योजनाएं बदलीं

परेड में हिस्सा लेने के लिए टेक्सास के पियरलैंड से न्यूयार्क पहुंचे एक हाईस्कूल के मार्चिंग बैंड को भी अपनी यात्रा आगे बढ़ानी पड़ी। बैंड ने बताया कि उसके करीब 500 सदस्यों के न्यूयार्क में दो अतिरिक्त रातें ठहरने के लिए 3.5 लाख डालर जुटाए गए हैं। पियरलैंड हाईस्कूल के प्राइड आफ पियरलैंड मार्चिंग बैंड के निदेशक रयान डेमकोविच ने बताया कि यह उनके लिए बड़ी चुनौती है।

परेड में शामिल होने के लिए न्यूयार्क आए दूसरे लोगों को भी अपनी यात्रा योजनाओं में बदलाव करना पड़ा। फ्लोरिडा की मेकअप आर्टिस्ट अमांडा एंडरसन को परेड में हिस्सा लेने वाले कलाकारों का मेकअप करना था। उन्होंने अपनी वापसी की उड़ान दोबारा बुक कराई, ताकि न्यूयार्क में एक दिन और रुक सकें। एंडरसन ने बताया कि जब उन्हें परेड स्थगित होने की खबर मिली, उस समय वह मेसीज के स्टोर में थीं। उन्होंने कहा, मैंने वहां तीन लड़कियों को रोते हुए देखा। कई लोग उदास बैठे थे। यह मेरे लिए बिल्कुल अलग अनुभव था।

तटीय इलाकों में सड़कें डूबीं, गाड़ियों में फंसे लोगों को बचाया गया

समुद्र में ज्वार का स्तर बढ़ने के साथ उत्तरी कैरोलिना से न्यू जर्सी तक के कई तटीय कस्बों और शहरों में बाढ़ आ गई। सड़कें पानी में डूब गईं और आपातकालीन बचाव दल को पानी में फंसे वाहनों से लोगों को निकालना पड़ा। न्यू जर्सी के तटीय शहर एवलोन में अब तक की सबसे भीषण बाढ़ दर्ज की गई। शहर के प्रशासनिक अधिकारी स्काट जे. वाह्न ने बताया कि हालांकि स्थिति 2012 में आए विनाशकारी तूफान सैंडी जितनी गंभीर नहीं थी, लेकिन बाढ़ ने काफी नुकसान पहुंचाया।

उन्होंने बताया कि पानी अपने साथ मलबा बहाकर तट के पास की सड़कों तक ले आया। कुछ वाहन चालकों ने सुरक्षा के लिए लगाए गए अवरोधों को पार कर बाढ़ वाले रास्तों पर गाड़ियां चला दीं। बाद में उन्हें बचाव दल की मदद से बाहर निकालना पड़ा। हालांकि, किसी के घायल होने की खबर नहीं है।

न्यू जर्सी के एक अन्य तटीय शहर ओशन सिटी में भी भारी बारिश और तेज हवाओं से सड़कों पर पानी भर गया। वहां रहने वाले 54 वर्षीय लांस मिलर ने बताया कि उनके इलाके में करीब एक फुट तक पानी भर गया। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में पास की किराना दुकान तक कार से जाना भी जोखिम भरा था और इससे वाहन खराब हो सकता था। मिलर ने बताया कि उन्होंने थैंक्सगिविंग के लिए खाने-पीने की तैयारी पहले ही कर ली थी। इसलिए वह घर पर ही अपनी पत्नी और बेटी के साथ त्योहार मनाने वाले थे। हालांकि, उनके कुछ पड़ोसियों के घरों में पानी घुस गया था और वे सफाई में जुटे थे।

सिंगापुर यात्राः हाई कमीशन की शर्तों का पालन न करने पर आ सकती है बाधाएं



भारतीय पासपोर्ट की वैधता कम से कम 6 महीने होनी अनिवार्य

सिंगापुर

सिंगापुर का पर्यटन क्षेत्र भारतीय यात्रियों के लिए खास है, जहां भारत की हिस्सेदारी लगभग 7.1फीसदी है। यह चीन और इंडोनेशिया के बाद सिंगापुर के पर्यटन में तीसरा सबसे बड़ा योगदानकर्ता है। भारतीय नागरिकों के लिए सिंगापुर की यात्रा से पहले पासपोर्ट की वैधता, वीजा आवश्यकताओं और आगमन संबंधी नियमों की गहन जानकारी प्राप्त करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। इमिग्रेशन एंड चेक पाइंट्स अथारिटी और सिंगापुर के हाई कमीशन द्वारा निर्धारित इन शर्तों का पालन न करने पर यात्रा में गंभीर बाधाएं उत्पन्न हो सकती हैं। सबसे पहले, सिंगापुर पहुंचने की तय तिथि से आपके भारतीय पासपोर्ट की वैधता कम से कम 6 महीने होनी अनिवार्य है। यह एक गैर-परक्राम्य नियम है, यदि आपके पासपोर्ट की वैधता इससे कम है, तो एयरलाइंस आपको विमान में चढ़ने से रोक सकती है और सिंगापुर के इमिग्रेशन अधिकारी आपको देश में प्रवेश देने से इनकार कर सकते हैं।

इसके अतिरिक्त, आपका पासपोर्ट अच्छी स्थिति में होना चाहिए और उसमें दर्ज व्यक्तिगत जानकारी आपके वीजा और फ्लाइट टिकट से पूरी तरह मेल खानी चाहिए। इन बुनियादी नियमों की अनदेखी अप्रत्याशित कठिनाइयों का कारण बन सकती है। सिंगापुर वीजा के लिए सरकारी प्रोसेसिंग शुल्क 30 सिंगापुर डालर है, जो भारतीय मुद्रा में करीब 2100 रुपए के बराबर होता है। यह शुल्क गैर-वापसी योग्य है। भारतीय आवेदक किसी अधिकृत सिंगापुर वीजा एजेंट के जरिए आवेदन कर सकते हैं, जिसमें प्रति आवेदन 1300 रुपए तक का अतिरिक्त सेवा शुल्क लग सकता है। सिंगापुर में रहने वाले पात्र व्यक्ति सिंगपास या कार्पपास का उपयोग करके आनलाइन आवेदन भी जमा कर सकते हैं। सामान्यत:, वीजा आवेदन प्रक्रिया में 3 से 5 कार्यदिवस लगते हैं, जिसमें आवेदन जमा करने का दिन, वीकेंड और सार्वजनिक छुट्टियां शामिल नहीं होतीं।

यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे अपनी यात्रा से कम से कम 30 दिन पहले आवेदन करें ताकि किसी भी संभावित देरी से बचा जा सके। यह समझना जरुरी है कि वीजा की वैधता और सिंगापुर में ठहरने की अनुमति की अवधि अलग-अलग बातें हैं, इमिग्रेशन अधिकारी इलेक्ट्रानिक विजिट पास में स्पष्ट रूप से बताते हैं कि आप कितने दिनों तक रुक सकते हैं।

इराक ने सीरिया और ईरान से लगे कुर्दिस्तान क्षेत्र के दो सीमा मार्ग किए बंद

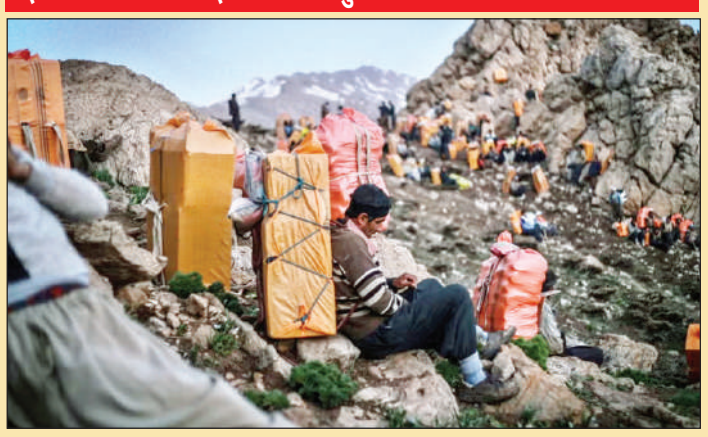

बगदाद। इराक ने कुर्दिस्तान क्षेत्र में सीरिया और ईरान से लगे दो प्रमुख सीमा मार्गों को बंद कर दिया है। इन सीमा चौकियों का संचालन कुर्दिस्तान क्षेत्रीय सरकार (केआरजी) के प्रशासन के तहत होता था। इराकी सरकारी मीडिया के अनुसार, यह कदम अर्ध-स्वायत्त कुर्दिस्तान क्षेत्र पर केंद्र सरकार का नियंत्रण मजबूत करने की कोशिशों का हिस्सा है। इराकी सीमा बलों के कमांडर ने इराकी समाचार एजेंसी को बताया कि सीरिया से लगी अल-वलीद और ईरान से लगी बश्तमा सीमा चौकियों को बंद कर दिया गया है। दोनों चौकियां कुर्दिस्तान क्षेत्रीय सरकार के प्रशासन वाले इलाके में स्थित हैं। यह कार्रवाई बुधवार को इराक की सर्वोच्च अदालत के उस फैसले के बाद हुई है, जिसमें केंद्र सरकार को कुर्दिस्तान क्षेत्र सहित देश की सभी अंतरराष्ट्रीय सीमाओं पर संघीय सुरक्षा बलों की तैनाती की अनुमति दी गई। इस फैसले से बगदाद को उन सीमा क्षेत्रों में भी अपनी सुरक्षा व्यवस्था लागू करने का अधिकार मिल गया है, जिनका प्रबंधन अब तक क्षेत्रीय सरकार के हाथों में था। इससे पहले, मंगलवार को प्रधानमंत्री अली अल-जैदी ने संघीय अधिकारियों को कुर्दिस्तान क्षेत्रीय सरकार के नियंत्रण वाली सीमा चौकियों का संचालन अपने हाथ में लेने का आदेश दिया था।

बांग्लादेश की सरकार ने कहा- शेख हसीना और उनके परिवार के लिए हमारे यहां कोई जगह नहीं

ढाका (बांग्लादेश)

अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की दिसंबर में स्वदेश वापसी की घोषणा पर बांग्लादेश की सरकार ने कड़ा रुख अपनाया है। विदेश राज्यमंत्री हुमायूं कबीर ने दो टूक कहा, शेख हसीना और उनके परिवार के लिए हमारे यहां कोई जगह नहीं है। वह दिसंबर में बांग्लादेश नहीं लौटेंगी। उनके आने का एक मात्र जरिया प्रत्यर्पण है। उन्होंने गुरुवार को मंत्रालय में पत्रकारों से बातचीत में सरकार का पक्ष सामने रखा।

प्रोथोम अलो और द डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार, विदेश राज्यमंत्री हुमायूं कबीर ने दावा किया कि भारत को भी अब यह एहसास हो रहा है कि शेख हसीना दोनों देशों के संबंधों के बीच एक कांटा बनी हुई हैं। उन्होंने कहा कि भारत भी अब हसीना के पागलपन को समझने लगा है और उनकी वजह से खुद को असहज स्थिति में पा रहा है। उन्होंने दिसंबर में हसीना के लौटने की संभावना को सिरे से खारिज कर दिया।

कबीर ने कहा, भाई, दिसंबर में कोई और नहीं आने वाला। दिसंबर में तो बस सर्दी आएगी। आपको स्वेटर खरीद लेने चाहिए। उनकी वापसी पर और चर्चा करने का कोई मतलब नहीं है। वह हथकड़ी पहनकर या कड़ी निगरानी में हवाई जहाज से ही आ सकती हैं। उनके आने का बस यही एक तरीका है। उनसे भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल के उस बयान के



बारे में पूछा गया, जिसमें कहा गया था कि शेख हसीना का अपनी मर्जी से बांग्लादेश लौटने का इरादा और ढाका के उनके प्रत्यर्पण की मांग, ये दोनों अलग-अलग मामले हैं।

हुमायूं कबीर ने कहा कि किसी व्यक्ति की अपनी मर्जी से अपने देश लौटने और प्रत्यर्पण संधि के मुद्दे को अलग-अलग मानने के भारत के रुख को समझने में कोई कठिनाई नहीं है। आम यात्रियों या नागरिकों की आवाजाही एक अलग बात है, जबकि प्रत्यर्पण संधि अपराधियों पर लागू होती है। उन्होंने कहा कि शेख हसीना अपराधियों की श्रेणी में आती हैं और उन्हें प्रत्यर्पण संधि के तहत सौंपा जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि 5 अगस्त 2024 को बड़े पैमाने पर हुए जन-विद्रोह के बीच सत्ता से बेदखल होने के बाद शेख हसीना भारत भाग गई थीं। तब से वह भारत में ही रह रही हैं। 17 नवंबर 2025 को बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (प्रथम) ने उन्हें जुलाई के जन-विद्रोह के दौरान मानवता के खिलाफ किए गए अपराधों से जुड़े एक मामले में मौत की सजा सुनाई है। कबीर ने कहा कि बांग्लादेश ने भारत से प्रत्यर्पण का अनुरोध कर दिया है और अब वह जवाब का इंतजार कर रहा है।

विदेश राज्यमंत्री हुमायूं कबीर ने यह भी कहा कि बांग्लादेश में शेख हसीना के परिवार, उनकी पार्टी या आतंकवादियों के लिए कोई जगह नहीं है। उन्होंने अवामी लीग की अध्यक्ष शेख हसीना की आलोचना करते हुए कहा, वह एक मनोरोगी हैं। वह अपने पीछे 2,000 लोगों की मौत छोड़ गई हैं और उन्हें इसका कोई पछतावा नहीं है। उनकी कोई राजनीति नहीं है। उनका राजनीतिक करियर बहुत पहले ही खत्म हो चुका है। वह एक आतंकवादी हैं।

उन्होंने कहा, आप किसी अनचाहे मेहमान को बस यूं ही बाहर नहीं निकाल सकते। आपको उन्हें अपने पास रखना पड़ता है और बर्दाश्त करना पड़ता है, और यह एक परेशान करने वाली समस्या बन गई है। वे भी इस बात को समझते हैं। गंगा जल बंटवारा संधि जो 12 दिसंबर को समाप्त हो रही है के बारे में उन्होंने बताया कि बांग्लादेश ने भारत को पत्र लिखा है और जवाब का इंतजार कर रहा है। उन्होंने कहा, हमारी तरफ से जो कुछ भी किया जाना चाहिए, हम वह कर रहे हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अवांछित विचार दिमाग़ में छा सकते हैं। ख़ुद को शारीरिक व्यायाम का मज़ा लेने दें, क्योंकि खाली दिमाग़ शैतान का घर होता है। अपने धन का संचय कैसे करना है यह हुनर आज आप सीख सकते हैं और इस हुनर को सीख कर आप अपना धन बचा सकते हैं। एक पारिवारिक आयोजन में आप सभी के ध्यान का केन्द्र होंगे। रात के समय आज आप घर के लोगों से दूर होकर अपने घर की छत या किसी पार्क में टहलना पसंद करेंगे। वक्त कैसे गुजर जाता है इस बात का अहसास आज आपको अपने किसी पुराने मित्र से मिलकर हो सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अपनी शारीरिक चुस्ती–फुर्ती को बनाए रखने के लिए आप आज का दिन खेलने में व्यतीत कर सकते हैं। आर्थिक रुप से आज आप काफी मजबूत नजर आएंगे, ग्रह नक्षत्रों की चाल से आज आपके लिए धन कमाने के कई मौके बनेंगे. शाम का ज़्यादातर समय मेहमानों के साथ गुज़रेगा। संभव है आज आप अपने प्रिय को टॉफ़ी वग़ैरह दें। सामाजिक और धार्मिक समारोह के लिए बेहतरीन दिन है। बाग़बानी करना आपके लिए सुकून भरा हो सकता है – इससे पर्यावरण को भी लाभ पहुँचेगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

अगर आपने किसी शख़्स को पैसा उधार दिया था तो आज आपको वो पैसा वापस मिलने की उम्मीद है। आपको परिवार के सदस्यों और दोस्तों के साथ बिताने के लिए पर्याप्त समय मिलेगा। मौज–मस्ती के लिए घूमना संतोषजनक रहेगा। सुबह जीवनसाथी से आपको कुछ ऐसा मिल सकता है, जिससे आपका सारा दिन ख़ुशगवार गुज़रेगा। काम की अधिकता आज आपको मानसिक रुप से परेशान कर सकती है। हालांकि शाम के वक्त थोड़ी देर ध्यान करके आप अपनी ऊर्जा वापस पा सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

दूसरों के साथ ख़ुशी बांटने से सेहत और खिलेगी। घर में कुछ बदलाव लाने के लिए पहले बाक़ी लोगों की राय भली–भांति जान लें। रोमांस को झटका लगेगा और आपके क़ीमती तोहफ़े भी आज जादू चलाने में विफल रहेंगे। अपनी ख़ासियत और भविष्य की योजनाओं पर फिर से सोचने का समय। जीवनसाथी द्वारा परिवार और मित्रों के बीच नकारात्मक तरीक़े से आपके वैवाहिक जीवन की निजी बातें उजागर हो सकती हैं। वक्त कैसे गुजर जाता है इस बात का अहसास आज आपको अपने किसी पुराने मित्र से मिलकर हो सकता है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

अपने ऊर्जा–स्तर को फिर से बढ़ाने के लिए पूरा आराम करें, क्योंकि थका हुआ शरीर दिमाग़ को भी थका देता है। आपको अपनी असली क्षमताओं को पहचानने की ज़रूरत है, क्योंकि आपमें क्षमता की नहीं बल्कि इच्छा–शक्ति की कमी है। आज आपके माता–पिता में से कोई आपको धन की बचत करने को लेकर लेक्चर दे सकता है, आपको उनकी बातों को बहुत गौर से सुनने की जरुरत है नहीं तो आने वाले समय में परेशानी आपको ही उठानी पड़ेगी। अपने सामर्थ्य से ज्यादा काम करना आपके लिए नुकसानदायक साबित होगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

ज़िन्दगी की बेहतरीन चीज़ों को शिद्दत से महसूस करने के लिए अपने दिल–दिमाग़ के दरवाज़े खोलें। चिंता को छोड़ना इसकी ओर पहला क़दम है। ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्च करने और चालाकी–भरी आर्थिक योजनाओं से बचें। अपना अतिरिक्त समय निःस्वार्थ सेवा में लगाएँ। यह आपको और आपके परिवार को ख़ुशी और दिली सुकून देगा। अगर अपने लव पार्टनर को अपना जीवनसाथी बनाना चाहते हैं तो उनसे आज बात कर सकते हैं। हालांकि बात करने से पहले आपको उनके मनोभावों को जान लेना चाहिए। अगर आप किसी विवाद में उलझ जाएँ तो तल्ख़ टिप्पणी करने से बचिए।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज आपको बेवजह पैसा खर्च करने से खुद को रोकना चाहिए नहीं तो जरुरत के समय आपके पास पैसे की कमी हो सकती है। कोई पुराना दोस्त शाम के समय फोन कर पुरानी यादें ताज़ा कर सकता है। आपकी मुलाक़ाता एक ऐसे दोस्त से होगी, जिसे आपका ख़याल है और जो आपको समझता भी है। किसी पार्क में घूमते समय आज आपकी मुलाकात किसी ऐसे शख़्स से हो सकती है जिससे अतीत में आपके मतभेद थे। जीवन की उलझनों का हल आपको खुद ढूंढने की जरुरत है क्योंकि लोग आपको बस सलाह दे सकते हैं और कुछ नहीं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

व्यस्त दिनचर्या के बावजूद स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। बीते दिनों में जितना धन आपने आज को बेहतर बनाने के लिए इनवेस्ट किया था उसका फायदा आज आपको फायदा मिल सकता है। परिवार के सदस्य कई चीज़ों की मांग कर सकते हैं। अपने प्रिय को आज निराश न करें– क्योंकि ऐसा करने की वजह से बाद में आपको पछताना पड़ सकता है। आज ऐसी कई सारी चीज़ें होंगी – जिनकी तरफ़ तुरन्त ग़ौर करने की आवश्यकता है। अलग–अलग नज़रिए के चलते आपके और आपके जीवनसाथी के बीच वाद–विवाद हो सकता है। अपना पसंदीदा संगीत सुन सकते हैं

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज आप उम्मीदों की जादुई दुनिया में हैं। आज आप अपने घर के वरिष्ठ जनों से पैसे की बचत करने को लेकर कोई सलाह ले सकते हैं और उस सलाह को ज़िंदगी में जगह भी दे सकते हैं.आज आप ऐसे इंसान से मिल सकते हैं, जो आपको ख़ुद अपनी ज़िन्दगी से ज़्यादा चाहता होगा। आप ख़ाली समय में अपने पसंदीदा काम करना पसंद करते हैं, आज भी आप ऐसा ही कुछ करने का सोचेंगे लेकिन किसी शख़्स के घर में आने की वजह से आपका यह प्लान चौपट हो सकता है छात्र जिस विषय में कमजोर हैं उस विषय के बारे में आज अपने टीचर से बात कर सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

सेहत अच्छी रहेगी। आपका कोई दोस्त आपसे आज बड़ी रकम उधार मांग सकता है, अगर आप उनको यह रकम देते हैं तो आप आर्थिक तंगी में आ सकते हैं। बच्चे की पढ़ाई के बारे में चिंता करने की ज़रूरत नहीं है। आज के दिन आपके कुछ दोस्त आपके घर में आ सकते हैं और उनके साथ आप समय बिता सकते हैं ज़रूरत के वक़्त आपका जीवनसाथी आपके परिवार की अपेक्षा अपने परिवार को ज़्यादा तरजीह देता हुआ नज़र आ सकता है। आपकी बातें आज आपके करीबियों को समझ नहीं आएंगी जिसकी वजह से आप परेशानी महसूस करेंगे।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आपके पास ख़ुद के लिए पर्याप्त समय होगा, तो मौक़े का फ़ायदा उठाएँ और अच्छी सेहत के लिए पैदल सैर पर जाएँ। अगर आप घर से बाहर रहकर जॉब या पढ़ाई करते हैं तो ऐसे लोगों से दूर रहना सीखें जो आपका धन और समय बर्बाद करते हैं। घर के किसी सदस्य के व्यवहार की वजह से आप परेशान रह सकते हैं। आपको उनसे बात करने की जरुरत है। कई बार मोबाइल चलाते–चलाते आपको समय का पता ही नहीं चलता और फिर जब आप अपना समय बर्बाद कर चुके होते हैं तो आपको पछतावा होता है

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

तंग आर्थिक हालात के चलते कोई अहम काम बीच में अटक सकता है। परिवार के सदस्य कई चीज़ों की मांग कर सकते हैं। रोमांस के नज़रिए से आज ज़िन्दगी बहुत जटिल रहेगी। आज सोच–समझकर क़दम बढ़ाने की ज़रूरत है– जहाँ दिल की बजाय दिमाग़ का ज़्यादा इस्तेमाल करना चाहिए। आपका जीवनसाथी आपकी ज़रूरतों को अनदेखा कर सकता है, जिसके चलते आप चिड़चिड़े हो सकते हैं। आपकी तंदरुस्ती आज आपके घर वालों को खुशी देगी।

आज का पंचांग

दिनांक : 28 नवंबर 2026 , शनिवार
विक्रम संवत : 2083
मास : मार्गशीर्ष ,कृष्ण पक्ष
तिथि : पंचमी रात्रि 03:59 तक
नक्षत्र : पुनर्वसु दोपहर 12:51 तक
योग : शुक्ल रात्रि 08:17 तक
करण : कौलव सायं 05:17 तक
चन्द्रराशि : मिथुन प्रातः 07:23 तक
सूर्योदय : 06:28, सूर्यास्त 05:39 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:24, सूर्यास्त 05:50 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:18 सूर्यास्त 05:42 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:18, सूर्यास्त 05:32 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रातः 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उड़द खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : मंदवासरे अश्वत्थ वृक्ष पूजन

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

चाकनावाड़ी में मच्छरों, सीवरेज और कच्ची नालियों की समस्याओं का समाधान किया जाए

–बीआरएस नेता एम. आनंद कुमार गौड़ ने अधिकारियों को सौंपा ज्ञापन




हैदराबाद, 27 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

गोशामहल बीआरएस नेता एम. आनंद कुमार गौड़ ने जीएचएमसी आयुक्त आर.वी. कर्णन, हैदराबाद महानगर जलापूर्ति एवं सीवरेज बोर्ड (एचएमडब्ल्यूएसएसबी) के प्रबंध निदेशक अशोक रेड्डी तथा स्वास्थ्य एवं स्वच्छता विभाग के अतिरिक्त आयुक्त रवि किरण से गोशामहल निर्वाचन क्षेत्र के चाकनावाड़ी इलाके में व्याप्त मच्छरों के प्रकोप को रोकने और स्थानीय निवासियों को वायरल बुखार से बचाने के लिए तत्काल कदम उठाने का आग्रह किया है।

इस संबंध में उन्होंने शुक्रवार को अधिकारियों से शिष्टाचार भेंट कर चाकनावाड़ी क्षेत्र में मच्छरों की गंभीर समस्या, सीवरेज के ओवरफ्लो तथा कच्ची नालियों से हो रहे रिसाव की समस्याओं के तत्काल समाधान की मांग करते हुए ज्ञापन सौंपा।

इस अवसर पर आनंद कुमार गौड़ ने अधिकारियों को बताया कि चाकनावाड़ी और मूसी नदी के जलग्रहण क्षेत्रों में मच्छरों के बेकाबू प्रजनन के कारण स्थानीय लोग प्रतिदिन वायरल बुखार की चपेट में आ रहे हैं और उन्हें अस्पतालों का रुख करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि चाकनावाड़ी क्षेत्र में मच्छर के काटने से डेंगू की चपेट में आए चार वर्षीय कैरव राज की दुखद मृत्यु के बाद स्थानीय निवासी डेंगू जैसी बीमारियों के फैलने की आशंका से भयभीत हैं।

उन्होंने अधिकारियों को अवगत कराया कि इलाके की गलियों में सीवरेज और कच्ची नालियों के रिसाव के कारण गंदा पानी सड़कों पर बह रहा है, जिससे मच्छरों का प्रकोप और अधिक बढ़ गया है। आनंद कुमार गौड़ ने जीएचएमसी आयुक्त, जल बोर्ड के प्रबंध निदेशक तथा स्वास्थ्य एवं स्वच्छता विभाग के अधिकारियों से अपील की कि वे युद्धस्तर पर सीवरेज और कच्ची नालियों के रिसाव की मरम्मत का कार्य शुरू करें तथा जहां आवश्यक हो, वहां नई पाइपलाइन बिछाएं।

आनंद कुमार गौड़ ने बताया कि अधिकारियों ने उनकी मांगों पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए तत्काल उचित कार्रवाई करने का आश्वासन दिया। उन्होंने गोशामहल निर्वाचन क्षेत्र की जनता की ओर से जीएचएमसी आयुक्त आर.वी. कर्णन, जल बोर्ड के प्रबंध निदेशक अशोक रेड्डी तथा स्वास्थ्य एवं स्वच्छता विभाग के अतिरिक्त आयुक्त रवि किरण का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि अधिकारियों ने उनके अनुरोध को स्वीकार करते हुए चाकनावाड़ी जैसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए ठोस कदम उठाने का भरोसा दिलाया।

उन्होंने निर्वाचन क्षेत्र के निवासियों से आग्रह किया कि वे पहचानें कि स्थानीय जनसमस्याओं के समाधान के लिए वास्तव में कौन काम कर रहा है और ऐसे लोगों को अपना पूरा सहयोग एवं समर्थन दें। आनंद कुमार गौड़ ने कहा कि गोशामहल की जनता के साथ उनका 35 वर्षों का अटूट रिश्ता है। कॉरपोरेटर का चुनाव हारने तथा उनकी पार्टी के सत्ता में नहीं होने के बावजूद वे स्थानीय समस्याओं के समाधान के लिए निरंतर प्रयासरत हैं।

उन्होंने आश्वासन दिया कि वे जनता के लिए हमेशा उपलब्ध रहेंगे तथा किसी भी स्थानीय समस्या को उनके संज्ञान में लाए जाने पर संबंधित अधिकारियों से चर्चा कर उसका त्वरित समाधान सुनिश्चित करने का प्रयास करेंगे।

इंटरनेशनल मीटलेस डे पर करोड़ों लोगों ने लिया शाकाहार का संकल्प



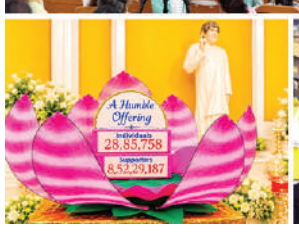



पुणे, 27 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

साधु वासवानी मिशन द्वारा 25 नवंबर को पूज्य साधु टी.एल. वासवानीजी की 147वीं जयंती के अवसर पर इंटरनेशनल मीटलेस डे विश्वभर में करुणा एवं अहिंसा के संदेश के साथ मनाया गया। अभियान को विश्वभर में 8.52 करोड़ से अधिक लोगों का समर्थन मिला, जबकि 28.85 लाख लोगों ने मांसाहार त्याग का संकल्प लिया तथा 2,170 लोगों ने आजीवन शाकाहारी बनने की प्रतिज्ञा की। भारत में भी 20.89 लाख लोगों ने अभियान में सहभागिता की।

इस अवसर पर विभिन्न शहरों में शांति रैलियां, जागरूकता अभियान, संकल्प कार्यक्रम एवं सेवा गतिविधियां आयोजित की गईं। पुणे के छह ग्रामीण क्षेत्रों में मोबाइल पशु चिकित्सा सेवा के माध्यम से 1,22,684 संकल्प एकत्रित किए गए। मिशन मुख्यालय में सत्संग, हवन, गुरु लंगर, दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग वितरण तथा जरूरतमंद परिवारों को राशन किट प्रदान की गईं। मिशन ने पशुओं के प्रति दया, शाकाहार एवं अहिंसक जीवनशैली अपनाने का आह्वान करते हुए कहा कि प्रत्येक जीव के प्रति प्रेम, करुणा एवं सम्मान ही सच्ची मानवता का आधार है।

राजभाषा हिंदी कार्यशाला आयोजित

हिंदी शब्दावली एवं पत्राचार पर दिए गए प्रशिक्षण







नलगोंडा, 27 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, नलगोंडा के तत्वावधान एवं संयोजन में सदस्य कार्यालयों के लिए 27 नवंबर 2026 को प्रयोजनमूलक हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में भारत सरकार की राजभाषा नीति, हिंदी शब्दावली एवं हिंदी पत्राचार जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रशिक्षण सत्र संचालित किए गए। प्रतिभागियों को सरकारी कामकाज में हिंदी के प्रभावी प्रयोग, कार्यालयीन पत्राचार तथा राजभाषा संबंधी नियमों एवं प्रावधानों की जानकारी दी गई। इस कार्यशाला में विभिन्न सरकारी बैंकों, बीमा कंपनियों तथा केंद्र सरकार के कार्यालयों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यशाला का उद्देश्य सरकारी कार्यालयों में हिंदी के प्रयोग को प्रोत्साहित करना तथा राजभाषा कार्यान्वयन को अधिक प्रभावी बनाना था।

यश माहेश्वरी के कथित बयान के विरोध में पुलिस प्रशासन को सामूहिक शिकायत सौंपने की अपील

हैदराबाद, 27 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बिहार, झारखंड एवं पूर्वांचल के सभी समाजबंधुओं से अपील की गई है कि बिहार की महिलाओं के संबंध में यश माहेश्वरी द्वारा कथित तौर पर की गई टिप्पणी के विरोध में एकजुट होकर शांतिपूर्ण एवं संवैधानिक तरीके से अपनी आवाज उठाएं।

बिहार समाज सेवा संघ, हैदराबाद की ओर से हैदराबाद में रहने वाले समाज के सभी भाइयों एवं बंधुओं से आग्रह किया गया है कि समाज की महिलाओं की गरिमा, छठ महापर्व की पवित्रता और सांस्कृतिक अस्मिता से जुड़े इस विषय पर एकजुट होकर विरोध दर्ज कराएं।

अपील में कहा गया कि किसी के प्रति व्यक्तिगत द्वेष नहीं है, लेकिन अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर समाज की आस्था और महिलाओं के सम्मान के साथ खिलवाड़ स्वीकार्य नहीं होना चाहिए।

समाजबंधुओं से आग्रह किया गया है कि वे एकजुट होकर हैदराबाद पुलिस प्रशासन को सामूहिक शिकायत सौंपें तथा मामले की निष्पक्ष जांच एवं उचित कानूनी कार्रवाई की मांग करें।

सामूहिक शिकायत का कार्यक्रम : शनिवार, 28 नवंबर को दोपहर 2 बजे, स्थान: जिडिमेटला पुलिस स्टेशन। संघ की ओर से कहा गया कि समाज की एकता, संस्कृति और मातृशक्ति का सम्मान सर्वोपरि है। सभी समाजबंधुओं से इस सामूहिक शिकायत कार्यक्रम में शामिल होकर सहयोग देने की अपील की गई है।

वमसी कृष्णा के हस्तक्षेप से 24 घंटे में शिलापट्ट में मुख्यमंत्री का नाम शामिल



पेद्दापल्ली, 27 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मंथानी में सरकारी संगीत एवं नृत्य महाविद्यालय के उद्घाटन शिलापट्ट पर मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी का नाम नहीं होने से उठे विवाद में सांसद गद्दाम वामसी कृष्णा के हस्तक्षेप के बाद 24 घंटे के भीतर नया शिलापट्ट तैयार कराया गया, जिसमें मुख्यमंत्री का नाम शामिल किया गया।

इस मामले में सांसद वामसी कृष्णा ने मुख्य सचिव को पत्र लिखकर सरकारी प्रोटोकॉल के पालन एवं मुख्यमंत्री पद की गरिमा सुनिश्चित करने की मांग की थी। अधिकारियों ने उनके पत्र पर कार्रवाई करते हुए नया शिलापट्ट तैयार कराया। इस घटनाक्रम को सरकारी कार्यक्रमों में प्रोटोकॉल एवं संवैधानिक पदों के सम्मान की दिशा में महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

भक्तिमय प्रभात फेरी में मदनूर में भक्तों की बढ़ी संख्या



मदनूर, 27 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। कामारेड्डी जिले के मदनूर कस्बे में कार्तिक मास के अवसर पर पिछले एक महीने से जारी पारंपरिक प्रभात फेरी से पूरा गांव भक्तिमय वातावरण में सराबोर है। लगभग 60 वर्षों से चली आ रही इस परंपरा में इस वर्ष भक्तों की संख्या में वृद्धि हुई है। करीब 40 दिनों तक चलने वाली प्रभात फेरी में गांव के सभी वर्गों के लोग श्रद्धा एवं भक्ति के साथ भाग ले रहे हैं। शुक्रवार को जंगम महेश्वर की पूजा एवं पुष्पांजलि के अवसर पर विशेष भक्तिमय माहौल रहा। प्रभात फेरी में प्रतिदिन एक बेजुबान कुत्ता भी शामिल होता है, जबकि एक दिन गौ माता के भी शामिल होने से श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। कुछ दिनों पूर्व इस्कॉन के प्रतिनिधियों ने मदनूर पहुंचकर भक्तों की एकता, भक्ति एवं समर्पण की प्रशंसा की। उनका फूलों की मालाओं से स्वागत किया गया। शुक्रवार को सैकड़ों महिलाओं ने पुष्पमालाओं से स्वागत करते हुए विभिन्न मंदिरों में आरती की। भक्तों ने गलियों में आतिशबाजी कर उत्सव का माहौल बनाया। इस पारंपरिक प्रभात फेरी से मदनूर में आध्यात्मिक वातावरण बना हुआ है, जो लोगों को श्रद्धा एवं शांति का अनुभव करा रहा है।

गोजेगांव में इंदिरम्मा बीमा योजना के ऑनलाइन आवेदन शुरू



मदनूर, 27 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मदनूर मंडल के गोजेगांव ग्राम पंचायत भवन में शुक्रवार को तेलंगाना सरकार की इंदिराम्मा परिवार जीवन बीमा योजना के ऑनलाइन आवेदन कार्य का शुभारंभ सरपंच भारत राठोड ने किया। इस दौरान ग्रामीणों से आवेदन प्राप्त कर ऑनलाइन प्रक्रिया शुरू की गई। सरपंच भारत राठोड ने कहा कि राज्य सरकार गरीब परिवारों के कल्याण के उद्देश्य से यह योजना शुरू कर रही है। उन्होंने पात्र परिवारों से ग्राम पंचायत में आवेदन करने तथा आधार कार्ड एवं नामिनी के आधार कार्ड की प्रतियां जमा करने की अपील की। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत सचिव हरीश, उपसरपंच रेखा बसवंतराव पाटिल, पंचायत सदस्य, कांग्रेस मंडल अध्यक्ष सायलु, पूर्व आत्मा कमेटी अध्यक्ष, कोड़चीरा सरपंच संतोष पाटिल, पूर्व कृषि बाजार समिति अध्यक्ष शिवाजी, मंडल विकास अधिकारी सायलु, मंडल पंचायत अधिकारी सत्यनारायण, महिलाओं सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

कामारेड्डी बस स्टैंड पर पुलिस जागरूकता कार्यक्रम




कामारेड्डी, 27 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। कामारेड्डी जिला बस स्टैंड पर शुक्रवार को पुलिस आर्ट ग्रुप द्वारा साइबर अपराध, चोरी, गांजा, मादक पदार्थों, नाबालिगों के वाहन चलाने तथा सड़क सुरक्षा को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिला पुलिस अधीक्षक एम. राजेश चंद्रा के निर्देश पर आयोजित इस कार्यक्रम में संवाद एवं गीतों के माध्यम से यात्रियों को जागरूक किया गया।

पुलिस ने साइबर अपराध हेल्पलाइन 1930, आपातकालीन नंबर 112 तथा महिला सुरक्षा टीम के नंबर 8712686094 की जानकारी दी। साथ ही ओटीपी साझा न करने, हेलमेट पहनने और अनजान लोगों से सतर्क रहने की अपील की।

कार्यक्रम में पुलिस कला दल प्रभारी हेड कांस्टेबल रामंचा तिरुपति, यू. शेष राव, कांस्टेबल प्रभाकर तथा महिला सुरक्षा टीम की डब्ल्यू.पी.सी. सौजन्या एवं पी.सी. भूमय्या उपस्थित रहे।

पोचाराम ने किया स्कूलों में पुस्तकालय का शुभारंभ



बांसवाड़ा, 27 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बांसवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के विधायक पोचाराम श्रीनिवास रेड्डी ने शहर के सरकारी स्कूलों–जेडपीए–चएस ओल्ड बांसवाड़ा, जेडपीएचएस (जीजेसी) एवं जेडपीएचएस (सीयूपीएस) में स्थापित पुस्तकालयों का उद्घाटन किया। कार्यक्रम में जिला पुस्तकालय अध्यक्ष मद्दी चंद्रकांत रेड्डी, नगर पालिका अध्यक्ष कसुला विजया सहित जनप्रतिनिधि एवं अन्य नेता उपस्थित रहे। इस अवसर पर विधायक पोचाराम ने विद्यार्थियों के जीवन में पुस्तकों एवं पुस्तकालयों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पुस्तकें ज्ञान, बुद्धि, चिंतन शक्ति एवं व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। पुस्तकालय केवल पढ़ने का स्थान नहीं, बल्कि ऐसा ज्ञान केंद्र है, जहां विद्यार्थी अपने उज्ज्वल भविष्य की नींव रखते हैं।

हिंदू वाहिनी की जिला बैठक संपन्न



मंचेरियाल, 27 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियाल के हाईटेक सिटी पोचम्मा मंदिर में हिंदू वाहिनी की जिला बैठक आयोजित की गई। बैठक में तेलंगाना क्षेत्र संगठन सचिव मुदुपु यादिरेड्डी एवं युवा वाहिनी संयोजक पैतरी राजू की उपस्थिति में नई जिला एवं नगर कार्यकारिणी घोषित की गई।

के. रविंदर को जिला संयोजक तथा रामगिरी श्रीनिवास, दंडवेनी श्रीधर, कुचि सुमलता (अधिवक्ता) एवं एरंम तिरुपति को जिला सह–संयोजक नियुक्त किया गया। नगर संयोजक की जिम्मेदारी कीर्ति नवीन को सौंपी गई। नगर कार्यकारिणी सदस्य के रूप में रामगिरी मणिकंठ, साई, मलक प्रताप, नागारापु संतोष, अमित कृष्ण, साई दीक्षित एवं संदीप बत्तुला नियुक्त किए गए।

नवनियुक्त पदाधिकारियों से संगठन की मजबूती एवं सामाजिक कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया गया।



हजार वर्षों से अधिक समय तक टिके रहने वाली भव्य संरचना.. प्राचीन भारतीय ज्ञान के साथ आधुनिक तकनीक का अद्भुत संगम!

अयोध्या में निर्मित श्रीराम मंदिर करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का प्रतीक मात्र नहीं है, बल्कि आधुनिक विज्ञान, इंजीनियरिंग कौशल और प्राचीन भारतीय निर्माण परंपराओं के अद्भुत समन्वय का भी उत्कृष्ट उदाहरण है। मंदिर निर्माण में अपनाई गई तकनीक, पत्थरों का चयन, मजबूत नींव तथा सूर्य की किरणों के सटीक संयोजन जैसे विषय वैज्ञानिक दृष्टि से अत्यंत रोचक हैं। आध्यात्मिकता को आधुनिक विज्ञान का साथ मिलने से यह मंदिर भारतीय वास्तुकला और तकनीकी सामर्थ्य की अनूठी मिसाल बनकर उभरा है।

मजबूत और टिकाऊ नींव

सरयू नदी के निकट स्थित अयोध्या की रेतीली मिट्टी पर विशाल पत्थरों की संरचना का निर्माण करना इंजीनियरों के लिए बड़ी चुनौती थी। इस चुनौती से निपटने के लिए मंदिर निर्माण में आधुनिक भू-तकनीकी इंजीनियरिंग पद्धतियों को अपनाया गया। कमजोर मिट्टी को हटाकर, इंजीनियरिंग मानकों के अनुसार तैयार की गई विभिन्न परतों और रोलर कॉम्पैक्टेड कंक्रीट (आरसीसी) की सहायता से मजबूत नींव बनाई गई। भूकंप तथा जमीन के धंसने जैसी संभावित चुनौतियों का आकलन करने के लिए कंप्यूटर मॉडल के माध्यम से संरचना की स्थिरता का परीक्षण किया गया।

पत्थरों की अनूठी संरचना

मंदिर की मुख्य संरचना में लोहे और इस्पात का उपयोग किए बिना पत्थरों को आपस में जोड़ने की पारंपरिक पद्धति को प्राथमिकता दी गई है। पत्थरों को विशेष तरीके से एक-दूसरे के साथ मजबूती से जोड़ा गया है। इसके अलावा, आवश्यक स्थानों पर तांबे की प्लेटों और तांबे के जोड़ने वाले उपकरणों का उपयोग किया गया है। लोहे की तुलना में तांबा जंग के प्रति अधिक प्रतिरोधी होता है, जबकि पत्थर भी दीर्घकाल तक टिकाऊ बने रहते हैं। यह प्राचीन भारतीय शिल्पकला और आधुनिक इंजीनियरिंग के समन्वय की विशेष मिसाल है।

हजारों विशिष्ट नक्काशीदार पत्थरों को सटीक रूप से व्यवस्थित करने के लिए भवन सूचना मॉडलिंग (बीआईएम) तकनीक का उपयोग किया गया। मंदिर का त्रि-आयामी डिजिटल मॉडल पहले ही तैयार किया गया, जिसमें पत्थरों की व्यवस्था, उनके माप और निर्माण के प्रत्येक हिस्से के बीच समन्वय का अध्ययन किया गया। इससे निर्माण संबंधी त्रुटियों को कम करने और शिल्पकारों को सटीक मार्गदर्शन देने में मदद मिली।



रामलला की प्रतिमा की विशेषता

गर्भगृह में स्थापित बाल रामलला की प्रतिमा कृष्णशिला से निर्मित है। यह काला पत्थर अपनी मजबूती, घनत्व और मौसम के प्रभावों को सहन करने की क्षमता के लिए जाना जाता है। पत्थर के चयन में उसके भौतिक और रासायनिक गुणों को विशेष महत्व दिया गया। उत्कृष्ट शिल्पकला से साकार हुई यह प्रतिमा श्रद्धा, भक्ति और भारतीय पत्थर की मूर्तिकला परंपरा का प्रतीक है।

ध्वनि तरंगों का अद्भुत विज्ञान

मंदिर में स्थापित विशाल घंटा भी विशेष आकर्षण का केंद्र है। अष्टधातु से निर्मित इस घंटे में आठ धातुओं का मिश्रण होता है। इन धातुओं का अनुपात और घंटे की बनावट उसकी ध्वनि की विशेषताओं को निर्धारित करते हैं। घंटा बजने पर उत्पन्न होने वाली ध्वनि तरंगें श्रद्धालुओं के मन में शांति और आध्यात्मिक अनुभूति पैदा करती हैं। यह ध्वनि विज्ञान और पारंपरिक धार्मिक आस्था का सुंदर समन्वय है।

रामनवमी पर सूर्य तिलक

रामनवमी के दिन दोपहर में सूर्य की किरणें बाल रामलला के ललाट पर पड़ें, इस उद्देश्य से विकसित की गई 'सूर्य तिलक' व्यवस्था मंदिर की एक और अद्भुत तकनीकी उपलब्धि है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के वैज्ञानिकों और तकनीकी विशेषज्ञों के सहयोग से दर्पणों, लेंसों और विशेष पाइपों की व्यवस्था द्वारा सूर्य के प्रकाश को एक निश्चित दिशा में केंद्रित करने की प्रणाली विकसित की गई। इसके परिणामस्वरूप सूर्य की किरणें कुछ मिनटों तक प्रभु श्रीराम के ललाट पर तिलक के रूप में सुशोभित होती हैं। यह प्रकाश के परावर्तन और अपवर्तन जैसे प्रकाशिकी के सिद्धांतों पर आधारित एक अद्भुत वैज्ञानिक प्रयोग है।

बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था

प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए आने वाले मंदिर परिसर की सुरक्षा में भी आधुनिक तकनीक का उपयोग किया जा रहा है। क्लोज्ड सर्किट टेलीविजन (सीसीटीवी) निगरानी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित निगरानी प्रणाली, ड्रोन का पता लगाने वाली तकनीक, बम जांच उपकरण, एक्स-रे स्कैनर और धातु पहचानक (मेटल डिटेक्टर) जैसी व्यवस्थाएं सुरक्षा का हिस्सा हैं। तकनीकी निगरानी के साथ-साथ सुरक्षा कर्मियों की निरंतर सतर्कता भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। अयोध्या राम मंदिर के निर्माण का अवलोकन करने पर आधुनिक भू-तकनीकी इंजीनियरिंग, प्राचीन पत्थर निर्माण कला, डिजिटल तकनीक, ध्वनि विज्ञान और प्रकाशिकी जैसे अनेक वैज्ञानिक विषयों का अद्भुत संगम दिखाई देता है। यह मंदिर संदेश देता है कि यदि हम अपने पूर्वजों के निर्माण संबंधी ज्ञान को आधुनिक विज्ञान और तकनीक के साथ जोड़ें, तो असाधारण उपलब्धियां हासिल कर सकते हैं। प्रकृति के नियमों को समझकर जब विज्ञान और परंपरा का समन्वय किया जाता है, तब ऐसी संरचनाओं का निर्माण संभव होता है, जो पीढ़ियों तक अपनी भव्यता और मजबूती बनाए रखती हैं। अयोध्या राम मंदिर आध्यात्मिक वैभव के साथ-साथ भारतीय मेधा, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और तकनीकी सामर्थ्य का भी गौरवशाली प्रतीक है।



– कैलास नागेश

जब संत ने दिया सुख का मंत्र

एक राजा था। वह बडा निडर और उदार था। उसकी प्रजा उसे बहुत चाहती थी। एक दिन राजा एकांत में बैठा सोच रहा था। सोचते-सोचते वह गहराई में उतर गया। उसे लगा, इतनी सारी सुख-निधि पाकर भी आदमी दु:खी क्यों है। एक दिन उसने अपने दरबारियों को आज्ञा दी कि सबसे सुखी और तन्दुरूस्त आदमी को पकड कर लाओ। दरबारी और प्रजा हैरान। वे राजा की आज्ञा का पालन करने के लिए बहुत भटके, पर राजा जैसा चाहता था, वैसा एक भी आदमी नहीं मिला। उन्होंने दरबार में आकर राजा से कहा, 'हे राजन इस धरती पर पूर्ण सुखी और स्वस्थ कोई भी इंसान नहीं है। किसी को कोई दुख है तो किसी को कोई।' सुनकर राजा स्तब्ध रह गया। फिर बोला, 'तो क्या मेरे राज्य में सब दुखी और बीमार हैं। इस धरती पर कोई भी सुखी नहीं है। नहीं, ऐसा हो नहीं सकता। जाओ, एक बार फिर खोजो।' दरबारी क्या करते! फिर निकले। घूमते-घूमते वे एक निर्जन और वीरान जंगल से गुजरे। देखा, एक संत ध्यान में लीन हैं। वे वहीं जाकर बैठ गए।



ध्यान खुलने पर संत ने पूछा, 'तुम लोग कौन हो। कहां से आए हो।' दरबारियों ने कहा, 'हम राजा की आज्ञा मानकर सबसे सुखी और स्वस्थ प्राणी को खोजने निकले हैं।' सुनकर संत बोले, 'क्या तुम्हें अब तक ऐसा कोई आदमी मिला है।' दरबारियों ने कहा, 'नहीं' इसके बाद साधु उनके साथ राजा के पास गए। राजा संत को देखकर बहुत प्रसन्न हुआ। संत ने कहा, 'राजन! तुम व्यर्थ ही परेशान होते हो। क्या तुम्हें पता है कि मनुष्य के ह्रदय में ही सुख का अपार भंडार भरा पडा है। जरा टटोलो तो अपने को। सुख की खोज में जैसे कस्तूरी मृग इधर-उधर भटकता है, वैसे ही तुम भटक रहे हो। सुख के लिए बाहर नहीं, भीतर देखना होता है।' राजा का ह्रदय पुलक उठा। उसकी समस्या हल हो गई। चूहा और गिलहरी एक था चूहा, एक थी गिलहरी। चूहा शरारती था। दिन भर 'चीं-चीं' करता हुआ मौज उड़ाता। गिलहरी भोली थी। 'टी-टी' करतीं हुई इधर-उधर घूमा करती। संयोग से एक बार दोनों का आमना-सामना हो गया। अपनी प्रशंसा करते हुए चूहे ने कहा, 'मुझे लोग मूषकराज कहते हैं और गणेशजी की सवारी के रूप में खूब जानते हैं। मेरे पैने-पैने हथियार सरीखे दांत लोहे के पिंजरे तो क्या, किसी भी चीज को काट सकते हैं।' मासूम-सी गिलहरी को यह सुनकर बहुत बुरा लगा। बोली, 'भाई, तुम दूसरों का नुकसान करते हो, फायदा नहीं। यदि अपने दांतों पर तुम्हें इतना गर्व है, तो इससे कोई नक्काशी क्यों नहीं करते। इनका उपयोग करो तो जानूं। जहां तक मेरा सवाल है, मुझमें तुम सरीखा कोई गुण नहीं है। मेरे बदन पर तीन धारियां देख रहे हो न, बस ये ही मेरी खास चीज है। जो दाना-पानी मिल जाता है, उसका कचरा साफ करके संतोष से खा लेती हूं।' चूहा बोला, 'तुम्हारी तीन धारियों की विशेषता क्या है।' गिलहरी बोली, 'वाह! तुम्हें पता नहीं। आसपास दो काली धारियां हैं, उनके बीच में एक सफेद है। इनका मतलब है कि कठिनाइयों की परतों के बीच से ही असली सुख झांकता है। दो काली अंधेरी रातों के बीच में ही एक सुनहरा दिन छिपा रहता है।'

जब भगवान शिव की हुई जलती लकड़ी से पिटाई

देवों में देव महादेव की कोई जलती लकड़ी से पिटाई करे ऐसा कोई सोच भी नहीं सकता लेकिन, यह बात बिल्कुल सच है। बात कुछ 1360 ई. के आस-पास की है। उन दिनों बिहार के विस्फी गांव में एक कवि हुआ करते थे। कवि का नाम विद्यापति था। कवि होने के साथ-साथ विद्यापति भगवान शिव के अनन्य भक्त भी थे। इनकी भक्ति और रचनाओं से प्रसन्न होकर भगवान शिव को इनके घर नौकर बनकर रहने की इच्छा हुई।



भगवान शिव एक दिन एक जाहिल गंवार का वेष बनाकर विद्यापति के घर आ गये। विद्यापति को शिव जी ने अपना नाम उगना बताया। विद्यापति की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी अत: उन्होंने उगना को नौकरी पर रखने से मना कर दिया। लेकिन शिव जी मानने वाले कहां थे। सिर्फ दो वक्त के भोजन पर नौकरी करने के लिए तैयार हो गये। इस पर विद्यापति की पत्नी ने विद्यापति से उगना को नौकरी पर रखने के लिए कहा। पत्नी की बात मानकर विद्यापति ने उगना को नौकरी पर रख लिया।

एक दिन उगना विद्यापति के साथ राजा के दरबार में जा रहे थे। तेज गर्मी के वजह से विद्यापति का गला सूखने लगा। लेकिन आस-पास जल का कोई स्रोत नहीं था। विद्यापति ने उगना से कहा कि कहीं से जल का प्रबंध करो अन्यथा मैं प्यासा ही मर जाऊंगा। भगवान शिव कुछ दूर जाकर अपनी जटा खोलकर एक लोटा गंगा जल भर लाए।

विद्यापति ने जब जल पिया तो उन्हें गंगा जल का स्वाद लगा और वह आश्चर्य चकित हो उठे कि इस वन में जहां कहीं जल का स्रोत तक नहीं दिखता यह जल कहां से आया। वह भी ऐसा जल जिसका स्वाद गंगा जल के जैसा है। कवि विद्यापति उगना पर संदेह हो गया कि यह कोई सामान्य व्यक्ति नहीं बल्कि स्वयं भगवान शिव हैं अत: उगना से उसका वास्तविक परिचय जानने के लिए जिद करने लगे।

जब विद्यापति ने उगना को शिव कहकर उनके चरण पकड़ लिये तब उगना को अपने वास्तविक स्वरूप में आना पड़ा। उगना के स्थान पर स्वयं भगवान शिव प्रकट हो गये। शिव ने विद्यापति से कहा कि मैं तुम्हारे साथ उगना बनकर रहना चाहता हूं लेकिन इस बात को कभी किसी से मेरा वास्तविक परिचय मत बताना।

विद्यापति को बिना मांगे संसार के ईश्वर का सानिध्य मिल चुका था। इन्होंने शिव की शर्त को मान लिया। लेकिन एक दिन विद्यापति की पत्नी सुशीला ने उगना को कोई काम दिया। उगना उस काम को ठीक से नहीं समझा और गलती कर बैठा। सुशीला इससे नाराज हो गयी और चूल्हे से जलती लकड़ी निकालकर लगी शिव जी की पिटाई करने। विद्यापति ने जब यह दृश्य देख तो अनायास ही उनके मुंह से निकल पड़ा 'ये साक्षात भगवान शिव हैं, इन्हें जलती लकड़ी से मार रही हो।' फिर क्या था, विद्यापति के मुंह से यह शब्द निकलते ही शिव वहां से अर्न्तध्यान हो गये।

इसके बाद तो विद्यापति पागलों की भांति उगना - उगना कहते हुए वनों में, खेतों में हर जगह उगना बने शिव को ढूंढने लगे। भक्त की ऐसी दशा देखकर शिव को दया आ गयी। भगवान शिव उगना के सामने प्रकट हो गये और कहा कि अब मैं तुम्हारे साथ नहीं रह सकता। उगना रूप में मैं जो तुम्हारे साथ रहा उसके प्रतीक चिन्ह के रूप में अब मैं शिव लिंग के रूप विराजमान रहूंगा। इसके बाद शिव अपने लोक लौट गये और उस स्थान पर शिव लिंग प्रकट हो गया। उगना महादेव का प्रसिद्ध मंदिर वर्तमान में मधुबनी जिला में भवानीपुर गांव में स्थित है।

नन्हें मुन्ने के लिए कंगारू केयर

जिस तरह मां का दूध शिशु के लिए उत्तम आहार है उसी तरह मां का स्पर्श शिशु के लिए किसी अमृत से कम नहीं है। इसलिए प्रीमैच्योर या कम वजन वाले बच्चों के लिए कंगारू मदर केयर (केएमसी) को सबसे बेहतर उपचार माना गया है। यही वजह है कि आजकल केएमसी उपचार को अधिक महत्ता देते हुए कई स्थानों पर केएमसी केंद्र भी खोले जा रहे हैं। जहां मां डॉक्टर की देखरेख में अपने बच्चे का स्वयं उपचार करती हैं। ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका और कई अफ्रीकी देशों में इस पद्धति से शिशुओं के उपचार में उल्लेखनीय परिणाम मिले हैं।

- मां का स्पर्श है नवजात का सबसे अच्छा इलाज
- मनोवैज्ञानिक और व्यवहारात्मक प्रभावों पर आधारित



क्या है यह पद्धति

त्वचा से त्वचा का यह संपर्क कंगारू केयर कहलाता है। जिस तरह कंगारू अपने बच्चों की पैदाइश के बाद कई महीने तक उसे पेट पर बनी थैली में लिए घूमते हैं ताकि उनका विकास हो सके और यही उनका सुरक्षा कवच भी होता है। उसी तरह मां के सीने से चिपके रहने और मां के स्पर्श से बच्चे को गर्मी मिलती है और उसकी रोग-प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ती है और उसकी रिकवरी भी बहुत जल्द होती है। कोलंबिया में कंगारू केयर उपचार विधि की शुरुआत सबसे पहले हुई क्योंकि वहां प्रीमैच्योर बच्चों के लिए इन्क्युबेटर्स की कमी थी। केएमसी केंद्रों में कंगारू केयर बैग भी उपलब्ध कराए जाते हैं ताकि जो मां घंटों तक बच्चों को गोद में नहीं ले पाती हैं उन्हें इस बैग के जरिए बच्चे को संभालने में मदद मिलती है।

स्पर्श का असर

कंगारू मदर केयर मां के स्पर्श से शिशुओं में पड़ने वाले मनोवैज्ञानिक और व्यवहारात्मक प्रभावों पर आधारित है। ऑस्ट्रेलिया में पाए जाने वाले कंगारूओं में यह विधि स्वाभाविक रूप में देखने को मिलती है। इस विधि के तहत प्रसूता अपनी नवजात संतान को सीने से चिपका लेती है। इससे बच्चे को गर्मी मिलती है। यदि शिशु की हृदय की गति धीमी है तो वह भी इससे ठीक हो जाती है। चिकित्सा विज्ञान में इस विधि को 'स्किन टू स्किन ट्रीटमेंट' भी कहा जाता है।



कारगर है यह पद्धति

कंगारू केयर उपचार के जरिए समय पूर्व जन्म लेने वाली संतानों की मृत्यु दर और विकलांगता की दर में भी विश्वस्तर पर कमी लाई जा सकती है। लंदन स्कूल ऑफ हाइजीन एंड ट्रॉपिकल मेडिसिन से जुड़े प्रोफसरों ने कंगारू केयर को बहुत अच्छी उपचार विधि बताई है। एक अनुमान के मुताबिक पूरी दुनिया में लगभग डेढ़ करोड़ बच्चों का जन्म समय से पूर्व हो जाता है और बच्चों को होने वाली 10 प्रतिशत बीमारियों के लिए समयपूर्ण प्रीमैच्योर डिलेवरी ही जिम्मेदार है। इनमें से करीब दस लाख बच्चों की अकाल मृत्यु हो जाती है।

कंगारू केयर के फायदे

नवजात स्तनपान के लिए प्रेरित होता है



बच्चों में संक्रमण का खतरा कम हो जाता है

प्रसूता मानसिक तनाव से बच जाती है

बच्चे का वजन बढ़ने लगता है

बच्चे की रिकवरी बहुत जल्दी होती है

बिना जूतों के करें बेहतर वर्कआउट

- एक्सरसाइज के दौरान पैरों से मिलता है सपोर्ट
- जमीन के संपर्क के साथ पैरों को मिलती है बेहतर ग्रिप



एक्सरसाइज करने के सबके अलग-अलग तरीके रहते हैं। कुछ लोग सुबह बिल्कुल ट्रेकसूट और शूज के साथ तैयार रहते हैं तो कुछ योगा के हिसाब से हल्के-फुल्के कपड़े पहनकर। यह शोध इसी विषय को लेकर किया गया है। इसमें एक्सरसाइज के दौरान पैरों पर ध्यान देने की बात कही गई है। हालांकि शूज पहनने में कोई बुराई नहीं है मगर यदि आप हरी घास के मैदान में हैं या फिर किसी हॉल में हैं तो आप शूज उतारकर एक्सरसाइज करेंगे तो यह आपके लिए ज्यादा फायदेमंद होगी।

जब आप कोई ऐसी एक्सरसाइज करते हैं, जिसमें आपको खड़े होना पड़ता है तो आपके पैर ही आपको सपोर्ट देते हैं। उस दौरान आपके पैर स्थिर रहते हैं। इसकी वजह से आप सीधे खड़े हो पाते हैं। अगर आपके पैर स्थिर नहीं होंगे तो आपको एक्सरसाइज करने में बहुत परेशानी होगी। ये प्रभाव 'मसल इरैडीएशन' कहलाता है। इसमें आपकी नॉन-वर्किंग मसल्स एक लिफ्ट के दौरान तनाव को रोककर आपकी वर्किंग मसल्स की सहायता करती है। इससे मिले बेहतर सपोर्ट से आप अच्छी तरह से एक्सरसाइज कर पाते हैं।

एक नए अध्ययन में कहा गया है कि मसल्स में तनाव पैदा करने और सपोर्ट को मजबूत करने का सबसे अच्छा तरीका यह है कि अपने पैरों को जमीन के साथ मिला लें। ऐसा करने के लिए जमीन पर अपने पैरों को दबाएं और अपने पैरों की मसल्स का इस्तेमाल करें, अपने पैरों को एक-दूसरे से दूर व पास करने के लिए। ऐसा करना तभी आसान होगा जब जमीन के साथ आपके पैरों का सीधा संपर्क होगा। अगर आपके शूज अधिक कुशन्ड हैं या फिर आपके और जमीन के बीच काफी अंतर है तो जिस तरह का तनाव आप उत्पन्न करना चाहते हैं वह नहीं हो पाएगा। यदि आप किसी अच्छे फ्लोर पर एक्सरसाइज कर रहे हैं तो आप शूज उतारकर भी कर सकते हैं। ऐसा करने से आपके पैरों का संपर्क सीधे तौर पर जमीन के साथ हो जाएगा। आपकी ग्रिप मजबूत होगी और आप बेहतर तरीके से एक्सरसाइज कर पाएंगे।



पेट की गड़बड़ दूर करें झटपट

कब्जियत या पेट में गड़बड़ी जैसी समस्या से कभी ना कभी हर किसी को जूझना पड़ता है। वैसे लोग इस बारे में बात करने से कतराते हैं लेकिन कई बार यह काफी पीड़ादायक भी होता है। कुछ सामान्य उपायों के जरिए इस समस्या को फिक्स किया जा सकता है।

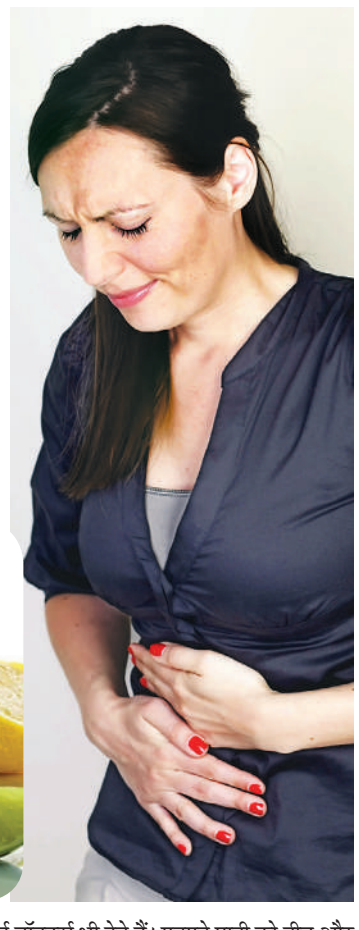



नीबू : इसे लेने की सलाह कई डॉक्टर्स भी देते हैं। गुनगुने पानी को नीबू और चुटकीभर नमक के साथ लेने से पेट की सफाई बेहतर तरीके से होती है। इससे कब्जियत से होने वाली परेशानी भी दूर हो जाती है।

त्रिफला पावडर : यह एक लेक्सेटिव की तरह एक्ट करता है। एक चम्मच त्रिफला पावडर को एक ग्लास गुनगुने पानी में मिलाकर सुबह खाली पेट पिएं।

नेचुरल कॉल को नजरअंदाज ना करें : यदि शौच जाने से पहले कोई काम याद आ जाए या किसी महत्वपूर्ण कार्य के लिए इसे टालें नहीं इससे भविष्य में पेट से जुड़ी परेशानियां तेजी से उभरती हैं।

कैसे बचें कोल्ड और फ्लू के हमले से

सर्दियों के मौसम में कोल्ड और फ्लू का खतरा और बढ़ जाता है क्योंकि मौसम ठंडा होने से इसके लक्षण लंबे समय तक परेशान करते हैं। गले में खराश, बुखार और बहती नाक आपको किसी भी काम में ध्यान केंद्रित नहीं करने देती, आइए जानते हैं कैसे मामूली तरीकों कोल्ड व फ्लू के हमले से बच सकते हैं।

साफ रखें हाथों को

कीटाणुओं से बचाव के लिए अपने हाथों को नियमित रूप से धोते रहें। खांसने, छींकने या फिर किसी से हाथ मिलाने के बाद अपने हाथों को जरूर धोएं।



खाएं हरदम हेल्दी

पोषक डाइट जिसमें ढेर सारे ताजे फल और सब्जियां हों, उनका सेवन करें। इस प्रकार की डाइट आपके इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाए रखेगी और कोल्ड एंड फ्लू से सुरक्षित भी।

घर की भी पूरी सफाई

अपने बाथरूम, बेडरूम और फर्नीचर को नियमित रूप से साफ करते रहें। साथ ही अपने फोन को भी ताकि आप पर जर्म्स हमला ना हो सके और आप सुरक्षित रहें।

मेंटल फिटनेस के लिए करें कुछ खास

आज से ही करें प्रयास शुरू और फिर देखिए फर्क

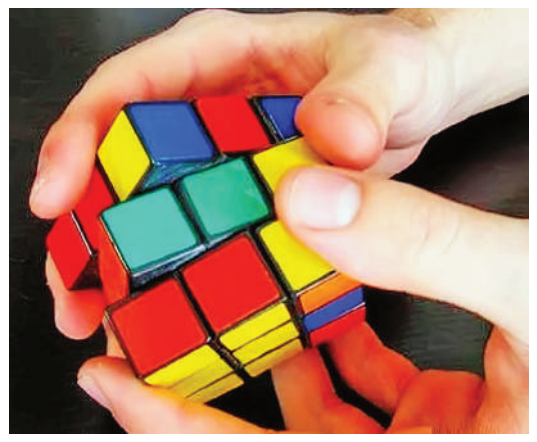

जिस प्रकार अपने शरीर को स्वस्थ बनाए रखने के लिए हम कई सारे जतन करते हैं वैसे ही मेंटल हेल्थ केयर की भी जरूरत होती है। यदि आप मानसिक रूप से स्वस्थ होंगे तो अपने संपूर्ण स्वास्थ्य को लेकर ज्यादा प्रयास कर पाएंगे।

कोई भी अच्छा काम शुरू करने के लिए कभी देर नहीं होती। यदि आपकी उम्र हो गई है और आप मेंटली भी खुद को फिट रखना चाहते हैं तो उसके लिए आज से ही प्रयास शुरू कर सकते हैं। युवा हों या फिर बुजुर्ग हर किसी को मेंटल हेल्थ को बनाए रखने की आवश्यकता होती है, बस थोड़ी कोशिशों की जरूरत होती है।

तनाव को करें कम

किसी उम्र में मेंटली फिट रहना चाहते हैं तो सबसे पहले तनाव का स्तर कम करने की जरूर है क्योंकि इसके बोझ तले मेंटली फिट रह पाना आसान नहीं। इससे स्ट्रोक, हार्ट अटैक और तनाव से जुड़ी अन्य परेशानियों से बचा जा सकता है।

खेलें और सॉल्व करें पजल्स



लॉजिक पजल्स को हल करना, क्रॉसवर्ड या वर्ड सर्च करने जैसे सामान्य प्रकार की एक्टिविटी से भी स्मरण क्षमता को बेहतर बनाया जा सकता है। यह भाषा को बेहतर बनाने का काम करता है और तर्कक्षमता को भी।

लोगों से मेलजोल

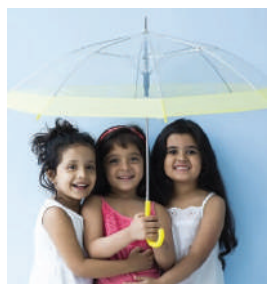

सामाजिक तौर पर जो लोग ज्यादा एक्टिव होते हैं वो मेंटली अधिक स्वस्थ हो होते हैं जो ऐसा करने में संकोच करते हैं। अपने दोस्तों से जब आप किसी मुद्दे पर ज्यादा बातचीत करते हैं तो इससे आपको सीखने और मस्तिष्क को एक्सरसाइज कराने की जरूरत होती है।

व्यायाम

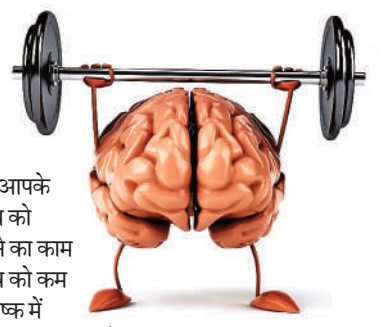

व्यायाम करने से कई फायदेमंद न्यूरोट्रांसमीटर्स आपके शरीर में रिलीज होते हैं, जो आपके स्वस्थ होने की सोच को और भी पुख्ता करने का काम करता है। यह तनाव को कम करता है और मस्तिष्क में प्रोटेक्टिव हॉर्मोन का स्राव करता है।

भरपूर नींद

यह आपके शरीर और मस्तिष्क दोनों को रिस्टोर करने का काम करती हैं। मानसिक रूप से स्वस्थ रहने के लिए यह बेहद जरूरी है आप भरपूर नींद लें। इसलिए दिमागी सेहत के लिए पर्याप्त नींद लें।



निमोनिया से रक्षा करेगा एक्स्ट्रा विटामिन 'ई'



कमजोर इम्यून सिस्टम को देता है मजबूती

वैसे तो विटामिन 'ई' की कई स्रोतों से हमारे शरीर में पूर्ति होती रहती है। मगर एक नए शोध में यह बात सामने आई है कि विटामिन 'ई' का थोड़ा-सा एक्स्ट्रा इंटेक न सिर्फ एजिंग इम्यून सिस्टम की रक्षा करता है बल्कि बॉडी की बैक्टीरियल इंफेक्शन से भी रक्षा करता है, जो सामान्यतः निमोनिया का कारण बनता है। अन्य चीजों के मुकाबले सनफ्लॉवर्स सीड्स, टमाटर, आम और कीवी में विटामिन 'ई' भरपूर मात्रा में पाया जाता है। शोध में बताया गया कि एजिंग की वजह से कमजोर होते इम्यून सिस्टम को भी विटामिन 'ई' मजबूत करता है। अमेरिका की टफ्ट्स यूनिवर्सिटी के सहायक-वरिष्ठ लेखक सिमिन निकबिन मेदानी ने बताया कि 65 वर्ष से ज्यादा की उम्र में निमोनिया का खतरा अधिक रहता है। विशेषकर स्ट्रेप्टोकॉकस निमोनी बैक्टीरिया की वजह से होने वाली लंग्स की परेशानी को संभवतः विटामिन 'ई' के इंटेक से ही कम किया जा सकता है। चूहों पर किए गए प्रयोग के जरिए यह बात सामने आई कि शरीर में विटामिन 'ई' की थोड़ी-सी ज्यादा मात्रा निमोनिया के बैक्टीरिया से लड़ने में सक्षम होती है और यह रोग-प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ाती है, जिससे निमोनिया का खतरा काफी हद तक टल सकता है। यह शोध 'जर्नल ऑफ इम्यूनोलॉजी' में प्रकाशित हुआ है।



संपादकीय

आत्मनिर्भरता की पैरवी

अपनी स्वर्ण जयंती ऊर्जा नीति 2021 में व्यापक सुधार करके हिमाचल आर्थिक पक्ष को मजबूत कर रहा है। यह संभव व नीतिगत औचित्य से परिपूर्ण मिशन है जिससे प्रदेश के संसाधनों में बिजली उत्पादन का हर अंश महकेगा। दरअसल प्रदेश की आर्थिकी में विद्युत उत्पादन की हर क्षमता का सार भी यही है कि हम इसके जरिए आत्मनिर्भरता की पैरवी करें। स्वर्ण जयंती ऊर्जा नीति की नई पैरवी का परिणाम भी यही है कि जो परियोजनाएं केंद्र चला रहा है, उन्हें एक अवधि के बाद प्रदेश की संपत्ति माना जाए। इसके लिए आत्मनिर्भरता का एक फार्मूला ईजाद हो रहा है जिसके तहत आरंभिक बारह वर्षों तक 12 प्रतिशत, अगले 18 वर्षों तक 18 प्रतिशत और शेष दस वर्षों तक तीस प्रतिशत मुफ्त बिजली की रॉयल्टी मिलती है। अब सरकार मुफ्त विद्युत रॉयल्टी का दायरा बढ़ा कर इसे ऐसे अंजाम तक पहुंचाना चाहती है, जहां चालीस साल बाद मुफ्त विद्युत रॉयल्टी 50 फीसदी और इसके आगे इन परियोजनाओं का बिना किसी देनदारी के राज्य को हस्तांतरण करना होगा। इस तरह 1982 से शुरू हुई बैरा स्यूल जलविद्युत परियोजना अब ऐसे चरण में प्रवेश कर गई है, जहां नई शर्तों पर 50 फीसदी मुफ्त रॉयल्टी का आधार पुख्ता होगा। इसके अलावा केंद्र के सार्वजनिक प्रतिष्ठानों एसजेवीएन की नाथपा झाकड़ी और रामपुर विद्युत परियोजनाएं, एनटीपीसी की कोल बांध और एनएचपीसी की बैरा स्यूल, चमेरा-एक, चमेरा-दो, चमेरा-तीन तथा पार्वती की चरण 2 और तीन आएंगे। जाहिर है एनएचपीसी, एसजेवीएन और एनटीपीसी के जिस करिश्मे के लिए हम अपनी आंखें बिछाए थे, उसने हमारी आंखें खोल दी हैं। कहना न होगा कि शांता कुमार द्वारा शुरू की गई आर्थिक यात्रा को आइंदा भी विद्युत परियोजनाएं ही पूरा करेंगी। किशाऊ बांध परियोजना को लेकर हिमाचल की पैरवी जिस तरह अपने अधिकार सुनिश्चित कर पाई है, उससे एक आर्थिक साहस पैदा हुआ है। यह डबल इंजिन सरकारों की पैरवी के विरुद्ध खड़ा हिमाचली सम्मान है, जो अपने संसाधनों की बदौलत आत्मनिर्भरता के लक्षण देख रहा है। जिस प्रदेश की आपदाओं को समझने में भी केंद्रीय जिज्ञासा और सरोकार, सियासत का तराजू देखते हों, वहां आर्थिकी का ढांचा और पथ सुदृढ़ होना चाहिए। अगर सरकार केंद्र के सार्वजनिक उपक्रमों से प्रदेश का अधिकार ले पाई, तो यह भविष्य की सुरक्षा का अहम पड़ाव होगा। विडंबना यह रही कि जब हिमाचल में पंजाब के पर्वतीय इलाके शामिल हो रहे थे, तो इस शक्ति की पहचान ही नहीं हुई। हिमाचल को शिमला के दरबार में सीमित करने की कोशिशों ने वर्षों तक आर्थिक संभावनाओं तथा पंजाब पुनर्गठन के हिस्से को ही नहीं समझा। आर्थिकी निजी संपत्ति बन कर सेब और कुछ नकदी फसलों तक सिमट गई और इसी परिप्रेक्ष्य में कृषि-बागबानी के अलग-अलग विश्वविद्यालय बना कर भी हमें क्या मिला। प्रो. प्रेम कुमार धूमल ने पहली बार यह आकलन शुरू किया कि हिमाचल की आर्थिक तरक्की में विद्युत उत्पादन की क्षमता अगर 23000 मेगावाट है, तो इसके माध्यम से आर्थिक संसाधन पुख्ता किए जाएं। वर्तमान मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू एक कदम और आगे निकलते हुए, उन कंदराओं से संसाधन ढूंढ रहे हैं, जिन्हें हम अपनी संपत्ति मानना ही भूल गए थे। आर्थिक विकास के लिए विकास की संपूर्णता भी परखनी होगी यानी जहां से आर्थिक लाभ सुनिश्चित हों, वहां तक प्रदेश के अधिकारों को सशक्त करना होगा।

> सरकार मुफ्त विद्युत रॉयल्टी का दायरा बढ़ा कर इसे ऐसे अंजाम तक पहुंचाना चाहती है, जहां चालीस साल बाद मुफ्त विद्युत रॉयल्टी 50 फीसदी और इसके आगे इन परियोजनाओं का बिना किसी देनदारी के राज्य को हस्तांतरण करना होगा। इस तरह 1982 से शुरू हुई बैरा स्यूल जलविद्युत परियोजना अब ऐसे चरण में प्रवेश कर गई है, जहां नई शर्तों पर 50 फीसदी मुफ्त रॉयल्टी का आधार पुख्ता होगा। इसके अलावा केंद्र के सार्वजनिक प्रतिष्ठानों एसजेवीएन की नाथपा झाकड़ी और रामपुर विद्युत परियोजनाएं, एनटीपीसी की कोल बांध और एनएचपीसी की बैरा स्यूल, चमेरा-एक, चमेरा-दो, चमेरा-तीन तथा पार्वती की चरण 2 और तीन आएंगे। जाहिर है एनएचपीसी, एसजेवीएन और एनटीपीसी के जिस करिश्मे के लिए हम अपनी आंखें बिछाए थे, उसने हमारी आंखें खोल दी हैं। कहना न होगा कि शांता कुमार द्वारा शुरू की गई आर्थिक यात्रा को आइंदा भी विद्युत परियोजनाएं ही पूरा करेंगी। किशाऊ बांध परियोजना को लेकर हिमाचल की पैरवी जिस तरह अपने अधिकार सुनिश्चित कर पाई है, उससे एक आर्थिक साहस पैदा हुआ है। यह डबल इंजिन सरकारों की पैरवी के विरुद्ध खड़ा हिमाचली सम्मान है, जो अपने संसाधनों की बदौलत आत्मनिर्भरता के लक्षण देख रहा है। जिस प्रदेश की आपदाओं को समझने में भी केंद्रीय जिज्ञासा और सरोकार, सियासत का तराजू देखते हों, वहां आर्थिकी का ढांचा और पथ सुदृढ़ होना चाहिए। अगर सरकार केंद्र के सार्वजनिक उपक्रमों से प्रदेश का अधिकार ले पाई, तो यह भविष्य की सुरक्षा का अहम पड़ाव होगा।

न्यायालय की अवमानना का कानून किसी न्यायाधीश के व्यक्तिगत सम्मान की रक्षा का हथियार नहीं है

अदालतों को भी समझनी होगी अपनी लक्ष्मण रेखा

न्यायपालिक लोकतंत्र का सबसे महत्वपूर्ण स्तंभ है, लेकिन किसी भी संवैधानिक संस्था की ताकत उसके अधिकारों के विस्तार में नहीं, बल्कि उनके मर्यादित और निष्पक्ष इस्तेमाल में होती है। न्यायालय के आदेशों की अवहेलना निश्चित रूप से गंभीर मामला है। यदि सरकारी अधिकारी ही अदालतों के निर्देशों को ठेंगे पर रखने लगें तो कानून के शासन का क्या अर्थ रह जाएगा? लेकिन इसका दूसरा पक्ष भी उतना ही महत्वपूर्ण है। क्या किसी न्यायाधीश को अपने आदेश की अवहेलना होते ही किसी अधिकारी को तत्काल अवमानना का दोषी ठहराने का अधिकार मिल जाता है? क्या न्यायिक नाराजगी ही कानूनी अपराध का प्रमाण बन सकती है? सर्वोच्च न्यायालय की हालिया टिप्पणियों ने इसी खतरनाक प्रवृत्ति पर सवाल उठाते हुए न्यायिक अधिकारों की सीमा याद दिलाई है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 129 और 215 के तहत सर्वोच्च न्यायालय तथा उच्च न्यायालयों को अपनी अवमानना के लिए दंड देने की शक्ति प्राप्त है। इसका उद्देश्य न्यायपालिका की प्रतिष्ठा बचाना, न्यायिक आदेशों का सम्मान सुनिश्चित करना और न्याय प्रशासन में बाधा डालने वालों पर अंकुश लगाना है। लेकिन न्यायालय की अवमानना का कानून किसी न्यायाधीश के व्यक्तिगत सम्मान की रक्षा का हथियार नहीं है। यह न्यायिक संस्था और न्याय प्रक्रिया की गरिमा बचाने का संवैधानिक माध्यम है। दोनों के बीच अंतर समझना बेहद जरूरी है। अदालत की अवमानना मुख्य रूप से दो प्रकार की होती है। दीवानी अवमानना में न्यायालय के आदेश, निर्देश, निर्णय या दिए गए आश्वासन की जानबूझकर अवहेलना शामिल है। विजय माल्या को वर्ष 2022 में अवमानना के मामले में सुनाई गई सजा इसका उदाहरण है। वहीं आपराधिक अवमानना में न्यायालय को बदनाम करने वाली ऐसी अभिव्यक्ति, जो न्यायिक प्रक्रिया को प्रभावित करे, न्याय प्रशासन में बाधा डाले अथवा न्यायिक कार्यवाही को बाधित करे, शामिल होती है। प्रशांत भूषण का वर्ष 2020 का मामला इसी श्रेणी में चर्चित रहा। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि न्यायपालिका की आलोचना करना अपराध है। लोकतंत्र में न्यायाधीशों के निर्णयों पर सवाल उठाना, न्यायिक व्यवस्था की कमियों पर चर्चा करना और संस्थागत जवाबदेही की मांग करना नागरिकों का अधिकार है। आलोचना और अवमानना के बीच की रेखा इतनी धुंधली नहीं होनी चाहिए कि असहमति को ही अपराध बना दिया जाए। हालिया विवाद बिहार के रोहतास जिले से जुड़ा है, जहां एक अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश ने पुलिस अधीक्षक को प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश दिया था। निर्देश का पालन नहीं होने पर न्यायिक अधिकारी ने पुलिस अधीक्षक को तलब किया और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 384 के तहत अवमानना का दोषी ठहराते हुए एक रुपये का सांकेतिक जुर्माना लगा दिया। मामला सर्वोच्च न्यायालय पहुंचा तो वहां इस कार्रवाई के कानूनी आधार पर ही सवाल खड़े हो गए। सर्वोच्च न्यायालय की पीठ ने स्पष्ट किया कि अदालत के आदेश का पालन न करना और अदालत के सामने अवमानना करना दो अलग-अलग बातें हैं। किसी अधिकारी द्वारा पहले दिए गए न्यायिक आदेश का पालन नहीं करना अपने आप में न्यायालय के सामने किया गया अपराध नहीं बन जाता। पीठ ने न्यायिक अधिकारी को अपनी शक्तियों की सीमा समझने की सलाह दी और बाहुबली की तरह व्यवहार न करने की नसीहत भी दी। यह टिप्पणी केवल एक न्यायिक अधिकारी के आचरण पर सवाल नहीं है, बल्कि पूरी न्यायिक व्यवस्था के लिए एक महत्वपूर्ण संदेश है। न्यायाधीश होना अधिकारों का खुला लाइसेंस नहीं है। अदालत का आदेश बाध्यकारी जरूर है, लेकिन आदेश की अवहेलना पर कार्रवाई भी निर्धारित कानून के अनुसार ही होनी चाहिए। न्यायिक अधिकारिता और व्यक्तिगत नाराजगी के बीच अंतर मिटने लगे तो न्याय की निष्पक्षता प्रभावित होना तय है। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 384 न्यायालय को कुछ विशेष अपराधों के लिए संक्षिप्त प्रक्रिया अपनाने का अधिकार देती है। इनमें न्यायालय के सामने प्रश्नों का उत्तर देने से इनकार करना, शपथ लेने से मना करना, दस्तावेज प्रस्तुत करने के निर्देश की अवहेलना करना और न्यायिक कार्यवाही में जानबूझकर अपमान या बाधा उत्पन्न करना जैसे अपराध शामिल हैं। इस प्रक्रिया के तहत अधिकतम एक हजार रुपये का जुर्माना लगाया जा सकता है। लेकिन इस सीमित शक्ति का इस्तेमाल न्यायालय के किसी भी पुराने आदेश की अवहेलना को दंडित करने के लिए नहीं किया जा सकता। कानून ने अधिकार दिया है तो उसकी सीमा भी तय की है। न्यायिक पद पर बैठे व्यक्ति को इस सीमा का सम्मान करना ही होगा। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब न्यायाधीश ही कानून की प्रक्रिया को दरकिनार करने लगें तो आम नागरिक न्याय किससे मांगेगा? किसी अधिकारी की गलती पर कार्रवाई जरूरी है, लेकिन क्या न्यायिक अधिकारी को भी यह अधिकार है कि वह अपनी नाराजगी को तत्काल दंड में बदल दे? न्यायालय में मौजूदगी के दौरान किए गए अपमान और किसी पुराने आदेश के अनुपालन में हुई देरी को एक ही तराजू में नहीं तौला जा सकता। यदि हर आदेश की अवहेलना पर निचली अदालतें संक्षिप्त अवमानना की कार्रवाई करने लगें तो न्यायिक प्रक्रिया में गंभीर असंगतियां पैदा हो सकती हैं। इसका अर्थ यह कतई नहीं कि पुलिस अधीक्षक या अन्य प्रशासनिक अधिकारी न्यायालयों के आदेशों को नजरअंदाज करें। सरकारी पद और वर्दी किसी को कानून से ऊपर नहीं बनाते। अदालत के आदेशों का जानबूझकर उल्लंघन करने वाले अधिकारियों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। लेकिन इसके लिए उचित कानूनी रास्ता अपनाना होगा। परिस्थितियों के अनुसार ऐसे मामलों को उच्च न्यायालय के समक्ष अवमानना की कार्यवाही के लिए उठाया जा सकता है। उच्च न्यायालयों के पास संविधान और अवमानना अधिनियम के तहत आवश्यक अधिकार हैं। न्यायिक व्यवस्था में अनुशासन का अर्थ केवल अधिकारियों को अनुशासित करना नहीं, बल्कि न्यायिक शक्तियों के इस्तेमाल को भी अनुशासित रखना है। विडंबना यह है कि देश में आम नागरिक न्यायालय से आदेश प्राप्त करने के बाद भी वर्षों तक उसके क्रियान्वयन के लिए सरकारी दफ्तरों के चक्कर काटता रहता है। अधिकारी फाइलों को दबाकर बैठ जाते हैं, विभाग आदेशों की व्याख्या अपनी सुविधा से करते हैं और कई बार न्यायिक निर्देशों का पालन कराने के लिए नागरिक को फिर अदालत का दरवाजा खटखटाना पड़ता है। यह प्रशासनिक मनमानी बर्दाश्त नहीं की जा सकती। लेकिन इसका समाधान न्यायिक अधिकारों का अनियंत्रित इस्तेमाल भी नहीं है। न्यायालयों को अधिकारियों की जवाबदेही तय करनी चाहिए, मगर पूरी प्रक्रिया कानून और निष्पक्षता के दायरे में रहनी चाहिए। यह भी आवश्यक है कि न्यायिक अधिकारियों को संवैधानिक अधिकारिता और प्रक्रियात्मक कानूनों के संबंध में नियमित प्रशिक्षण दिया जाए।



> न्यायालय के आदेशों की अवहेलना निश्चित रूप से गंभीर मामला है। यदि सरकारी अधिकारी ही अदालतों के निर्देशों को ठेंगे पर रखने लगें तो कानून के शासन का क्या अर्थ रह जाएगा? लेकिन इसका दूसरा पक्ष भी उतना ही महत्वपूर्ण है। क्या किसी न्यायाधीश को अपने आदेश की अवहेलना होते ही किसी अधिकारी को तत्काल अवमानना का दोषी ठहराने का अधिकार मिल जाता है? क्या न्यायिक नाराजगी ही कानूनी अपराध का प्रमाण बन सकती है? सर्वोच्च न्यायालय की हालिया टिप्पणियों ने इसी खतरनाक प्रवृत्ति पर सवाल उठाते हुए न्यायिक अधिकारों की सीमा याद दिलाई है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 129 और 215 के तहत सर्वोच्च न्यायालय तथा उच्च न्यायालयों को अपनी अवमानना के लिए दंड देने की शक्ति प्राप्त है। इसका उद्देश्य न्यायपालिका की प्रतिष्ठा बचाना, न्यायिक आदेशों का सम्मान सुनिश्चित करना और न्याय प्रशासन में बाधा डालने वालों पर अंकुश लगाना है।

देश | दुनिया से

भाजपा-अकाली दल समझौते की पृष्ठभूमि

आज से छह साल पहले 2020 में भाजपा और अकाली दल का समझौता टूट गया था। वैसे तो यह माना जाता है कि यह समझौता 1997 में हुआ था लेकिन वास्तव में यह गठबंधन 1967 के चुनावों के बाद से ही उस समय के भारतीय जनसंघ और अकाली दल में किसी न किसी रूप में शुरू हुआ था। आज का पंजाब 1966 के राज्य पुनर्गठन अधिनियम के अन्तर्गत अस्तित्व में आया था। इसके बाद 1967 में नए पंजाब की विधानसभा के लिए चुनाव हुए थे। उस समय पंजाब विधानसभा की 104 सीटें थीं। अकाली दल आज की तरह ही दो भागों में विभक्त था। तब अकाली दल (संत फतेह सिंह) ने 24 सीटें, अकाली दल (मास्टर तारा सिंह) ने दो सीटें जीती थीं। भारतीय जनसंघ ने 9, सीपीआई ने पांच, सीपीएम ने तीन, रिपब्लिकन पार्टी ने तीन, सोशलिस्ट पार्टी ने एक और कांग्रेस ने 48 सीटें जीती थीं। कांग्रेस को विश्वास था कि उसकी सरकार ने पंजाबी सूबे की मांग स्वीकार कर, पंजाब बनाया है, इसलिए लोग उसकी सरकार बनाएंगे। अकाली दल को आशा थी कि उसने लम्बे संघर्ष के बाद पंजाबी सूबा बनवाया है, इसलिए पंजाब के लोग उसकी सरकार बनाएंगे। लेकिन दोनों को निराशा ही हाथ लगी। अलबत्ता राम मनोहर लोहिया जो लम्बे अरसे से 'हटाओ कांग्रेस' का वातावरण बना रहे थे, उसका यह असर जरूर हुआ कि देश भर में कई ताकतें कांग्रेस के विरोध में गठबंधन करने लगीं ताकि कांग्रेस को सत्ता से हटाया जा सके। इस पृष्ठभूमि में अकाली-जनसंघ गठबन्धन भी हुआ था। लेकिन राजनीतिक क्षेत्रों में उस वक्त सबसे ज्यादा हैरानी भी इसी गठबन्धन को लेकर हुई थी। इसका कारण था, पुनर्गठन का सारा आन्दोलन ही अकाली दल और जनसंघ के बीच सिमटा हुआ था। अकाली दल की उस समय मांग थी कि पंजाब का विभाजन किया जाए और ऐसे इलाकों की शिनाख्त की जाए जहां के लोग पंजाबी बोलते हैं। पंजाब में केवल वही इलाके रहने चाहिएं। शेष इलाकों को पंजाब से बाहर निकाल कर नया प्रदेश बना दिया जाए। जबकि भारतीय जनसंघ का आन्दोलन था कि पंजाब पांच नदियों का प्रदेश है, इसलिए इसमें हिमाचल प्रदेश को भी मिला कर महा पंजाब बनाया जाए। कहने का अभिप्राय यह था कि पंजाबी सूबा आन्दोलन में अकाली दल और भारतीय जनसंघ धुर विरोधी ध्रुव थे, इसलिए उनका एक मंच पर बैठना संभव नहीं था। उस समय भारतीय जनसंघ के महामंत्री यज्ञदत्त शर्मा थे। उनका कहना था कि राजनीति से ऊपर उठकर पंजाब के हितों के लिए एकसाथ आना जरूरी है। इस पृष्ठभूमि में अकाली-जनसंघ गठबन्धन हुआ था। बीच में उतार-चढ़ाव आते रहे, लेकिन विचार विमर्श का एक धरातल बना रहा। यह इस धरातल का ही परिणाम था कि जब 1975 में इंदिरा गान्धी ने देश में कांग्रेस की तानाशाही स्थापित करने के लिए संविधान में परिवर्तन कर दिए और देश में आपात काल की घोषणा कर दी, तो अकाली दल ने उस समय के जनसंघ के साथ कंधे से कन्धा मिला कर संघर्ष किया था। उसके भी हजारों कार्यकर्ता जेल गए थे। जबकि इन्दिरा गान्धी ने अल्पसंख्यक इत्यादि की कहानियां सुना कर अकाली दल को आपात काल विरोधी देशव्यापी संघर्ष से तोडने की कोशिश की थी। यही कारण है कि 1977 के चुनावों में अकाली दल और नव निर्मित जनता पार्टी मिल कर चुनाव लड़े थे। पंजाब में उस समय जनता पार्टी का अर्थ जनसंघ ही था। 1980 में जनता पार्टी के विघटन के बाद भारतीय जनता पार्टी बनी, जिसे भारतीय जनसंघ का अवतार ही कहा जाता था और अकाली दल में एक बार फिर से एक साथ मिल कर चलने की चर्चा होने लगी थी। इसका श्रेय पंजाब के लोगों को ही जाता है कि उनकी इच्छा और जरूरत को देखते हुए अकाली दल और भारतीय जनता पार्टी ने फिर से एक मंच पर आने का निर्णय किया। दरअसल 1971 में पाकिस्तान के विभाजित हो जाने के बाद शेष बचे पाकिस्तान ने पंजाब की राजनीति में अनधिकृत रुचि लेना शुरू कर दिया था। परोक्ष रूप से उसने पंजाब की राजनीति में भी दखलंदाजी शुरू कर दी थी। दुर्भाग्य से इस बार कांग्रेस ने भी पंजाब में आग पर घी डालने का काम किया था। दिल्ली में 1984 में कांग्रेस ने जिस प्रकार पूरी योजना से सिखों का नरसंहार किया, उसने सचमुच भारतीय आत्मा को हिला कर रख दिया था। दरअसल जब से सोनिया गान्धी के हाथ में कांग्रेस की कमान आ गई, तब से मानो कांग्रेस में से भारतीय आत्मा को निकाल कर उसके स्थान पर सर ह्यूम रोज की आत्मा को पुनः प्रतिष्ठित किया गया हो। कांग्रेस में हुए इन नए परिवर्तनों से लडना अनिवार्य था। इसे पंजाब की प्रबुद्ध जनता ने पहचाना और एक बार फिर भारतीय जनता पार्टी और अकाली दल ने मिल कर इससे लडने का निर्णय किया। इसी निर्णय में से 1997 में अकाली-भाजपा गठबन्धन ने आकार ग्रहण किया था। यह गठबन्धन लम्बे अर्से तक चला। इसका सबसे बड़ा लाभ यह हुआ कि विदेशी शक्तियों के षड्यंत्रों से लहूलुहान हो रहा पंजाब एक बार फिर पटरी पर लौट आया। पंजाब विकास के पथ पर आगे बढने लगा। 2020 में पंजाब में किसान आन्दोलन के कारण अकाली दल में कुछ लोगों को शायद ऐसा आभास होने लगा कि किसान आन्दोलन के चलते पंजाब की जनता भारतीय जनता पार्टी से नाराज ही नहीं बल्कि क्रुद्ध है। इसलिए भारतीय जनता पार्टी के साथ एक मंच पर दिखाई देना राजनीतिक लिहाज से हानिकारक है। इसलिए 2020 में अकाली दल ने भारतीय जनता पार्टी के गठबन्धन से अलग होने की स्वयं ही घोषणा कर दी। उस समय शायद अकाली दल में कुछ लोगों को यह ध्यान में नहीं रहा कि अकाली-भाजपा गठबन्धन राजनीतिक कारणों से बना ही नहीं था।



आप का | नज़रिया

सूर्य जैसा वैभव

यह कल्पना से परे है कि कोई पंद्रह वर्षीय किशोर क्रिकेट के खेल में महज 52 गेंदों में दोहरा शतक बना दे। इतना ही नहीं, 28 बॉल में शतक भी जड़ दे। साथ ही सबसे तेज 150 रन महज 40 गेंदों में बना डाले। एक पारी में 28 छक्कों का अविश्वसनीय कारनामा। यानी 204 रनों की पारी में 168 रन सिर्फ छक्कों से बटोर लिए, जो अपने आप में विश्व रिकॉर्ड हैं। ये कारनामा मंगलवार को वैभव सूर्यवंशी ने लिस्ट ए क्रिकेट के दोहा में हुए एक मैच में कर दिखाया। कहा जा रहा है कि इस टीनएजर ने क्रिकेट को वीडियो गेम बना डाला। आज दुनिया के क्रिकेट जगत में सूर्यवंशी के खेल-वैभव की चर्चा हो रही है। क्रिकेट के दिग्गज उनकी तारीफ के पुल बांध रहे हैं। साथ ही सवाल भी पूछ रहे हैं कि उन्हें टी-20 व वन डे की भारतीय टीम में बतौर ओपनर कब जगह मिल पायेगी? उल्लेखनीय है कि वे दस इंटरनेशनल टी-20 मैचों में 185 के स्ट्राइक रेट से 295 रन बना चुके हैं। इतना ही नहीं, आईपीएल की अब तक खेली 23 पारियों में उन्होंने 228 के स्ट्राइक रेट से 1028 रन बनाये हैं। वहीं आईपीएल सीजन में भी उन्होंने क्रिस गेल जैसे दिग्गज क्रिकेटर द्वारा एक सीजन में सबसे ज्यादा छक्के जड़ने का रिकॉर्ड भी तोड़ा था। इस किशोरवय सनसनी ने आईपीएल सीजन 2026 में 72 छक्के जड़े थे। यही वजह है कि अक्सर उनके आक्रामक खेल और छक्के मारने के कौशल की चर्चा होती है। दुनिया के अन्य देशों में उनके इस चमत्कारी हुनर की चर्चा खूब हो रही है। यहां तक कि मंगलवार को पाकिस्तान द्वारा दोहा में अपना ग्रुप का मैच जीतने के बावजूद वहां सिर्फ वैभव के आतिशी खेल की चर्चा होती रही। निस्संदेह, छोटी उम्र में वैभव की कामयाबी अप्रत्याशित है। वे मौलिक खेल प्रतिभा के धनी हैं। अभी उनका लंबा क्रिकेट जीवन होना है। यही वजह है कि वैभव की प्रतिभा और फुल फॉर्म में होने की वजह से भारतीय टीम में उनकी जगह सुनिश्चित करने की मांग की जा रही है। जाहिर है इस समय दुनिया के दिग्गज गेंदबाज उनके खेल को पढ़ रहे होंगे। ऐसे में अंतर्राष्ट्रीय पिचों व गेंदबाजों को उन्हें समझना होगा। जिसके लिये वैभव को अपने खेल कौशल को और समृद्ध करने की जरूरत होगी। निस्संदेह, अविश्वसनीय कामयाबी वाले वैभव के पास भविष्य में तमाम मौके आने वाले हैं। बीसीसीआई को उनको लेकर संतुलित नीति अपनाने की जरूरत होगी। कुछ लोगों का मानना है कि मौलिक व आक्रामक खेल वाले खिलाड़ी विरले ही पैदा होते हैं, लेकिन समय पर बड़े अवसर न मिलने का नकारात्मक प्रभाव उनके खेल में पड़ सकता है। क्रिकेट समीक्षक सोलह साल की उम्र में सचिन तेंदुलकर को अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में पाकिस्तान के खिलाफ 1989 में मौका देने और उसके बाद उनकी अप्रत्याशित कामयाबी का जिक्र भी करते हैं। निस्संदेह, ऐसे में विरले ही सामने आने वाली विशिष्ट प्रतिभाओं को मानसिक संबल देने की जरूरत होगी। वैभव जैसे रिकॉर्ड पर रिकॉर्ड बनाते हुए बेतहरीन खेल रहे हैं तो उसी अनुपात में उन्हें अच्छे अवसर भी मिलने चाहिए। आईपीएल सीजन 2026 में सबसे ज्यादा रन बनाकर ऑरेंज कैप हासिल करना उनकी प्रतिभा को ही दर्शाता है। साथ ही जरूरी है कि वैभव अपने आक्रामक खेल को बनाये रखें। उसमें निरंतरता रहे और वे क्रिकेट की आधुनिक तकनीकों से रूबरू होते रहें। निश्चित रूप से अधिक इंटरनेशनल मैच खेलना, उनके खेल में निखार लाएगा। जाहिर है उनकी हालिया आतिशी पारी के बाद दुनिया के तमाम गेंदबाज उन पर हावी होने के रास्ते तलाश रहे होंगे। वे उनकी असाधारण प्रतिभा को काबू करने के नुस्खे तलाश रहे होंगे। उनकी हिटिंग पावर को रोकने की व्यूह रचना की जा रही होगी।

> आज दुनिया के क्रिकेट जगत में सूर्यवंशी के खेल-वैभव की चर्चा हो रही है। क्रिकेट के दिग्गज उनकी तारीफ के पुल बांध रहे हैं। साथ ही सवाल भी पूछ रहे हैं कि उन्हें टी-20 व वन डे की भारतीय टीम में बतौर ओपनर कब जगह मिल पायेगी? उल्लेखनीय है कि वे दस इंटरनेशनल टी-20 मैचों में 185 के स्ट्राइक रेट से 295 रन बना चुके हैं। इतना ही नहीं, आईपीएल की अब तक खेली 23 पारियों में उन्होंने 228 के स्ट्राइक रेट से 1028 रन बनाये हैं। वहीं आईपीएल सीजन में भी उन्होंने क्रिस गेल जैसे दिग्गज क्रिकेटर द्वारा एक सीजन में सबसे ज्यादा छक्के जड़ने का रिकॉर्ड भी तोड़ा था। इस किशोरवय सनसनी ने आईपीएल सीजन 2026 में 72 छक्के जड़े थे। यही वजह है कि अक्सर उनके आक्रामक खेल और छक्के मारने के कौशल की चर्चा होती है। दुनिया के अन्य देशों में उनके इस चमत्कारी हुनर की चर्चा खूब हो रही है। यहां तक कि मंगलवार को पाकिस्तान द्वारा दोहा में अपना ग्रुप का मैच जीतने के बावजूद वहां सिर्फ वैभव के आतिशी खेल की चर्चा होती रही। निस्संदेह, छोटी उम्र में वैभव की कामयाबी अप्रत्याशित है। वे मौलिक खेल प्रतिभा के धनी हैं। अभी उनका लंबा क्रिकेट जीवन होना है। यही वजह है कि वैभव की प्रतिभा और फुल फॉर्म में होने की वजह से भारतीय टीम में उनकी जगह सुनिश्चित करने की मांग की जा रही है। जाहिर है इस समय दुनिया के दिग्गज गेंदबाज उनके खेल को पढ़ रहे होंगे। ऐसे में अंतर्राष्ट्रीय पिचों व गेंदबाजों को उन्हें समझना होगा। जिसके लिये वैभव को अपने खेल कौशल को और समृद्ध करने की जरूरत होगी। निस्संदेह, अविश्वसनीय कामयाबी वाले वैभव के पास भविष्य में तमाम मौके आने वाले हैं। बीसीसीआई को उनको लेकर संतुलित नीति अपनाने की जरूरत होगी।

कुछ | अलग

मुझे 'अरेस्ट' तो कर लो...

लालचंद मेरा दोस्त है, साथ ही वह एक छोटे से टेक्नीकल कर्मचारी संघ का अध्यक्ष भी। पूरे राज्य में उसके कर्मचारियों की संख्या कुल पच्चीस है, परन्तु बिना यूनियनबाजी के कुछ होता नहीं सो उसने भी बना लिया संघ। आजादी के ठीक इकतालीस साल बाद बना था उनके कर्मचारियों का संघ। जिस कर्मचारी संघ का लाल चंद अध्यक्ष हो, राम ही मालिक है कि वह कुछ कर भी पाएगा। बड़े ही विनम्र, सेवाभावी तथा निष्ठावान कार्यकर्ता हैं लालचंद। सर्वगुण सम्पन्न नेता जब तक यूनियन को नहीं मिले तब तक कर्मचारी कल्याण संदिग्ध ही रहता है। परन्तु होनी को कौन टाले, लालचंद की भाग्य रेखाएं अध्यक्षता बता रही थीं सो बन गया लालचंद कर्मचारी संघ का अध्यक्ष। जिन दिनों संघ का गठन हुआ, उन दिनों राज्य में तमाम राज्य कर्मचारी आंदोलन पर थे। अनिश्चितकालीन हड़ताल चल रही थी। इस बीच एक दिन लालचंद अनमना-उदास सा मेरे पास आया और बोला- 'शर्मा, दुनिया के इतने काम करवाते हो, मेरा भी तो एक काम करा दो यार।' मैंने पूछा- 'बोलो, क्या काम है?' 'यार, मुझे अरेस्ट करवाओ, हर ऐरा-गेरा नत्थू खैरा इस हड़ताल में अरेस्ट हो रहा है, परन्तु पुलिस मेरे को अरेस्ट नहीं कर रही है।' मैंने कहा- 'चलो यार अच्छा है तुम्हें अरेस्ट नहीं कर रही वर्ना सर्दी में जेल में तकलीफ पाते और पीछे से बच्चे वगैरह परेशान होते।' 'समझते नहीं शर्मा तुम। रोज सुबह घर से निकलता हूं तो बीवी से और बच्चों को कहकर जाता हूं कि मेरा इंतजार मत करना, आज मैं अरेस्ट हो जाऊंगा। रोज शाम को मुझे लौटता देख वे हंसते हैं। अमां यार, क्या बताऊं, एक दिन तो शुरू में पत्नी ने मेरा खाना ही नहीं बनाया। जब बच्चे व पत्नी मेरी लीडरी को मानने को तैयार नहीं हैं तो कर्मचारी क्या मानेंगे? इसलिए लीडर के रूप में रिकागनीशन के लिए इस समय मेरा अरेस्ट होना नितांत आवश्यक है।' लालचंद ने दर्द उगला। 'ओह आई सी अरेस्ट होने में तुम्हें राजनीतिक लाभ मिलेंगे। मसलन अखबार में फोटो और समाचार छपेंगे। लोग विदा के समय तुम्हें माला पहनाएंगे। जेल में तुमसे लोग मिलने जाएंगे। यह सब बातें तुम्हें लोकप्रिय बनाएंगी। इस दृष्टि से तुम्हारा अब बाहर रहना ठीक नहीं है।' मैंने कहा। लालचंद बोला- 'यही तो चक्कर है शर्मा। संघ के पच्चीसों के पच्चीसों सदस्य कहते हैं कि कुछ करके दिखाओ, और कुछ नहीं तो अरेस्ट होकर तो बता दूं।'

दृष्टि | कोण

खेल मैदानों को यूं बर्बाद मत करो

खेल शिक्षा का जरूरी हिस्सा है और प्ले फील्ड उसका कक्षा स्थल है। हम जब अच्छा माहौल देंगे, तभी परिणाम अच्छे मिलेंगे। खिलाडियों को अच्छी प्ले फील्ड देना जरूरी है, तभी हम ओलंपिक व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अच्छा पदक विजेता प्रदर्शन करने की सोच सकते हैं। हिमाचल प्रदेश में बहुत संघर्ष के बाद बहुत अधिक धन व श्रम खर्च करके एथलेटिक्स व अन्य खेलों के लिए विश्वस्तरीय प्ले फील्ड उपलब्ध है, मगर प्रशासन की खेलों के प्रति बेरुखी व अज्ञानता के कारण सब बर्बाद होता जा रहा है। राज्य में तीन जगह सिंथेटिक ट्रैक बन कर तैयार हैं, मगर उन पर कहीं तो पार्क की तरह लोग सैर कर रहे हैं और कहीं पर जिला खेल अधिकारी व उपायुक्त ने फौज के हवाले कर कई दिनों के लिए भर्ती की स्वीकृति दे देते हैं। हमीरपुर का ट्रैक अब भारतीय खेल प्राधिकरण के पास है। उसमें भी फौज व अन्य विभागों की भर्तियों के ग्राउंड ट्रैस्ट हो रहे हैं। हमीरपुर के उपायुक्त को इस विषय पर सोचना होगा। यही हाल धर्मशाला व बिलासपुर के सिंथैटिक ट्रैकों का है। सोचो राष्ट्रीय स्तर पर भाग लेने वाले हिमाचल के एथलीट सप्ताह भर कहां ट्रेनिंग करेंगे। हिमाचल प्रदेश में खेल के साथ इस तरह की बदतमीजी आम बात हो गई है। करोड़ों रुपयों से बने सिंथेटिक ट्रैकों को हिमाचल प्रदेश के प्रशासनिक अधिकारी बर्बाद करने पर क्यों आमादा हैं? क्या हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री व खेल मंत्री इस बात का संज्ञान लेंगे ताकि इन अंतरराष्ट्रीय स्तर की खेल सुविधा

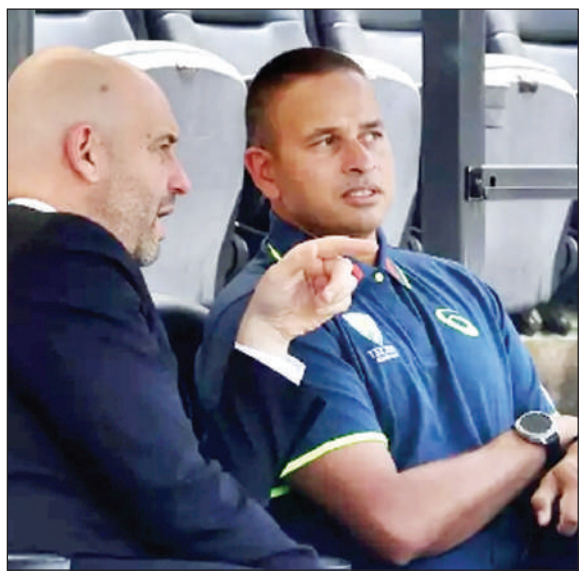

गेंद से छेड़छाड़ मामले की समीक्षा के लिए क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने तय की छह सप्ताह की समय सीमा

मेलबर्न

क्रिकेट आस्ट्रेलिया (सीए) ने 2018 के दक्षिण अफ्रीका दौरे के दौरान हुए गेंद से छेड़छाड़ विवाद की समीक्षा के लिए गठित स्वतंत्र मंच के संदर्भ की शर्तें जारी कर दी हैं। इस मंच के माध्यम से उस दौरे का हिस्सा रहे खिलाड़ी और सहयोगी स्टाफ अपने अनुभव साझा कर सकेंगे। हालांकि, क्रिकेट आस्ट्रेलिया के बोर्ड को किसी भी प्रतिभागी की व्यक्तिगत गवाही उपलब्ध नहीं कराई जाएगी। बोर्ड को केवल सामने आए प्रमुख मुद्दों और सिफारिशों वाली रिपोर्ट सौंपी जाएगी।

संदर्भ की शर्तों के तहत बोर्ड को मंच के सामने रखे गए व्यक्तिगत विवरण नहीं दिखाए जाएंगे। स्वतंत्र वरिष्ठ अधिवक्ता फियोना मैकलियोड एओ एससी के नेतृत्व में चलने वाली इस प्रक्रिया की अवधि छह सप्ताह होगी। इस दौरान संबंधित लोग निजी तौर पर अपने अनुभव साझा कर सकेंगे। बोर्ड को सौंपी जाने वाली रिपोर्ट में सामने आए प्रमुख मुद्दों और सिफारिशों का उल्लेख होगा, लेकिन व्यक्तिगत गवाही या उससे जुड़े सहायक दस्तावेज शामिल नहीं होंगे। क्रिकेट आस्ट्रेलिया रिपोर्ट मिलने के 30 दिनों के भीतर उसे अपनी प्रतिक्रिया के साथ पूरी तरह सार्वजनिक करेगा।

इस मंच की घोषणा उस समय की गई, जब उस्मान ख्वाजा की आत्मकथा सब्र के सामने आने के बाद 2018 की घटना एक बार फिर चर्चा में आ गई। ख्वाजा ने दावा किया था कि सैंडपेपर के इस्तेमाल की जानकारी क्रिकेट आस्ट्रेलिया की ओर से दंडित किए गए तीन खिलाड़ियों से कहीं अधिक लोगों को थी। डेविड वार्नर और कैमरन बेनक्राफ्ट ने उनके बयान के कुछ हिस्सों का समर्थन किया है, जबकि पैट कमिंस और अन्य गेंदबाजों का कहना रहा है कि उन्हें इस योजना की जानकारी नहीं थी।

यह स्वतंत्र मंच 2017-18 सत्र के दौरान आस्ट्रेलियाई टीम में गेंद के रखरखाव से जुड़ी प्रक्रियाओं, दक्षिण अफ्रीका दौरे के सभी चार टेस्ट मैचों, 24 मार्च 2018 को केपटाउन में तीसरे टेस्ट के दौरान बेनक्राफ्ट से जुड़ी घटना और इस मामले में क्रिकेट आस्ट्रेलिया की ओर से की गई जांच की समीक्षा करेगा। हालांकि, मंच न तो उस जांच को दोबारा खोलेगा और न ही यह तय करेगा कि इस घटना के लिए कौन जिम्मेदार था।

क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने दौरे का हिस्सा रहे सभी खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के साथ-साथ उस समय के क्रिकेट आस्ट्रेलिया प्रबंधन और निदेशकों को भी इसमें शामिल होने का निमंत्रण दिया है। प्रतिभागी फियोना मैकलियोड से व्यक्तिगत रूप से या आनलाइन बातचीत कर सकते हैं। इसके अलावा वे लिखित विवरण और दस्तावेज भी उपलब्ध करा सकते हैं। इसमें भाग लेना स्वैच्छिक होगा और प्रतिभागियों को अपने साथ सहयोगी व्यक्ति या वकील रखने की अनुमति होगी।

शर्तों के अनुसार, किसी अन्य प्रतिभागी से स्पष्टीकरण मांगते समय मंच यह खुलासा नहीं कर सकेगा कि जानकारी किस व्यक्ति ने दी है, जब तक संबंधित व्यक्ति इसकी अनुमति न दे। प्रतिभागियों को बताया जाएगा कि उनकी जानकारी तक किसकी पहुंच होगी। उन्हें अपने बयान की सटीकता जांचने का अवसर भी दिया जाएगा। मंच को आस्ट्रेलियाई क्रिकेट के एथिक्स सेंटर की ओर से 2018 में की गई संस्कृति और संचालन व्यवस्था की समीक्षा रिपोर्ट के साथ-साथ मांगे गए अन्य प्रासंगिक दस्तावेजों तक भी पहुंच मिलेगी।

क्रिकेट आस्ट्रेलिया के अध्यक्ष डेविड बून ने एक आधिकारिक बयान में कहा, हम फियोना मैकलियोड एओ एससी के आभारी हैं कि उन्होंने स्वतंत्र मंच का नेतृत्व करने की सहमति दी है। इस मंच की रूपरेखा इस तरह तैयार की गई है कि दक्षिण अफ्रीका के 2018 टेस्ट दौरे पर गए सभी खिलाड़ियों और स्टाफ को अपनी बात रखने का अवसर मिल सके।

न्यूज ब्रीफ

भारत को मिली 2028 थामस एवं उबेर कप फाइनल्स की मेजबानी



नई दिल्ली। भारत को साल 2028 के लिए थामस एवं उबेर कप फाइनल्स की मेजबानी मिली है। विश्व बैडमिंटन महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) ने भारत को मेजबानी दिये जाने की घोषणा की है। यह टूर्नामेंट भारत में दूसरी बार आयोजित होगा। खास बात ये होगी ये पहला सत्र होगा जिसमें पुरुष और महिला टीम की विश्व चैंपियनशिप एक संशोधित 24-टीम प्रारूप और तीन-मैच के आधार पर खेली जाएगी। इस आयोजन से भारतीय बैडमिंटन के विकास में लाभ होगा। इसके साथ ही उभरती हुई प्रतिभाओं को भी अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों से सीखने को मिलेगा। इससे पहले भारत में साल 2014 में नयी दिल्ली के सिरी फोर्ट खेल परिसर में इस प्रतियोगिता का आयोजन हुआ था। तब भारतीय महिला टीम ने उबेर कप में अपना पहला कांस्य पदक जीता था। इसके अलावा साल 2016 में भी इस उपलब्धि को दोहराया था। वहीं, भारतीय पुरुष टीम ने 2022 में थामस कप जीता था और 2026 में भी कांस्य पदक हासिल किया। भारत में हाल ही में बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप का सफल आयोजन हुआ था जिससे पता चलता है कि देश के पास बड़े अंतरराष्ट्रीय आयोजनों की मेजबानी की पूरी क्षमता है। बीडब्ल्यूएफ ने 2027 से अपनी प्रमुख चैंपियनशिप के प्रारूप में व्यापक बदलावों को भी मंजूरी दी है, जिसका उद्देश्य खेल को अधिक प्रतिस्पर्धी और व्यापक बनाना है।

सैयद मुश्ताक अली ट्राफी : सुपर लीग के लिए आठ टीमें तय, राजस्थान-पंजाब ने अंतिम दिन कटाया टिकट

मुंबई/इंदौर। सैयद मुश्ताक अली टी-20 ट्राफी के लीग चरण का रोमांचक समापन हुआ। अंतिम दिन मुंबई, इंदौर, मोहाली, कोलकाता और न्यू चंडीगढ़ में खेले गए 16 मुकाबलों के बाद सुपर लीग की आठ टीमें तय हो गईं। राजस्थान और पंजाब ने निर्णायक जीत दर्ज कर अगले दौर में जगह बनाई, जबकि बंगाल और सौराष्ट्र की चुनौती समाप्त हो गई। मध्य प्रदेश और हिमाचल प्रदेश भी खराब नेट रनरेट के कारण आगे नहीं बढ़ सके। सुपर लीग के लिए ग्रुप ए से बड़ौदा और राजस्थान, ग्रुप बी से दिल्ली और पंजाब, ग्रुप सी से आंध्र और केरल तथा ग्रुप डी से मुंबई और विदर्भ ने क्वालीफाई किया है। मुंबई और विदर्भ ने छह-छह जीत के साथ ग्रुप डी में दबदबा बनाया, जबकि आंध्र ने ग्रुप सी में शीर्ष स्थान हासिल किया। ग्रुप ए में बंगाल और राजस्थान के बीच मुकाबला वर्चुअल नाकआउट था। बंगाल ने पहले बल्लेबाजी करते हुए नौ विकेट पर 157 रन बनाए। राजस्थान के दीपक चाहर ने 13 रन देकर तीन विकेट लिए। जवाब में अभिजीत तोमर और महिपाल लोमरोर के 74-74 रनों की मदद से राजस्थान ने 16.4 ओवर में चार विकेट पर 162 रन बनाकर छह विकेट से जीत दर्ज की। इस हार के साथ बंगाल बाहर हो गया, जबकि बड़ौदा पहले ही क्वालीफाई कर चुका था। ग्रुप बी में पंजाब ने बिहार को चार विकेट से हराकर सुपर लीग में प्रवेश किया। बिहार ने सात विकेट पर 151 रन बनाए। पंजाब ने 13.1 ओवर में छह विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया।

आयरलैंड पहली बार पाकिस्तान दौरे पर जाएगी, तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज खेलेगी



लाहौर। आयरलैंड क्रिकेट टीम पहली बार पाकिस्तान दौरे पर जाने वाली है। ये दौरान अगले साल की शुरुआत में होगा। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने भी इस दौरे की पुष्टि की है। साथ ही कहा कि दोनों टीमें लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज 20 से 24 जनवरी तक खेलेंगी। यह दौरा दोनों ही टीमों के लिए महत्वपूर्ण रहेगा। आयरलैंड टीम को इससे एकदिवसीय विश्व क्वालीफायर मुकाबलों के लिए अभ्यास का अच्छा अवसर मिलेगा। वहीं, पाकिस्तान को भी इस सीरीज से एकदिवसीय विश्वकप से पहले अपनी कमजोरियों को जानने के साथ ही सुधार का भी अवसर मिलेगा। इस दौरे में मुख्य सीरीज से पहले, आयरलैंड की टीम पाकिस्तान के हालातों को जानने के लिए 13 से 17 जनवरी तक तीन दिवसीय मैचों की एक अभ्यास सीरीज भी खेलेगी। यह सीरीज आयरलैंड के खिलाड़ियों को पाकिस्तान के मैदानों और मौसम के अनुकूल ढलने में मदद करेगी, जिससे वे मुख्य वनडे सीरीज के लिए पूरी तरह तैयार हो सकें क्रिकेट आयरलैंड के निदेशक ग्रीम वेस्ट ने इस दौरे को लेकर कहा कि दोनों बोर्ड बीच बातचीत के बाद ही 50 ओवर के फार्मेट पर विशेष ध्यान केंद्रित करने का निर्णय लिया गया। वेस्ट ने कहा, शुरुआत में हमने एक मल्टी-फार्मेट सीरीज की योजना बनाई थी, लेकिन बाद में दोनों बोर्ड इस बात पर सहमत हुए कि 50 ओवर के क्रिकेट से ही दोनों टीमों को सबसे ज्यादा फायदा होगा।

क्राइस्टचर्च टेस्ट : पहले दिन न्यूजीलैंड ने 5 विकेट पर बनाए 246 रन, लैथम और ब्लंडेल के अर्धशतक

क्राइस्टचर्च

आकाश दीप की शानदार गेंदबाजी के बावजूद टाम लैथम और टाम ब्लंडेल के अर्धशतकों की मदद से न्यूजीलैंड ने भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट के पहले दिन का खेल समाप्त होने तक पांच विकेट पर 246 रन बना लिए। लैथम ने शीर्ष क्रम में संयमित बल्लेबाजी करते हुए पारी की नींव रखी, जबकि दोपहर के सत्र में भारत के लगातार तीन विकेट लेने के बाद ब्लंडेल ने पारी को संभाला। ब्लंडेल और ग्लेन फिलिप्स के बीच छठे विकेट के लिए हुई 62 रन की अटूट साझेदारी दिन की तीन अर्धशतकीय साझेदारियों में से एक रही। उतार-चढ़ाव भरे दिन के अंत में न्यूजीलैंड ने अच्छी स्थिति हासिल कर ली।



भारत के गेंदबाजी चुनने के बाद न्यूजीलैंड ने पहले घंटे में बिना विकेट गंवाए चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों का सामना किया। जसप्रीत बुमराह और अंशुल कंबोज ने गेंद को अच्छी स्विंग और सीम मूवमेंट दिलाई। दोनों ने कई बार बल्लेबाजों के बाहरी किनारे को छकाया। पहले बदलाव के रूप में गेंदबाजी करने आए आकाश दीप ने भी दोनों तरफ मूवमेंट हासिल कर डेवोन कानवे को परेशान किया। टाम लैथम बुमराह की गेंद पर पगबाधा के फैसले से बाल-बाल बचे। उन्होंने समीक्षा ली, जिसमें गेंद ट्रैकिंग से पता चला कि गेंद लेग स्टंप के बाहर पिच हुई थी। भारत ने कुछ मौके जरूर बनाए, लेकिन लाइन और लेंथ में निरंतरता की कमी के कारण उन्हें विकेट में नहीं बदल सका।

आकाश दीप को लैथम का विकेट मिल सकता था, लेकिन दूसरी स्लिप में केएल राहुल ने उनका बाहरी किनारा छोड़ दिया। दूसरी ओर, धीमी शुरुआत के बाद कानवे ने नियमित रूप से गेंद को सीमा रेखा के पार पहुंचाना शुरू किया और सत्र आगे बढ़ने के साथ उनका आत्मविश्वास बढ़ता गया। न्यूजीलैंड के दोनों सलामी बल्लेबाज अच्छी तरह जम चुके थे और बिना विकेट गंवाए लंच तक पहुंचने की स्थिति में दिख रहे थे। लेकिन लंच से ठीक पहले आखिरी गेंद पर पदार्पण कर रहे गुरनूर बराड़ ने कानवे को पगबाधा आउट कर दिया। बाएं हाथ के बल्लेबाज ने फैसले की समीक्षा ली, लेकिन गेंद ट्रैकिंग में गेंद लेग स्टंप के ऊपरी हिस्से से टकराती दिखाई दी। इस तरह न्यूजीलैंड ने 26 ओवर में एक विकेट पर 77 रन बनाकर लंच किया।

लंच के बाद न्यूजीलैंड ने लगातार रन बनाना जारी रखा। पहले टेस्ट की दोनों पारियों में शून्य पर आउट होने वाले लैथम ने इस दौरान अपना अर्धशतक पूरा किया। भारत ने लैथम के खिलाफ संभावित डीआरएस का एक मौका गंवाया। इसके अलावा जोखिम भरे एक रन के लिए दौड़े हेनरी निकोल्स को रन आउट करने का मौका भी हाथ से निकल गया। गेंद में सीम मूवमेंट जारी था और भारतीय गेंदबाज लगातार बल्लेबाजों को असहज कर रहे थे, लेकिन इन मौकों को विकेट में नहीं बदल सके। न्यूजीलैंड ने लंच के बाद का पहला घंटा बिना कोई विकेट गंवाए निकाल लिया।

लंच के बाद दूसरे घंटे में भारतीय गेंदबाजों ने कहीं अधिक आक्रामक अंदाज में गेंदबाजी की और आकाश दीप ने अगुआई की। दूसरे विकेट के लिए 33 रन जुड़ने के बाद आकाश दीप ने लैथम को विकेट के पीछे कैच कराकर साझेदारी तोड़ी। इसके बाद कंबोज ने निकोल्स को आउट किया, जो पुल शाट खेलने के प्रयास में गेंद को हवा में उछाल बैठे। बंगाल के तेज गेंदबाज आकाश दीप ने फिर रचिन रवींद्र को भी विकेट के पीछे कैच कराकर पवेलियन भेज दिया। एक विकेट पर 110 रन से न्यूजीलैंड का स्कोर चार विकेट पर 110 रन हो गया।

डैरिल मिचेल और टाम ब्लंडेल ने सत्र का बाकी खेल संभाला। न्यूजीलैंड ने इस सत्र में 24 ओवर में तीन विकेट गंवाकर 54 रन बनाए। इस दौरान मिचेल पगबाधा की अपील पर भी बच गए और भारत ने एक समीक्षा गंवा दी। चाय के बाद बुमराह ने दूसरे सत्र में अपनाए गए अपने थोड़े बदले हुए रन-अप के साथ गेंदबाजी जारी रखी। उन्होंने पुल शाट खेलने के प्रयास में मिचेल के दस्ताने से गेंद का संपर्क कराया, लेकिन ऋषभ पंत एक मुश्किल कैच नहीं पकड़ सके। मिचेल ने बराड़ की गेंद पर भी तीसरी स्लिप के खाली क्षेत्र से किनारा लगाकर चौका हासिल किया। दूसरी ओर, स्थानापन्न क्षेत्ररक्षक नीतीश रेड्डी ने दूसरे छोर पर रन आउट का मौका गंवा दिया, जिससे ब्लंडेल को जीवनदान मिला। भारत ने वाशिंगटन सुंदर को गेंदबाजी पर लगाया, लेकिन ब्लंडेल ने उनका स्वागत दो चौकों के साथ किया। पांचवें विकेट के लिए साझेदारी 50 रन के पार पहुंच गई। इसके बाद मिचेल ने आकाश दीप की गेंद पर तीसरी स्लिप के अभाव में बाहरी किनारा लगाकर एक और चौका हासिल किया। इससे भारतीय टीम की निराशा बढ़ गई। यह साझेदारी आखिरकार वाशिंगटन सुंदर की सुनियोजित गेंदबाजी से टूटी। उन्होंने गेंद को हवा में बहाव देते हुए मिडिल और लेग स्टंप की लाइन पर गेंदबाजी की। लेग स्लिप पर क्षेत्ररक्षक तैनात था। मिचेल को उसी दिशा में शाट खेलने के लिए मजबूर होना पड़ा और ध्रुव जुरेल ने शानदार कैच लपक लिया। इसके बाद ब्लंडेल और फिलिप्स ने दिन का खेल सकारात्मक अंदाज में समाप्त कराया। दोनों ने आखिरी घंटे में भारत को विकेट के लिए तरसाते हुए अटूट साझेदारी की। भारत को दूसरी नई गेंद से भी अपेक्षित सफलता नहीं मिली और न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों ने आकाश दीप तथा बुमराह का आसानी से सामना किया। ब्लंडेल ने अपने 50वें टेस्ट मैच में अर्धशतक पूरा किया।

न्यूजीलैंड ने आखिरी सत्र में 35 ओवर में केवल एक विकेट गंवाकर 115 रन जोड़े और दिन का खेल समाप्त होने तक पांच विकेट पर 246 रन बना लिए।

संक्षिप्त स्कोर: न्यूजीलैंड पहली पारी 246/5 (टाम लैथम 59, टाम ब्लंडेल नाबाद 53, ग्लेन फिलिप्स नाबाद 36; आकाश दीप 2/52) बनाम भारत।

प्रो रेसलिंग लीग का छठा सत्र 3 जनवरी से, 30 नवंबर को होगी नीलामी



नई दिल्ली

प्रो रेसलिंग लीग का छठा सत्र 3 से 19 जनवरी तक होगा। वहीं इसके लिए नीलामी इसी माह 30 नवंबर को होग। प्रो रेसलिंग लीग की नियामक एजेंसी पीडब्ल्यूएल ने कहा कि लीग मुकाबलो का आयोजन केडी जाधव स्टेडियम में किया जाएगा। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) की निगरानी में आयोजित होने वाली इस लीग के लिए खिलाड़ियों की नीलामी में दुनिया के शीर्ष पहलवान शामिल होंगे इस सत्र में कुल छह फ्रेंचाइजी टीमें खिताब के लिए जोर आजमाइश करेंगी। इनमें टाइगर्स आफ मुंबई दंगल्स, हरियाणा थंडर, दिल्ली दंगल वारियर्स, महाराष्ट्र केसरी, पंजाब रायल्स और यूपी डोमिनेटर्स शामिल हैं। यह प्रतियोगिता कुल नौ ओलंपिक भार वर्गों में आयोजित की जाएगी, जिसमें पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए स्पर्धाएं होंगी। पुरुष वर्ग में 57 किलोग्राम, 65 किलोग्राम, 74 किलोग्राम, 86 किलोग्राम और 125 किलोग्राम भार वर्ग शामिल हैं, जबकि महिला वर्ग में 53 किलोग्राम, 57 किलोग्राम, 62 किलोग्राम और 76 किलोग्राम भार वर्ग होंगे।

आयोजकों ने अंतरराष्ट्रीय कुश्ती कैलेंडर के साथ तालमेल बिठाने के लिए कार्यक्रम में संशोधन भी किया है। विश्व कुश्ती की सर्वोच्च संस्था, यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग (यूडब्ल्यूडब्ल्यू) द्वारा अपने कैलेंडर में किए गए हालिया बदलावों के बाद यह फैसला लिया गया, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि लीग किसी भी अंतरराष्ट्रीय स्पर्धा से न टकराए और देश-विदेश के सर्वश्रेष्ठ पहलवान बिना किसी बाधा के इसमें भाग ले सकें। अब मुंबई में 30 नवंबर को होने वाली नीलामी पर सभी की निगाहें टिकी रहेंगी। उम्मीद है कि इस सत्र में ओलंपिक और विश्व पियनशिप के पदक विजेताओं सहित कुश्ती जगत के कई दिग्गज शामिल होंगे। इस बार नीलामी में रिकार्ड तोड़ बोली लगने की संभावना है, जो कुश्ती प्रेमियों और फ्रेंचाइजी दोनों के लिए रोमांचक होगी। पिछले सत्र में जापान की दिग्गज युई सुसाकी को 60 लाख रुपये में खरीदा गया था, जो पीडब्ल्यूएल के इतिहास की अब तक की सबसे बड़ी बोली थी। भारतीय पहलवानों में अमन सहरावत, अंतिम पंघाल और सुजीत कलकल जैसे सितारों पर पिछली बार 50 लाख रुपये से अधिक की बड़ी बोलियां लगी।

छह फ्रेंचाइजी टीमें खिताब के लिए उतरेंगी

भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के लिए उपलब्धियों भरा रहा साल 2026



मुम्बई। भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के लिए साल 2026 काफी अच्छा रहा जिसमें उसने कई खिताब अपने नाम किये। इसमें अपनी धरती पर हुए टी20 विश्व कप में खिताब बरकरार रखने के साथ ही एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतना और खेल में कई रिकार्ड बनाना भी शामिल है। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारतीय टीम ने अपनी ही धरती पर आयोजित हुए टी20 विश्व कप 2026 का खिताब जीता । फाइनल में न्यूजीलैंड को 96 रनों के बड़े अंतर से हराकर, भारतीय टीम टी20 विश्व कप का सफलतापूर्वक बचाव करने वाली विश्व की पहली टीम बनी। इसके अलावा वह अपनी घरेलू धरती पर यह प्रतिष्ठित खिताब जीतने वाली भी पहली टीम बनी। यह भारतीय टीम का तीसरा टी20 विश्व कप खिताब था। पूरे टूर्नामेंट में टीम का प्रदर्शन असाधारण रहा, जहां उसे केवल एक मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। वहीं जापान में हुए एशियाई खेलों में भी भारतीय क्रिकेट टीम छायी रही। श्रेयस अय्यर की अगुवाई में भारतीय टीम ने फाइनल में चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को हराकर लगातार दूसरी बार स्वर्ण पदक जीता। इसके अलावा बल्लेबाजों ने भी इस साल कई नए कीर्तिमान स्थापित किए।

श्रीलंका ने सेमीफाइनल में तोड़ा इंडिया ए का सपना, 42 ओवर में चेज किया 318 रन का टारगेट

दोहा

श्रीलंका ए ने एशिया कप राइजिंग स्टार्स 2026 के पहले सेमीफाइनल में भारत ए को आठ विकेट से करारी शिकस्त देकर फाइनल में जगह बना ली। भारत ए ने पहले बल्लेबाजी करते हुए आठ विकेट पर 317 रन बनाए थे। जवाब में श्रीलंका ए ने सलामी बल्लेबाजों के शानदार शतकों की बदौलत 41.3 ओवर में ही दो विकेट खोकर 318 रन का लक्ष्य हासिल कर लिया। इस हार के साथ भारतीय टीम का टूर्नामेंट में सफर समाप्त हो गया।

श्रीलंका ए अब रविवार को होने वाले फाइनल में पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से भिड़ेगी।

अभिषेक और तिलक के अर्धशतक – टास जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारत ए को वैभव सूर्यवंशी और अभिषेक शर्मा ने तेज शुरुआत दिलाई। दोनों ने पहले विकेट के लिए 48 गेंदों में 80 रन जोड़े। वैभव 27 गेंदों में चार चौकों और तीन छक्कों की मदद से 40 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद कप्तान तिलक वर्मा ने अभिषेक के साथ दूसरे विकेट के लिए 79 रन की साझेदारी की।

अभिषेक ने 63 गेंदों में 12 चौकों की मदद से 78 रन बनाए, जबकि तिलक ने 66 गेंदों पर 53 रन की पारी खेली। दोनों के आउट होने के बाद भारतीय पारी लड़खड़ा गई और 235 रन तक छह विकेट गिर गए। ऐसे मुश्किल समय में शाहबाज अहमद ने मोर्चा संभाला। उन्होंने 48 गेंदों में चार छक्कों की मदद से नाबाद 54 रन बनाए। तनुष कोटियान ने 28 रन का योगदान दिया। दोनों ने सातवें विकेट के लिए 55 गेंदों में 73 रन जोड़कर भारत को 317 रन तक पहुंचाया।

श्रीलंका की ओर से रविंदु फर्नांडो, जनिथ लियानागे और निपुण धनंजय ने दो-दो विकेट लिए, जबकि गरुका संकेत और लाहिरू समराकून को एक-एक सफलता मिली।



श्रीलंकाई सलामी बल्लेबाजों के शतकों ने पलटा मैच – 318 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका ए की टीम ने भारतीय गेंदबाजों को कोई मौका नहीं दिया। लसिथ क्रूसपुले और सिनेथ जयवर्धने ने पहले विकेट के लिए 174 रन की शानदार साझेदारी कर जीत की नींव रखी। क्रूसपुले ने 107 गेंदों में 12 चौकों और तीन छक्कों की मदद से 116 रन बनाए। वहीं, जयवर्धने ने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए महज 70 गेंदों पर 10 चौकों और छह छक्कों की मदद से 105 रन ठोक दिए।

दोनों सलामी बल्लेबाजों के आउट होने के बाद निशान मदुष्का और कप्तान पवन रत्नायके ने टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। मदुष्का 56 गेंदों में 58 रन बनाकर नाबाद रहे, जबकि रत्नायके ने केवल 16 गेंदों पर तीन छक्कों और एक चौके की मदद से नाबाद 31 रन बनाए। श्रीलंका ने 41.3 ओवर में दो विकेट पर 318 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया।

बोस्टन मैराथन के धावक बेग्स और डी ओलिवेरा को मिला अंतरराष्ट्रीय फेयर प्ले पुरस्कार

नई दिल्ली

बोस्टन मैराथन के धावक आरोन बेग्स और राबसन डी ओलिवेरा को अंतरराष्ट्रीय फेयर प्ले पुरस्कार के लिए चुना गया है। दोनों धावकों ने इस वर्ष विश्व एथलेटिक्स की प्लेटिनम लेबल रोड रेस के दौरान एक अन्य धावक की मदद कर उसे दौड़ पूरी करने में सहयोग दिया था। उनके इस निस्वार्थ कार्य के लिए उन्हें यह सम्मान दिया गया है।विश्व एथलेटिक्स ने उक्त जानकारी दी।

इस वर्ष की शुरुआत में अंतरराष्ट्रीय फेयर प्ले समिति (सीआईएफपी) ने विश्व एथलेटिक्स के साथ साझेदारी में दुनियाभर के खेल प्रशंसकों को ऐसे क्षणों के नामांकन के लिए आमंत्रित किया था, जो खेल भावना और निष्पक्ष खेल का बेहतरीन उदाहरण पेश करते हों। इसका उद्देश्य किसी एक उत्कृष्ट खिलाड़ी या खास क्षण को सम्मानित करना था।

नामांकनों की समीक्षा के लिए एक निर्णायक मंडल गठित किया गया। इसके बाद विश्व एथलेटिक्स के सोशल मीडिया माध्यमों के जरिए प्रशंसकों ने चुने गए क्षणों में से उस पल के लिए मतदान किया, जिसे वे निष्पक्ष खेल की भावना का सबसे अच्छा उदाहरण मानते थे। प्रशंसकों के मतों को निर्णायक मंडल के सदस्यों के मतों के साथ जोड़कर विजेता का फैसला किया गया। इसमें बोस्टन में बेग्स और डी ओलिवेरा द्वारा अजय हरिदासे की मदद करने वाले क्षण को विजेता चुना गया।

हरिदासे दौड़ के दौरान गिर गए थे और उठ नहीं पा रहे थे। सबसे पहले बेग्स ने रुककर उन्हें जमीन से उठाया। हरिदासे को अब भी अपने पैरों पर खड़े रहने में परेशानी हो रही थी। ऐसे में डी ओलिवेरा भी मदद के लिए आगे आए। दोनों ने हरिदासे को अपनी बांहों का सहारा दिया और उन्हें फिनिश लाइन तक पहुंचाया। इस मदद के लिए दोनों ने अपना सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत समय हासिल करने का अवसर भी छोड़ दिया।

बेग्स ने कहा, यह पुरस्कार जीतना मेरे लिए अविश्वसनीय है। जब हमें पहली बार नामांकन के बारे में पता चला, तो मैंने सपने में भी नहीं सोचा था



कि हम इसे जीतेंगे। हमारा मुकाबला विश्वस्तरीय शीर्ष खिलाड़ियों से था। हालांकि यह पुरस्कार राबसन और मुझे मिल रहा है, लेकिन इसका श्रेय अजय को भी दिया जाना चाहिए। जिस क्षण मैं उनके पास मदद के लिए पहुंचा, उसी समय से मैराथन पूरी करने के लिए उनका दृढ़ संकल्प और साहस अद्भुत था। जब मैं अजय की मदद के लिए गया, तो यह स्वाभाविक प्रतिक्रिया थी। मैंने बिना कुछ सोचे उनकी मदद के लिए दौड़ लगा दी। उस क्षण मुझे बस इतना पता था कि मुझे अपने साथी धावक की मदद करनी है। मेरा मानना है कि यह अच्छी परवरिश और जीवन के अनुभवों से आता है। इसमें ब्रिटिश सेना के मूल्य और मानक भी शामिल हैं। इसलिए इसका श्रेय मेरे परिवार और मेरे जीवन से जुड़े लोगों को जाता है।

तीन अजनबी, तीन अलग-अलग महाद्वीप और अब जीवनभर के दोस्त – डी ओलिवेरा ने भी बेग्स की बातों से सहमति जताई। उन्होंने कहा, उस दौड़ के दौरान मुझे पता था कि मैं अकेले यह नहीं कर पाऊंगा। लेकिन जब मैंने आरोन को देखा, तो मुझे लगा कि मेरी प्रार्थना का जवाब मिल गया है। जहां तक अपना सर्वश्रेष्ठ समय गंवाने की बात है, तो मैं जानता था कि समय महज एक संख्या है। उस क्षण सहानुभूति दिखाना और अजय की मदद करना ही सही काम था। अजय भी उतने ही श्रेय के हकदार हैं। उन्होंने उस दिन अद्भुत ताकत और धैर्य दिखाया। मैराथन पूरी करने के लिए संघर्ष करते हुए उन्होंने आगे बढ़ते रहने की ताकत जुटाई। विश्व एथलेटिक्स के अध्यक्ष सेबेस्टियन को ने कहा, मुझे खुशी है कि हमारा खेल निष्पक्ष खेल और आपसी सौहार्द के ऐसे सार्वजनिक क्षणों को लगातार पहचान दे रहा है। अपनी ही दौड़ के प्रयासों के प्रभावों से जूझते हुए किसी अन्य धावक की इस तरह मदद करना सच्ची खेल भावना की पहचान है। अंतरराष्ट्रीय फेयर प्ले समिति के अध्यक्ष सुनील सभरवाल ने कहा, खेल उन लोगों का उत्सव मनाता है, जो मानवीय प्रदर्शन की सीमाओं को आगे बढ़ाते हैं। निष्पक्ष खेल उन लोगों का सम्मान करता है, जो मानवीय व्यवहार के मानकों को ऊंचा उठाते हैं। वर्ष 2003 से विश्व एथलेटिक्स के साथ हमारी साझेदारी यह सुनिश्चित करने का प्रयास कर रही है कि इन दोनों को उनका उचित सम्मान मिले। हम इस वर्ष के असाधारण नामांकित लोगों की सराहना करते हैं और विजेताओं को हार्दिक बधाई देते हैं। अंतरराष्ट्रीय फेयर प्ले समिति अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति से मान्यता प्राप्त संगठन है। इसकी स्थापना 1963 में यूनेस्को और प्रमुख अंतरराष्ट्रीय खेल शासी निकायों ने की थी। छह दशकों से अधिक समय से यह समिति खेल नैतिकता की वैश्विक संरक्षक के रूप में काम कर रही है।

कैंसर जागरूकता में ग्रेस कैंसर फाउंडेशन के 13 वर्ष पूरे

130 देशों में 1.5 करोड़ लोगों तक पहुंच, मोबाइल स्क्रीनिंग से 10 लाख से अधिक लोगों की जांच

हैदराबाद, 27 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

कैंसर के प्रति जागरूकता, शीघ्र पहचान, उपचार, पुनर्वास एवं अनुसंधान के क्षेत्र में कार्यरत हैदराबाद की गैर-लाभकारी संस्था ग्रेस कैंसर फाउंडेशन ने अपनी स्थापना के 13 वर्ष पूरे होने पर जुबली समारोह का आयोजन जुबली हिल्स स्थित होटल दासपल्ला के फोरम हॉल में किया।

समारोह में आंध्र प्रदेश एवं तेलंगाना के आयकर विभाग के प्रधान मुख्य आयुक्त श्री सुरेश बाथिनी (आईआरएस) मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने कैंसर की समय रहते जांच कराने के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि शुरुआती स्तर पर कैंसर का पता लगने से अनेक लोगों की जान बचाई जा सकती है। उन्होंने कहा कि कई लोग स्वस्थ होने की धारणा के चलते जांच कराने से बचते हैं तथा बुरी खबर मिलने के डर से स्क्रीनिंग नहीं करवाते। उन्होंने निष्क्रिय धूम्रपान (पैसिव स्मोकिंग) को भी स्वास्थ्य के लिए उतना ही हानिकारक बताते हुए इस पर ध्यान देने की आवश्यकता जताई। उन्होंने कहा कि सामाजिक सेवा करना आसान नहीं है।

न्यू जर्सी, अमेरिका स्थित मूवर्स डॉट कॉम के सीईओ श्री विद्याधर गरापति सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि लोगों को कैंसर की रोकथाम के लिए जांच कराने हेतु प्रेरित करना एक बड़ी चुनौती है।

ग्रेस कैंसर फाउंडेशन के संस्थापक डॉ. चिन्नाबाबू सुनकवल्ली ने बताया कि वर्ष 2013 में स्थापित संस्था ने पिछले 13 वर्षों में 130 देशों के 1.5 करोड़ से अधिक लोगों तक पहुंच बनाकर कैंसर



जागरूकता एवं शीघ्र पहचान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। संस्था के मोबाइल कैंसर स्क्रीनिंग अभियान के माध्यम से भारत के ग्रामीण एवं सुविधाओं से वंचित क्षेत्रों में 10 लाख से अधिक लोगों की कैंसर तथा अन्य गैर-संचारी रोगों की जांच की जा चुकी है।

वर्ष 2026 में आयोजित ग्लोबल ग्रेस कैंसर रन में लगभग तीन लाख लोगों ने भाग लिया। संस्था ने हाल ही में नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के सोशल स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध होकर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की। सार्वजनिक निर्गम के माध्यम से जीरो कूपन जीरो प्रिंसिपल इंस्ट्रूमेंट्स से एक करोड़ रुपये जुटाए गए। यह निर्गम ओवरसब्सक्राइब हुआ, जो संस्था के सामाजिक स्वास्थ्य अभियान के प्रति लोगों की उत्साहजनक भागीदारी को दर्शाता है।

इस राशि से उत्तर तेलंगाना के सुविधाओं से वंचित समुदायों में 10,000 कैंसर जांच कराने का लक्ष्य रखा गया है।

ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंचाने की योजना

संस्था ने ईक्यूयूआईपीपीपी के साथ कॉन्स्टिट्यूएंसी डेवलपमेंट फ्रेमवर्क के अंतर्गत सहयोग कर तेलंगाना की दो विधानसभा क्षेत्रों में कैंसर स्क्रीनिंग एवं शीघ्र पहचान कार्यक्रम शुरू करने की पहल की है। इसके तहत विकाराबाद जिले के कोडंगल और पेद्दापल्ली जिले के मंथनी को पायलट क्षेत्र के रूप में चुना गया है। इस पहल का उद्देश्य ग्रामीण समुदायों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना, जागरूकता बढ़ाना तथा समय पर बीमारी का निदान सुनिश्चित करना है।

वर्ष 2027 में संस्था तेलंगाना से बाहर गुजरात, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर एवं हरियाणा में भी मोबाइल कैंसर जांच अभियान शुरू करने की योजना बना रही है, ताकि दूरदराज एवं सुविधाओं से वंचित क्षेत्रों के लोगों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाई जा सकें।

डॉ. चिन्नाबाबू सुनकवल्ली, संस्थापक एवं वरिष्ठ सलाहकार रोबोटिक सर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट ने कहा कि एक सर्जन के रूप में ऑपरेशन थिएटर में एक समय में केवल एक मरीज का उपचार किया जा सकता है, लेकिन निवारक स्वास्थ्य सेवाओं, शीघ्र पहचान एवं व्यापक जांच अभियानों के माध्यम से लाखों लोगों तक पहुंचकर उन्हें ऑपरेशन की नौबत आने से बचाया जा सकता है। इससे एक चिकित्सक के सेवा प्रभाव को कई गुना बढ़ाया जा सकता है।

संस्था अपने 14वें वर्ष में प्रवेश करते हुए प्रिवेंटिव हेल्थ मिशन के तहत कार्यक्षमता एवं स्वास्थ्य कार्यक्रमों का विस्तार करने की तैयारी कर रही है। भविष्य की योजनाओं में प्रिवेंटिव ऑन्कोलॉजी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित मोबाइल कैंसर जांच इकाइयों की तैनाती, कैंसर एवं अन्य गैर-संचारी रोगों की स्क्रीनिंग का विस्तार, ग्रामीण क्षेत्रों के लिए डिजिटल हेल्थ प्लेटफॉर्म विकसित करना तथा निवारक कैंसर चिकित्सा अनुसंधान में सहयोग मजबूत करना शामिल है।

ग्रेस कैंसर फाउंडेशन ने देश के विभिन्न राज्यों एवं सुविधाओं से वंचित समुदायों तक निवारक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के अपने अभियान को और व्यापक बनाने का लक्ष्य रखा है।

'ऑडिट दिवस' समारोह में सीसीआरएएस-एनआईआईएमएच की सक्रिय भागीदारी



हैदराबाद, 26 नवंबर (शुभ लाभ)।

आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान (सीसीआरएएस-एनआईआईएमएच), हैदराबाद ने प्रधान महालेखापरीक्षक कार्यालय, हैदराबाद द्वारा आयोजित राष्ट्रव्यापी 'ऑडिट दिवस' समारोह में 26 नवंबर 2026 को कार्यालय परिसर, हैदराबाद में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

यह कार्यक्रम वर्ष 1860 में भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक कार्यालय में प्रथम महालेखापरीक्षक के पदभार ग्रहण करने की ऐतिहासिक स्मृति में आयोजित किया गया। समारोह के अंतर्गत लेखापरीक्षा इकाइयों की गतिविधियों, उत्पादों एवं नई पहलों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से प्रदर्शनी एवं स्टॉल लगाए गए।

इस अवसर पर सीसीआरएएस-एनआईआईएमएच, हैदराबाद का प्रतिनिधित्व प्रभारी सहायक निदेशक डॉ. जी. पी. प्रसाद, अनुसंधान अधिकारी (आयुर्वेद) डॉ. संतोष माने तथा पुस्तकालय एवं सूचना सहायक श्री के. श्रीनिवास राव ने किया। संस्थान की ओर से प्रातः 10 बजे से शाम 5:45 बजे तक आकर्षक एवं ज्ञानवर्धक आयुर्वेद प्रदर्शनी स्टॉल लगाया गया।

प्रदर्शनी स्टॉल के माध्यम से सीसीआरएएस एवं एनआईआईएमएच द्वारा प्रकाशित शोध ग्रंथों, मोनोग्राफ तथा ऐतिहासिक चिकित्सा साहित्य का प्रदर्शन एवं विक्रय किया गया। घरेलू औषधीय वाटिका एवं प्राथमिक स्वास्थ्य जागरूकता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से अधिकारियों तथा दर्शकों को औषधीय पौधों का निःशुल्क वितरण भी किया गया।

इसके साथ ही सीसीआरएएस एवं एनआईआईएमएच के अनुसंधान मंडलों, डिजिटल पोर्टलों तथा जनस्वास्थ्य संबंधी पहलों की जानकारी देने वाले सूचना, शिक्षा एवं संचार (आईईसी) ब्रोशर तथा पुस्तिकाओं का वितरण किया गया।

प्रदर्शनी स्टॉल को लेखापरीक्षा महानिदेशक (डीजी) हेमा, उप महालेखाकार (डीएजी) अन्नपूर्णा एवं उप महालेखाकार (डीएजी) प्रियंका नायक सहित अन्य अधिकारियों एवं दर्शकों से भरपूर सराहना मिली।

इस सहभागिता के माध्यम से भारत की समृद्ध चिकित्सा संपदा, आयुर्वेदिक ज्ञान, ऐतिहासिक चिकित्सा साहित्य तथा सीसीआरएएस-एनआईआईएमएच के सतत अनुसंधान कार्यों के प्रति व्यापक जागरूकता का प्रसार हुआ।

डेयरी उद्योग में किसानों की समृद्धि जरूरी

हैदराबाद, 28 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हेरिटेज फूड्स लिमिटेड की कार्यकारी निदेशक ब्राह्मणी नारा ने कहा कि भारतीय डेयरी उद्योग ने पिछले दशक में उल्लेखनीय प्रगति की है। वर्ष 2024-25 में दूध उत्पादन बढ़कर 247.87 मिलियन टन हो गया है। उद्योग की भविष्य की सफलता केवल उत्पादन बढ़ाने पर नहीं, बल्कि पशुपालकों की उत्पादकता, दूध प्रसंस्करण और संपूर्ण डेयरी व्यवस्था की दक्षता सुधारने पर निर्भर करेगी।

उन्होंने कहा कि डेयरी किसानों, विशेषकर महिला पशुपालकों, को



तकनीक, पशु चिकित्सा सहायता, गुणवत्तापूर्ण संसाधनों एवं बेहतर बाजार सुविधाएं उपलब्ध कराना आवश्यक है।

राष्ट्रीय दुग्ध दिवस पर डॉ. वर्गीज कुरियन की किसान-केंद्रित विचारधारा को याद करते हुए उन्होंने कहा कि किसानों की समृद्धि और उपभोक्ताओं की गुणवत्ता, पोषण एवं नवाचार संबंधी अपेक्षाओं के बीच संतुलन ही भारतीय डेयरी उद्योग की भविष्य की प्रतिस्पर्धात्मकता सुनिश्चित करेगा।

बेगम बाजार में राधे-राधे ग्रुप की नियमित अन्नसेवा

हैदराबाद। हैदराबाद राधे-राधे ग्रुप के तत्वावधान में शुक्रवार को बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ग्रुप के सदस्यों ने सेवा, समर्पण और सहयोग की भावना के साथ जरूरतमंदों को भोजन वितरित कर मानव सेवा का संदेश दिया।

कार्यक्रम के दौरान अन्नसेवा के महत्व को बताते हुए कहा गया कि भूखे को भोजन कराना सबसे बड़ा पुण्य और मानव सेवा का श्रेष्ठ माध्यम है। निस्वार्थ भाव से की गई सेवा में ही सच्ची आत्मसंतुष्टि और ईश्वर की आराधना निहित है। राधे-राधे ग्रुप का उद्देश्य बिना किसी जाति, धर्म और भेदभाव के जरूरतमंदों की सेवा करना तथा समाज में प्रेम, सद्भाव और सहयोग की भावना को बढ़ावा देना है।

इस अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल, राजेश सर (योग), अरुण विजयवर्गीय, शर्मिला अग्रवाल एवं लता गोयल सहित राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के अनेक सदस्य उपस्थित रहे और सभी ने अन्नसेवा कार्य में उत्साहपूर्वक सहयोग प्रदान किया।



प्रथम पृष्ठ का शेष...

दूर बाधा...

परिसीमन और महिला आरक्षण विधेयक पर दक्षिण की राजनीति में बदलाव साफ दिखने लगा है। पहले परिसीमन विधेयक का मुखर विरोध करने वाली डीएमके के सुर अब नरम पड़ते दिखाई दे रहे हैं। डीएमके नेताओं ने संकेत दिया है कि यदि नए विधेयक में राज्यों की चिंताओं और उनके प्रतिनिधित्व के अनुपात को सुरक्षित रखा जाता है, तो पार्टी विधेयक का मसौदा देखने के बाद समर्थन पर विचार कर सकती है।

बीआरएस की ओर से भी दक्षिण की 24 प्रतिशत हिस्सेदारी बनाए रखने के फॉर्मूले पर सकारात्मक रुख दिखाए जाने से सरकार की उम्मीदें बढ़ गई हैं। डीएमके प्रमुख एम.के. स्टालिन ने परिसीमन को लेकर बड़ा बयान दिया है। स्टालिन ने कहा कि डीएमके अपने रुख पर अडिग है। उन्होंने कहा कि आज भी वह अपनी बात पर कायम हैं कि लोकसभा में तमिलनाडु की मौजूदा 7.18 प्रतिशत सीटों की हिस्सेदारी कम नहीं होनी चाहिए।

क्या है दक्षिण भारत को साधने वाला नया फॉर्मूला?

परिसीमन को लेकर तमिलनाडु, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और केरल जैसे दक्षिणी राज्यों की सबसे बड़ी चिंता यह थी कि 2026 की जनगणना के आधार पर सीटें तय होने पर उत्तर भारत के राज्यों का दबदबा बढ़ जाएगा और दक्षिण की हिस्सेदारी घट जाएगी।

माना जा रहा है कि अब सरकार दक्षिण के राजनीतिक दलों को साधने के लिए भरोसा दे रही है कि उनके साथ अन्याय नहीं होगा। सीटों की कुल संख्या में करीब 50 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी (करीब 815 से 850 सीटें) करने के साथ-साथ मौजूदा प्रतिनिधित्व के अनुपात को सुरक्षित रखने के फॉर्मूले पर आगे बढ़ रही है। इसके अलावा सीटों का परिसीमन 2011 की जनगणना के आधार पर होगा।

टीडीपी-जेडीएस पहले ही सरकार के साथ

दक्षिण भारत के दो बड़े दल टीडीपी और जेडीएस पहले से ही सरकार के साथ खड़े हैं। कर्नाटक में राजनीतिक आधार रखने वाली जेडीएस एनडीए का हिस्सा है और सरकार में शामिल है। जेडीएस पहले भी सरकार के साथ परिसीमन विधेयक पर खड़ी रही है।

वहीं, आंध्र प्रदेश में राजनीतिक आधार रखने वाली चंद्रबाबू नायडू की पार्टी भी एनडीए का हिस्सा है। आंध्र प्रदेश में गठबंधन की सरकार है। इसके अलावा टीडीपी केंद्र सरकार में भी शामिल है और टीडीपी कोटे से मंत्री हैं। अप्रैल में सरकार परिसीमन और महिला आरक्षण विधेयक लेकर आई थी, तब भी टीडीपी ने सरकार का समर्थन किया था। मोदी सरकार के साथ टीडीपी और पवन कल्याण की पार्टी जन-सेना भी है।

महिला आरक्षण...

जयराम रमेश और के.सी. वेणुगोपाल भी शामिल हुए। लोकसभा में पार्टी के उपनेता गौरव गोगोई और मुख्य सचेतक के. सुरेश समेत कई अन्य नेता भी बैठक में मौजूद थे।

बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए गौरव गोगोई ने बताया कि पार्टी के वरिष्ठ सांसदों के बीच इस मुद्दे पर चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि दूसरे विपक्षी दलों के साथ शनिवार को एक संयुक्त बैठक भी बुलाई गई है।

गोगोई के मुताबिक, कांग्रेस बार-बार अपनी तीन मांगें उठा चुकी है। पहली, लोकसभा की मौजूदा सदस्य संख्या बनी रहे। दूसरी, महिला आरक्षण इसी संख्या पर लागू हो। तीसरी, राज्यवार सीटों का मौजूदा बंटवारा अगले 25 साल तक कायम रहे।

गोगोई ने कहा कि महिला आरक्षण की आड़ में मोदी और शाह परिसीमन कराना चाहते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पहले विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के जरिए यह तय किया जाता था कि कौन वोट देगा और कौन नहीं, और अब परिसीमन के जरिए यह तय होगा कि लोग कहां वोट दे सकते हैं और कहां नहीं।

चुनाव आयोग को लेकर भी भाजपा पर निशाना

कांग्रेस नेता ने चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए। गोगोई ने कहा कि भाजपा ने आयोग को कठपुतली की तरह इस्तेमाल किया है, तो क्या ऐसे में परिसीमन से न्याय की उम्मीद की जा सकती है? उन्होंने पूछा कि जो पार्टी मतदाता सूचियों में हेरफेर करती है, क्या वह लोगों की भलाई के बारे में सोच सकती है?

उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि जिन्होंने चुनाव आयुक्तों को छूट देने वाला विधेयक पारित कराने के लिए 140 से अधिक सदस्यों को निलंबित करा दिया, क्या उन पर भरोसा किया जा सकता है?

गोगोई का आरोप है कि भाजपा की मंशा संविधान बदलने की है। उन्होंने कहा कि भाजपा को संविधान बदलने के लिए 400 सीटें चाहिए थीं और अब परिसीमन के जरिए सीटों की संख्या बढ़ाकर वह फिर वही कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस दूसरे दलों के साथ मिलकर इसका विरोध करेगी। पार्टी अभी दूसरे दलों से बातचीत कर रही है और आगे भी करती रहेगी।

प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में महिला आरक्षण कानून को जल्द लागू करने के लिए परिसीमन से जुड़े संविधान संशोधन विधेयक को मंजूरी दी गई। सरकार ने चार दिन का विशेष सत्र बुलाया है। लोकसभा में यह सत्र 30 नवंबर और 1 दिसंबर को चलेगा, जबकि राज्यसभा में 2 और 3 दिसंबर को बैठक होगी।

संसद की कार्यवाही 3 दिसंबर को समाप्त हो जाएगी, हालांकि यह सरकारी कामकाज की जरूरतों पर निर्भर करेगा। यह विशेष बैठक मानसून सत्र का ही विस्तार होगी। संसद को 13 अगस्त को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित किया गया था, लेकिन सत्रावसान नहीं हुआ था। सत्रावसान का मतलब सत्र का औपचारिक रूप से समाप्त होना होता है।

आधी आबादी...

राज्यों की विधानसभाओं और केंद्र शासित प्रदेशों की विधानसभाओं में महिलाओं को एक-तिहाई आरक्षण तुरंत प्रभाव से देना है। इसमें अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की महिलाएं भी शामिल हैं। यह सब परिसीमन की प्रक्रिया के जरिए किया जाएगा।

सीटें 50 फीसदी क्यों बढ़ाई जा रही हैं?

विधेयक में कहा गया है कि परिसीमन के दौरान लोकसभा तथा राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की विधानसभाओं की सीटों में 50 प्रतिशत की बढ़ोतरी की जाएगी। यह वृद्धि परिसीमन से ठीक पहले मौजूद सीटों की संख्या के आधार पर होगी। यानी जिस राज्य में आज जितनी सीटें हैं, उनमें आधी और जोड़ी जाएंगी। यही नियम हर राज्य और केंद्र शासित प्रदेश को मिलने वाली लोकसभा सीटों पर लागू होगा। उनकी विधानसभाओं की सदस्य संख्या भी इसी अनुपात में बढ़ेगी।

विधेयक महिला आरक्षण लागू करने की प्रक्रिया को संवैधानिक व्यवस्था से भी जोड़ता है। इसमें कहा गया है कि लोकसभा और विधानसभाओं में सीटों के बंटवारे में बदलाव होगा तथा परिसीमन आयोग चुनाव क्षेत्रों की सीमाएं दोबारा निर्धारित करेगा। आसान शब्दों में कहें तो नई सीटें बनाई जाएंगी और पुराने चुनाव क्षेत्रों की सीमाएं भी बदलेंगी। इससे महिला आरक्षण लागू करने का रास्ता खुलेगा।

लोकसभा में कितनी सीटें हो सकेंगी?

विधेयक संविधान के अनुच्छेद 81 में बदलाव करना चाहता है। अभी लोकसभा की अधिकतम सदस्य संख्या 550 है। इसे बढ़ाकर 850 करने का प्रस्ताव है। मौजूदा नियमों में राज्यों से चुनकर आने वाले सदस्यों की सीमा 530 है। नए प्रस्ताव में यह सीमा 815 होगी। वहीं केंद्र शासित प्रदेशों के सदस्यों की सीमा अभी 20 है, जो बढ़कर 35 हो जाएगी। इस तरह कुल अधिकतम सदस्य संख्या 850 होगी।

अनुच्छेद 81(1)(ए) और 81(1)(बी) में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के सदस्यों की जो सीमाएं तय हैं, उन्हें इस संशोधन से बदला जाएगा। हालांकि, विधेयक में यह नहीं बताया गया है कि प्रत्येक राज्य या केंद्र शासित प्रदेश को अंततः कितनी सीटें मिलेंगी। इसमें केवल इतना कहा गया है कि परिसीमन के तहत मौजूदा सीटों में 50 प्रतिशत की बढ़ोतरी की जाएगी।

विधानसभाओं की अधिकतम संख्या 650

विधेयक राज्यों की विधानसभाओं की अधिकतम सदस्य संख्या भी बढ़ाना चाहता है। अभी यह सीमा 500 सदस्यों की है। प्रस्ताव के मुताबिक इसे बढ़ाकर 650 किया जाएगा। संविधान के अनुच्छेद 170(1) में कहा गया है कि किसी राज्य की विधानसभा में कम से कम 60 और अधिकतम 500 सदस्य होंगे। ये सदस्य क्षेत्रीय चुनाव क्षेत्रों से सीधे चुने जाते हैं। संशोधन के बाद ऊपरी सीमा 650 हो जाएगी, जबकि न्यूनतम संख्या 60 ही रहेगी।लोकसभा की तरह यहां भी विधेयक कहता है कि प्रत्येक राज्य की विधानसभा में परिसीमन से ठीक पहले जितनी सीटें थीं, उनसे 50 प्रतिशत अधिक सीटें होंगी।

हसीना...

आंदोलन के दौरान प्रदर्शनकारियों पर हुई कार्रवाई के मामले में उन्हें उनकी गैरमौजूदगी में मौत की सजा सुनाई। उन पर मानवता के खिलाफ अपराध के आरोप लगाए गए हैं।

प्रधानमंत्री तारिक रहमान के नेतृत्व वाली बांग्लादेश की बीएनपी सरकार ने शेख हसीना को व्यावसायिक उड़ान से वापस लाने की मांग खारिज कर दी है। सरकार का कहना है कि उन्हें भारतीय अधिकारियों को प्रत्यर्पण यानी कानूनी प्रक्रिया के तहत सौंपना होगा, ताकि वह बांग्लादेश लौटकर अपनी सजा और कानूनी कार्रवाई का सामना करें। इस बीच, अवामी लीग ने शेख हसीना की संभावित वापसी से पहले पूरे बांग्लादेश में अपने समर्थकों को जुटाना शुरू कर दिया है। खास तौर पर उनके गृह जिले गोपालगंज में पार्टी कार्यकर्ता सक्रिय हैं। इस राजनीतिक लामबंदी के दौरान देश के कई हिस्सों में हिंसा, तोड़फोड़ और आगजनी की घटनाएं भी हुई हैं।

ओवैसी...

समाजवादी पार्टी के साथ सीट बंटवारे और सम्मानजनक सीटें मिलने के सवाल पर दिग्विजय सिंह ने कहा कि वह इस पूरी प्रक्रिया में शामिल नहीं हैं। इसलिए उन्हें सीटों के बंटवारे और बातचीत को लेकर कोई जानकारी नहीं है।

राम मंदिर में चंदा चोरी का मुद्दा भी उठाया

दिग्विजय सिंह ने अपनी 'सत्य सनातन स्वाभिमान यात्रा' को जन-जागृति का अभियान बताया। उन्होंने राम मंदिर में चंदा चोरी के मुद्दे का भी जिक्र किया। उनका कहना था कि यात्रा के जरिए सनातन धर्म की मूल भावना, सामाजिक सद्भाव और लोकतांत्रिक मूल्यों को लेकर लोगों को जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म को किसी एक विचारधारा तक सीमित नहीं किया जाना चाहिए।

धर्म की...

यह स्थान दरगाह से कम से कम 50 मीटर की दूरी पर है। साथ ही, अदालत ने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) को मंदिर और दरगाह दोनों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है।

मंदिर ट्रस्ट बोर्ड निलंबित, दो पूर्व जज बने रिसीवर

मामले में सख्ती दिखाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने मंदिर के न्यासी बोर्ड (बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज) को भी निलंबित कर दिया है। मंदिर के प्रशासन और अदालत के आदेशों का पालन सुनिश्चित करने के लिए मद्रास हाई कोर्ट के दो पूर्व न्यायाधीशों को रिसीवर नियुक्त किया गया है।

विजय सनातन...

उन्होंने कहा कि एक घंटे पहले सर्वोच्च न्यायालय ने तमिलनाडु के सरकारी अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई है, क्योंकि उन्होंने प्रथम दृष्टया जानबूझकर सुप्रीम कोर्ट के आदेशों की अवहेलना की है।

जोसेफ विजय-राहुल गांधी ने हिंदुओं के अधिकारों का उल्लंघन किया

गौरव भाटिया ने कहा कि ऐसा क्यों है कि चाहे राहुल गांधी हों या जोसेफ विजय, उन्हें ऐसा लगता है कि संविधान के अनुच्छेद 25 और 26 के तहत हिंदुओं को कोई अधिकार नहीं मिले हैं? जब वे इन अधिकारों का उल्लंघन करते हैं, तो सुप्रीम कोर्ट के अनुसार, वे दो गंभीर गलतियां करते हैं।

पहली, उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के आदेश का उल्लंघन किया है, जिसका मतलब है कि उन्हें देश की सर्वोच्च अदालत में कोई भरोसा नहीं है। दूसरी, उन्होंने हर हिंदू को संविधान के मौलिक अधिकारों वाले अध्याय के अनुच्छेद 25 और 26 के तहत मिले अधिकारों का उल्लंघन किया है। भाजपा प्रवक्ता के अनुसार, इससे स्पष्ट होता है कि वे हिंदू विरोधी हैं।

कार्तिगई दीपम विवाद क्या है?

कार्तिगई दीपम विवाद तमिलनाडु के मदुरै में स्थित तिरुपरंकुंद्रम की पहाड़ी पर पारंपरिक दीपक जलाने के स्थान को लेकर चल रहा धार्मिक, कानूनी और राजनीतिक विवाद है। दशकों से यह दीपक उच्ची पिल्लैयार मंदिर के पास 'दीपा मंडपम' में जलाया जाता रहा है, जबकि हिंदू संगठनों ने इसे ऊंचाई पर स्थित 'दीपाथून' नामक पत्थर के स्तंभ पर जलाने की मांग की है।

कार्तिगई दीपम विवाद पर सुप्रीम कोर्ट ने क्या कहा?

वहीं, कार्तिगई दीपम विवाद में 24 नवंबर को मदुरै की तिरुपरंकुंद्रम पहाड़ी स्थित 'दीपथून' स्तंभ पर दीपक न जलाए जाने पर सुप्रीम कोर्ट ने कड़ी फटकार लगाते हुए मंदिर ट्रस्टी बोर्ड को निलंबित कर दिया और अधिकारियों को अवमानना नोटिस जारी किया। इसके साथ ही 28 नवंबर को दीपक जलाने का निर्देश दिया है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शनिवार, 28 नवंबर , 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

तंत्रिका कोशिकाओं में पुनर्जनन की संभावना को जीवित रखने में अहम भूमिका निभा रहा पीएटीजेड1 प्रोटीन

हैदराबाद, 27 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मनुष्यों और अन्य स्तनधारियों की तंत्रिका कोशिकाओं (न्यूरॉन्स) तथा मछलियों और उभयचरों के न्यूरॉन्स के बीच एक उल्लेखनीय अंतर पाया जाता है। मछलियों और उभयचरों में चोट लगने के बाद क्षतिग्रस्त न्यूरॉन्स जीवनभर पुनः विकसित हो सकते हैं। इसके विपरीत, स्तनधारियों में न्यूरॉन्स के नए तंत्रिका तंतु विकसित करने की क्षमता केवल कम उम्र तक ही सक्रिय रहती है। उम्र बढ़ने के साथ यह क्षमता धीरे-धीरे कम होती जाती है।

इसका अर्थ है कि वयस्क अवस्था में मस्तिष्क और मेरुरज्जु (स्पाइनल कॉर्ड) में तंत्रिका कोशिकाओं को चोट



लगने पर व्यक्ति स्थायी रूप से दिव्यांग हो सकता है। वर्तमान में ऐसी चोटों का कोई प्रभावी उपचार उपलब्ध नहीं है। युवा और वयस्क न्यूरॉन्स की पुनः विकसित होने की क्षमता में एक प्रमुख अंतर इस बात पर निर्भर करता है कि स्तनधारियों की कोशिकाओं में डीएनए के कौन-से जीन सक्रिय होकर अभिव्यक्त हो सकते हैं। विकास के लिए आवश्यक जीन वयस्क न्यूरॉन्स में भी मौजूद होते हैं, लेकिन वे कसकर पैक हो जाने के कारण निष्क्रिय हो जाते हैं और उन तक पहुंच पाना संभव नहीं होता। हैदराबाद स्थित सीए-सआईआर-कोशिकीय एवं आणविक जीवविज्ञान केंद्र (सीसीएमबी) में डॉ. ईश्वरीया वेंकटेश चूहों की रीढ़ की हड्डी के न्यूरॉन्स में इन बदलावों का आनुवंशिक स्तर पर अध्ययन कर रही हैं। उनकी प्रयोगशाला ने पहले ही पीएटीजेड1 की भूमिका के बारे में बताया था। यह एक ऐसा प्रोटीन है, जो स्तनधारियों में जीन की गतिविधि को नियंत्रित करता है। यह प्रोटीन युवा न्यूरॉन्स में प्रचुर मात्रा में पाया जाता है, जबकि परिपक्व न्यूरॉन्स में इसका स्तर कम हो जाता है। यह प्रोटीन क्षतिग्रस्त कॉर्टिकोस्पाइनल न्यूरॉन्स (स्वैच्छिक गति को नियंत्रित करने वाले न्यूरॉन्स) में पुनर्जनन से संबंधित जीनों की अभिव्यक्ति में सहायता करता है। 'कम्युनिकेशंस बायोलॉजी' में प्रकाशित उनके नए अध्ययन में बताया गया है कि पीएटीजेड1 यह कार्य कैसे करता है। प्रत्येक कोशिका के भीतर डीएनए न्यूक्लियोसोम नामक प्रोटीन इकाइयों के चारों ओर लिपटा रहता है। जहां न्यूक्लियोसोम सघन रूप से व्यवस्थित होते हैं, वहां मौजूद जीनों को पढ़ा नहीं जा सकता। परिपक्व न्यूरॉन्स में पुनर्जनन को संचालित करने वाले जीन ऐसे ही सघन रूप से पैक किए गए क्षेत्रों में स्थित होते हैं।

डॉ. वेंकटेश ने कहा, हमने कोशिका के डीएनए में न्यूक्लियोसोम का मैप किया और पाया कि पीएटीजेड1 सक्रिय रूप से उन क्षेत्रों से न्यूक्लियोसोम को हटाता है, जो पुनर्जनन से संबंधित जीन को नियंत्रित करते हैं। इस प्रकार, वयस्क न्यूरॉन्स में दोबारा विकसित होने की क्षमता निष्क्रिय अवस्था में बनी रहती है। पीएटीजेड1 में बदलाव करके इन न्यूरॉन्स को फिर से ऐसी अवस्था में लाया जा सकता है, जिसमें वे पुनर्जनन करने में सक्षम हों।

इस शोध के आधार पर पीएटीजेड1 को तंत्रिका कोशिकाओं के पुनर्जनन (न्यूरोनल ग्रोथ) के लिए एक संभावित उपचारात्मक लक्ष्य के रूप में देखा जा सकता है। डॉ. वेंकटेश ने आगे कहा, हालांकि, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि पीएटीजेड1 कोशिकाओं के विकास के अनुकूल परिस्थितियां तैयार करता है, लेकिन स्वयं विकास को प्रेरित करने में सक्षम नहीं है। इसलिए, अधिकतम प्रभावशीलता प्राप्त करने के लिए इसे पुनर्जनन को बढ़ावा देने वाले अन्य कारकों के साथ संयोजित करना आवश्यक होगा।



'साथी हाथ बढ़ाना' संस्था द्वारा विद्यालयों एवं आंगनवाड़ी केंद्रों में सेवा कार्य

हैदराबाद, 27 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। साथी हाथ बढ़ाना संस्था द्वारा संस्थापक श्री रामगोपाल गुप्ता के नेतृत्व में विभिन्न विद्यालयों एवं आंगनवाड़ी केंद्रों में विद्यार्थियों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए उपयोगी सामग्री वितरण के सेवा कार्य किए गए।

इस सेवा अभियान के अंतर्गत सर्वप्रथम बड़ी चावड़ी, नया बाजार स्थित सरकारी विद्यालय में 100 हाईस्कूल विद्यार्थियों को भोजन करने हेतु पातियाँ, लंबी नोटबुक, पेंसिल एवं रबर प्रदान किए गए। साथ ही बच्चों के लिए खारा-मीठा अल्पाहार की भी समुचित व्यवस्था की गई। विद्यालय के आचार्य जी ने संस्था के सदस्यों के इस सराहनीय सेवा कार्य की प्रशंसा करते हुए उन्हें हार्दिक शुभकामनाएं दीं तथा भविष्य में भी इसी प्रकार सेवा कार्य निरंतर करते रहने के लिए प्रेरित किया।



इसी क्रम में संस्था द्वारा भारत अभ्युदय प्राइमरी स्कूल, जियागुड़ा में 50 बच्चों को नोटबुक, पेंसिल, रबर एवं बैठने के लिए पातियाँ भेंट की गईं। विद्यार्थियों के लिए अल्पाहार की भी व्यवस्था की गई, जिसका सभी बच्चों ने आनंदपूर्वक लाभ लिया।

इसके अतिरिक्त, रामकोट स्थित आंगनवाड़ी केंद्र में 15 बच्चों को भोजन करने हेतु प्लेटें एवं लंच मैट प्रदान किए गए। विद्यालय के आचार्य जी एवं स्टाफ सदस्यों ने संस्था के इन सेवा कार्यों की सराहना करते हुए सभी सदस्यों के प्रति हार्दिक शुभकामनाएं व्यक्त कीं।

उपरोक्त सभी सेवा कार्यों में आर्थिक सहयोग प्रदान करने वाले दानदाताओं में श्री रामगोपाल एवं श्रीमती मंजेश्वरी गुप्ता, श्रीमती पुष्पा गुप्ता, श्री शुभम गुप्ता, श्री किशनलाल एवं श्रीमती आशा संघी, श्री गोविंदलाल एवं श्रीमती आरती अग्रवाल, श्री गणेशलाल एवं श्रीमती राखी अग्रवाल, श्री दिनेश एवं श्रीमती सरला अग्रवाल तथा श्रीमती अरुणा अग्रवाल का विशेष योगदान रहा।

साथी हाथ बढ़ाना संस्था ने सभी सहयोगकर्ताओं के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया। संस्था ने संकल्प व्यक्त किया कि भविष्य में भी गौशालाओं, विद्यालयों एवं अन्य जरूरतमंद स्थानों पर आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराने सहित विभिन्न सेवा कार्य निरंतर जारी रखे जाएंगे।

सेवा, सहयोग एवं संवेदना के इसी भाव के साथ साथी हाथ बढ़ाना संस्था समाजहित में निरंतर अग्रसर है।

श्रीमती संतोष गुप्ता के 75वें जन्मदिन पर अन्नसेवा, राधे-राधे ग्रुप ने जरूरतमंदों को कराया भोजन

हैदराबाद। सेवा, समर्पण और मानवता की भावना को आत्मसात करते हुए हैदराबाद राधे-राधे ग्रुप के तत्वावधान में शुक्रवार को नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265 के पास नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्रीमती संतोष गुप्ता के 75वें जन्मदिन के शुभ अवसर को सेवा और परोपकार से जोड़ते हुए विशेष अन्नसेवा की गई। जन्मदिन की खुशियों को जरूरतमंदों के साथ साझा करने के उद्देश्य से आयोजित इस सेवा कार्य में लोगों को भोजन वितरित किया गया।

यह विशेष अन्नसेवा इंदरलाल बाल मुकुंद जेम्स एंड ज्वेल्स, रोड नंबर 10, बंजारा हिल्स की ओर से श्रीमती संतोष गुप्ता के 75वें जन्मदिन के उपलक्ष्य में मधुसूदन जी एवं जितेंद्र कुमार गुप्ता के सहयोग से संपन्न हुई। इस अवसर पर उपस्थित सदस्यों ने श्रीमती संतोष गुप्ता को जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं







शुभकामनाएं देते हुए उनके स्वस्थ, सुखी, समृद्ध एवं दीर्घायु जीवन की मंगलकामना की। सदस्यों ने कहा कि जीवन के 75 वर्ष पूरे करना अपने आप में एक विशेष उपलब्धि है और इस महत्वपूर्ण अवसर पर अन्नदान जैसी पुण्य सेवा करना अत्यंत सराहनीय है।

इस अवसर पर सदस्यों ने कहा कि जन्मदिन केवल उत्सव मनाने या खुशियां बांटने का अवसर नहीं है, बल्कि इसे समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने और जरूरतमंदों के चेहरे पर मुस्कान लाने का माध्यम भी बनाया जा सकता है। जब परिवार की खुशियों में समाज के जरूरतमंद लोगों को भी सहभागी बनाया जाता है, तब उस खुशी का महत्व और अधिक बढ़ जाता है। अन्नदान भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा में सबसे श्रेष्ठ सेवाओं में माना गया है। भूखे व्यक्ति को भोजन कराना केवल उसकी भूख मिटाना नहीं, बल्कि मानवता के प्रति अपने कर्तव्य का निर्वहन करना है।

सदस्यों ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद निरंतर इसी भावना के साथ विभिन्न सेवा केंद्रों पर नियमित अन्नदान के माध्यम से मानव सेवा का कार्य कर रहा है। ग्रुप का मानना है कि सेवा के लिए किसी विशेष अवसर या बड़े आयोजन की आवश्यकता नहीं होती, बल्कि सच्ची भावना, निस्वार्थ समर्पण और दूसरों के प्रति संवेदनशीलता ही सेवा का वास्तविक आधार है। किसी जरूरतमंद के चेहरे पर संतोष और प्रसन्नता लाना ही सेवा कार्यों की सबसे बड़ी सार्थकता है।कार्यक्रम में महेश अग्रवाल, महेश गुप्ता, मनीष गुप्ता, निशा गुप्ता, सुनीता अग्रवाल, प्रीतिका अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, संजय गोयल एवं किरण गोयल सहित राधे-राधे ग्रुप के अनेक सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने इस सेवा कार्य में उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई।

एनआईआईएमएच में जेम पोर्टल पर एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित



हैदराबाद, 27 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान, हैदराबाद (एनआईआईएमएच) द्वारा अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस (जेम) पोर्टल के संचालन एवं उपयोग पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम संस्थान परिसर में प्रभारी सहायक निदेशक डॉ. जी.पी. प्रसाद के मार्गदर्शन में प्रातः 9:30 बजे से शाम 5:30 बजे तक आयोजित हुआ। कार्यक्रम में जेम विशेषज्ञ एवं प्रशिक्षक सुश्री गद्दाम सरिता ने प्रतिभागियों को जेम पोर्टल के संचालन से संबंधित विभिन्न पहलुओं की विस्तृत जानकारी दी तथा व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जेम पोर्टल से जुड़े कार्यों में संलग्न अधिकारियों एवं कर्मचारियों के ज्ञान और परिचालन कौशल को सुदृढ़ करना था, ताकि सरकारी खरीद प्रक्रियाओं एवं दिशा-निर्देशों का समुचित अनुपालन सुनिश्चित किया जा सके। इससे खरीद प्रक्रिया में पारदर्शिता, दक्षता और जवाबदेही को और अधिक मजबूती मिलेगी। इस सफल आयोजन में संस्थान की डॉ. श्रीदेवी (अनुसंधान अधिकारी, आयुर्वेद), डॉ. संतोष माने (अनुसंधान अधिकारी, आयुर्वेद), डॉ. बिश्वरंजन दास (अनुसंधान अधिकारी, होम्योपैथी), डॉ. सत्यव्रत नंद (अनुसंधान सहायक, संस्कृत), सुश्री वर्षा कुमारी (पुस्तकालय एवं सूचना सहायक) तथा श्री के. श्रीनिवास राव (पुस्तकालय एवं सूचना सहायक) सहित संपूर्ण अनुसंधान दल एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

केबीआर पार्क पर राधे-राधे ग्रुप ने की नियमित अन्नसेवा



हैदराबाद। हैदराबाद राधे-राधे ग्रुप के तत्वावधान में शुक्रवार को इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास स्थित केबीआर पार्क में नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ग्रुप के सदस्यों ने पूरे सेवाभाव, श्रद्धा और समर्पण के साथ जरूरतमंदों को अन्नसेवा प्रदान की।

इस अवसर पर भंवरलाल गुप्ता, सुभाष अग्रवाल एवं कमल मूंदड़ा सहित राधे-राधे ग्रुप के अनेक सदस्य उपस्थित रहे और सेवा कार्य में सक्रिय सहभागिता निभाई। सभी सदस्यों ने मिलकर अन्नसेवा के इस पुनीत कार्य को संपन्न किया। इस अवसर पर सदस्यों ने कहा कि अन्नदान केवल भोजन उपलब्ध कराने का माध्यम नहीं, बल्कि मानवता के प्रति प्रेम, करुणा और संवेदनशीलता प्रकट करने का श्रेष्ठ कार्य है। किसी जरूरतमंद की भूख मिटाना सबसे बड़ा पुण्य है। समाज में ऐसे सेवा कार्यों से आपसी सद्भाव, सहयोग और मानवीय मूल्यों को मजबूती मिलती है। राधे-राधे ग्रुप का उद्देश्य बिना किसी भेदभाव के नियमित रूप से सेवा कार्यों के माध्यम से जरूरतमंदों की सहायता करना और समाज में निस्वार्थ सेवा की भावना को प्रोत्साहित करना है। ग्रुप के सदस्यों ने संकल्प व्यक्त किया कि सेवा, समर्पण और सहयोग की इसी भावना के साथ अन्नसेवा का यह क्रम निरंतर जारी रहेगा।

अग्रवाल समाज जैक कॉलोनी, सनतनगर शाखा का दिवाली मिलन एवं अन्नकूट संपन्न



हैदराबाद, 27 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज, जैक कॉलोनी, सनतनगर शाखा की ओर से दिवाली मिलन एवं अन्नकूट कार्यक्रम का आयोजन 24 दिसंबर को क्लब हाउस, लोढ़ा, सनतनगर में बड़े ही धूमधाम और उत्साह के साथ किया गया।

कार्यक्रम में शाखा अध्यक्ष शशि कुमार जालान, उपाध्यक्ष पवन कुमार गोयल, मानद मंत्री आनंद ककरनिया, सहमंत्री नरेश बंसल, कोषाध्यक्ष दीपक कुमार बंसल, केंद्रीय सदस्य सुरेश धूवलिया, पूर्व अध्यक्ष (आईपीपी) जगदीश तायल, संयोजक ईश्वर बंसल तथा सलाहकार सुनील मित्तल सहित समाज के अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

इस अवसर पर मोतीनगर, एस.आर. नगर, बालानगर एवं लोढ़ा शाखा तथा महिला शाखा के पदाधिकारियों के साथ शाखा की महिलाओं एवं बच्चों ने सपरिवार भाग लिया। सभी ने तंबोला सहित विभिन्न मनोरंजक कार्यक्रमों का आनंद लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ सर्वप्रथम भगवान को प्रसाद का भोग लगाकर किया गया। इसके पश्चात लगभग 300 अग्रबंधुओं ने अन्नकूट प्रसाद ग्रहण किया। अंत में संयोजक ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी समाजबंधुओं एवं सहयोगकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया।



गोशामहल डिवीजन के कॉरपोरेटर श्री लाल सिंह ने बद्री विशाल पन्नालाल पिट्टी ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल द्वारा आयोजित वार्षिक मिलन समारोह में भाग लिया। इस अवसर पर जनस्वास्थ्य एवं स्वच्छता से जुड़ी चिंताओं को ध्यान में रखते हुए उन्होंने श्री रामनवमी स्वागत मंच के तत्वावधान में धूलपेट में आयोजित 169वें चिकित्सा शिविर के लिए ट्रस्ट की सराहना की। उन्होंने ट्रस्ट के पदाधिकारियों से गोशामहल डिवीजन के विभिन्न क्षेत्रों में अधिक से अधिक चिकित्सा शिविर आयोजित करने का आग्रह किया, ताकि स्थानीय निवासियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हो सकें।

हिंदी संचेतना शिविर संपन्न



हैदराबाद, 27 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। केंद्रीय हिंदी संस्थान, हैदराबाद केंद्र द्वारा उस्मानिया विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों के प्रशिक्षण हेतु 16 से 27 नवंबर 2026 तक आयोजित 17वें हिंदी भाषा संचेतना शिविर का समापन समारोह 27 नवंबर को आर्ट्स कॉलेज के कला एवं सामाजिक विज्ञान संकाय में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि उस्मानिया विश्वविद्यालय कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड सोशल साइंसेज के प्राचार्य प्रो. बी. विजया तथा विशिष्ट अतिथि उपप्राचार्या डॉ. स्वाति उपस्थित रहीं। पाठ्यक्रम संयोजक एवं केंद्रीय हिंदी संस्थान, हैदराबाद केंद्र के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. भास्कर कृष्णाजी ठुबे तथा अतिथि प्रवक्ता डॉ. दीपेश व्यास भी मौजूद रहे। दीप प्रज्ज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। वंदेमातरम्, सरस्वती वंदना, संस्थान गीत एवं स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। मेहिदिया फलक ने अतिथियों का स्वागत एवं परिचय दिया।

तेलंगाना विकास के लिए गुजरात मॉडल नहीं, अपनी ऐतिहासिक जल संरक्षण परंपराओं को अपनाएगा : रेवंत रेड्डी



हैदराबाद, 27 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)

मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने शुक्रवार को कहा कि तेलंगाना न तो साबरमती रिवरफ्रंट की नकल करेगा और न ही गुजरात विकास मॉडल का अनुसरण करेगा। राज्य अपने विकास का मार्गदर्शन अपनी ऐतिहासिक विरासत और काकतीय शासकों द्वारा विकसित पारंपरिक जल संरक्षण प्रणालियों से प्राप्त करेगा।

शहर में तेलंगाना जलवायु सम्मेलन-2026 के प्रारंभिक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रेवंत रेड्डी ने काकतीय शासकों रेचारला रुद्रदेव और रानी रुद्रमादेवी के योगदान को याद किया। उन्होंने विशेष रूप से जल संरक्षण और वितरण के लिए विकसित आपस में जुड़ी झीलों की श्रृंखला का उल्लेख किया। उन्होंने आदिवासी नेता कोमाराम भीम के 'जल, जमीन, जंगल' नारे का भी उल्लेख किया।

700 झीलें गायब, खोजने का प्रयास

मुख्यमंत्री ने कहा कि अतिक्रमण तथा शहरी और कॉर्पोरेट विकास के कारण वर्षों में लगभग 700 झीलें गायब हो गई हैं। उनकी सरकार इन झीलों को खोजने के लिए गंभीर प्रयास कर रही है।

जल निकायों से अतिक्रमण हटाने के अभियान का बचाव करते हुए रेवंत रेड्डी ने कहा कि सरकार को आलोचनाओं और कानूनी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, लेकिन प्रभावशाली लोगों को भी नहीं बख्शा जाएगा। उन्होंने कहा, किसी विधायक, सांसद या सेलिब्रिटी को नहीं छोड़ा जाएगा। उनके मकान, समारोह भवन या अन्य निर्माण कानून के अनुसार हटाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि उन्हें कानूनी लड़ाइयों में भी आनंद आता है, क्योंकि उनका मानना है कि वह सही काम कर रहे हैं। उन्होंने बथुकम्माकुंटा झील के पुनरुद्धार का उदाहरण दिया, जहां इस वर्ष महिलाओं ने झील के आसपास बथुकम्मा उत्सव मनाया। उन्होंने शहर के विभिन्न जल निकायों से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई का भी उल्लेख किया।

जल निकायों के पुनरुद्धार अभियान से प्रभावित आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के परिवारों का इंदिरम्मा आवास योजना के तहत पुनर्वास किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ जल निकायों के आसपास प्रदूषण के कारण लोगों का रहना मुश्किल हो गया था। ऐसे प्रभावित परिवारों को सरकार मकान उपलब्ध कराएगी।

नीतिगत निर्णयों में विशेषज्ञों की भागीदारी

पर्यावरणविदों और विशेषज्ञों को नीतियां बनाने में भाग लेने का आमंत्रण देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, आपको निवेश सम्मेलनों और सरकारी कार्यालयों के बाहर खड़े होकर विरोध प्रदर्शन करने की आवश्यकता नहीं है। आगे आइए और हमें अपने सुझाव दीजिए।

रेवंत रेड्डी ने जल संरक्षण के लिए कृषि पद्धतियों में बदलाव करने और किसानों से कम पानी वाली फसलों पर विचार करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि राज्य के पास दो वर्षों के लिए पर्याप्त खाद्यान्न भंडार है, लेकिन उपलब्ध जल संसाधनों का अगली मानसून तक सावधानीपूर्वक प्रबंधन करना आवश्यक है। उन्होंने कहा, हमारे पास जो पानी उपलब्ध है, उसी से अगले आठ महीने गुजारने हैं। राज्य का भविष्य हमारे किसानों के कंधों पर है।

मुख्यमंत्री ने सुझाव दिया कि किसानों को उपलब्ध जल संसाधनों को समाप्त करने के बजाय एक फसल छोड़ने पर भी विचार करना पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य कृषि को 'दंडंगा' (व्यर्थ गतिविधि) नहीं, बल्कि 'पंडुगा' (उत्सव) बनाना है।

जलवायु अनुकूल शहरी नियोजन पर जोर

रेवंत रेड्डी ने शहरी नियोजन में जलवायु संबंधी पहलुओं को शामिल करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि शहरों की जल निकासी और सड़क व्यवस्था केवल 2 सेंटीमीटर बारिश को संभालने के लिए बनाई गई हो, तो दो घंटे में 40 सेंटीमीटर बारिश होने पर शहर बादल फटने जैसी घटनाओं का सामना कैसे कर पाएंगे?

सरकार की विकास योजना का उल्लेख करते हुए उन्होंने कोर अर्बन रीजन इकोनॉमी (सीयूआरई), पेरी-अर्बन रीजन इकोनॉमी (पीयूआरई) और रूरल एग्रीकल्चर रीजन इकोनॉमी (आरएआरई) की अवधारणाओं का उल्लेख किया। उन्होंने सवाल किया कि क्या किसी अन्य राज्य ने इसी तरह की योजना अपनाई है।

उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू द्वारा शिक्षा और कृषि में किए गए निवेश को याद किया। इनमें भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईटी) और भारतीय प्रबंधन संस्थानों (आईआईएम) की स्थापना शामिल है, जिनका लाभ कई पीढ़ियों को मिला है।

रेवंत रेड्डी ने खाद्य पदार्थों में मिलावट से निपटने के लिए टीजी सेफ (टीजी एसएएफई), अतिक्रमण के खिलाफ हाइड्रा (एचवाईडीआरएए) और नशीले पदार्थों के दुरुपयोग पर रोक लगाने के लिए ईगल (ईएजीएलई) जैसी सरकारी पहलों का भी उल्लेख किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि औद्योगिक विकास और पर्यावरण संरक्षण साथ-साथ चलने चाहिए। उन्होंने निवेशकों और विशेषज्ञों से जलवायु के अनुकूल, मजबूत और टिकाऊ तेलंगाना के निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने और इन प्रयासों को राजनीतिक अभियान के रूप में देखे जाने से बचाने के लिए आर्ट ऑफ लिविंग के संस्थापक श्रीश्री रविशंकर तथा जल संरक्षण विशेषज्ञ, 'वॉटरमैन ऑफ इंडिया' और तरुण भारत संघ के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह को आमंत्रित किया गया है।

2029 तक नशामुक्त भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए एकजुट प्रयास जरूरी : किशन रेड्डी

तीन दिवसीय नशाविरोधी पदयात्रा का समापन; युवाओं को देश की सबसे बड़ी संपत्ति बताते हुए जनजागरूकता अभियान को जन आंदोलन बनाने का आह्वान



हैदराबाद, 27 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)

केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2029 तक नशामुक्त भारत के विजन को साकार करने के लिए एकजुट और गैर-राजनीतिक प्रयास करने का आह्वान किया।

अपनी तीन दिवसीय नशाविरोधी पदयात्रा के समापन समारोह को संबोधित करते हुए किशन रेड्डी ने देश के युवाओं को सबसे बड़ी संपत्ति बताया। उन्होंने सूचना प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य सेवा और सेवा क्षेत्र जैसे क्षेत्रों में नवाचार एवं विकास में युवाओं के बढ़ते योगदान का उल्लेख किया।

'नशामुक्त भारत' मिशन की सफलता पर विश्वास व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों, डॉक्टरों, कुलपतियों, महिलाओं और समाज के विभिन्न वर्गों की उत्साहपूर्ण भागीदारी ने नशीले पदार्थों के दुरुपयोग के खिलाफ जागरूकता फैलाने में मदद की है।

केंद्रीय मंत्री ने आध्यात्मिक नेताओं, फिल्म जगत की हस्तियों और नागरिकों का आभार व्यक्त किया, जिन्होंने इस अभियान को जन आंदोलन में बदलने में योगदान दिया।पूर्व राज्यपाल च. विद्यासागर राव ने तीन दिवसीय पदयात्रा के माध्यम से जनप्रतिनिधियों, सामुदायिक नेताओं और ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को एक साथ लाने के लिए किशन रेड्डी की सराहना की। उन्होंने विशेष रूप से महिलाओं सहित अधिक से अधिक लोगों से इस अभियान में भाग लेने और गांवों तथा शहरों को नशे के खतरे से बचाने का आह्वान किया।

मलकाजगिरी सांसद एटेला राजेंद्र ने कहा कि नशे का दुरुपयोग शैक्षणिक संस्थानों तक फैल गया है, जिससे सरकारी प्रयासों के बावजूद अभिभावकों में चिंता बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि 'नशामुक्त भारत' अभियान समाज में नशे के खिलाफ सतर्कता और जागरूकता को लगातार बनाए रखने में मदद करेगा।देश के विकास लक्ष्यों से इस मुद्दे को जोड़ते हुए राजेंद्र ने कहा कि स्वस्थ और उत्पादक युवा आबादी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2047 तक भारत को अग्रणी वैश्विक अर्थव्यवस्था बनाने के विजन को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

रामकृष्ण मठ के अध्यक्ष स्वामी बोधानंद ने शैक्षणिक संस्थानों से विद्यार्थियों में नशीले पदार्थों के सेवन और मोबाइल फोन के अत्यधिक उपयोग, दोनों समस्याओं पर ध्यान देने का आग्रह किया।

स्वामी विवेकानंद के विचारों का उल्लेख करते हुए उन्होंने नैतिक मूल्यों को बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया। विद्यार्थियों को तनाव से उबरने और चरित्र निर्माण के लिए 'खेलो इंडिया' जैसी पहलों के माध्यम से खेलकूद एवं शारीरिक गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया।

प्रख्यात गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट डॉ. डी. नागेश्वर रेड्डी ने चेतावनी दी कि बड़ी संख्या में युवा नशे की लत का शिकार हो रहे हैं, जिससे हृदय, फेफड़े और मस्तिष्क सहित शरीर के महत्वपूर्ण अंगों को गंभीर और कई बार अपरिवर्तनीय क्षति पहुंचती है।

उन्होंने कहा कि नशामुक्ति केंद्रों को भी गंभीर अवस्था में पहुंच चुके मरीजों के उपचार में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने जोर दिया कि रोकथाम ही सबसे प्रभावी उपाय है।

फिल्म अभिनेता चिरंजीवी ने युवाओं से नशे से दूर रहने और अपनी ऊर्जा लक्ष्यों को प्राप्त करने में लगाने की अपील की। फिल्म निर्देशक सुकुमार ने किशन रेड्डी की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने अभियान को जन आंदोलन में बदल दिया है। अभियान का प्रभाव प्रत्यक्ष रूप से देखने के बाद उन्होंने नशे के खिलाफ सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर जोर दिया तथा सिनेमा और अन्य माध्यमों से जागरूकता अभियान चलाने का समर्थन किया।

2050 तक 400 किलोमीटर मेट्रो

हैदराबाद में 400 किलोमीटर मेट्रो नेटवर्क, 368 किलोमीटर एमएमटीएस विस्तार और गोलकोंडा किले तक केबल कार की योजना; शहर की वाहन संख्या 92 लाख के पार

हैदराबाद, 27 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)

वर्ष 2050 तक हैदराबाद में 400 किलोमीटर मेट्रो नेटवर्क, मल्टी-मोडल ट्रांसपोर्ट सिस्टम (एमएमटीएस) सेवाओं का 368 किलोमीटर तक विस्तार और गोलकोंडा किले को जोड़ने वाली प्रस्तावित केबल कार सहित कई महत्वाकांक्षी परिवहन परियोजनाओं की परिकल्पना की गई है।

शहर में वाहनों की संख्या लगभग 92 लाख तक पहुंचने के साथ ही यातायात जाम की समस्या से निपटने और तेजी से बढ़ते महानगरीय क्षेत्र में संपर्क सुविधा बेहतर बनाने के लिए अधिकारी सार्वजनिक परिवहन ढांचे के बड़े विस्तार पर विचार कर रहे हैं।

इन प्रस्तावों पर शुक्रवार को हैदराबाद के टी-हब में आयोजित साइबराबाद मूव्स समिट के दूसरे दिन चर्चा हुई। इस दौरान विशेषज्ञों ने अपनी-अपनी परिवहन योजनाओं का खाका प्रस्तुत किया।

दीर्घकालीन परिवहन योजना में 222 किलोमीटर लाइट रेल ट्रांजिट (एलआरटी) और बस रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (बीआरटीएस) कॉरिडोर, 320 किलोमीटर विशेष बस लेन तथा वर्ष 2050 तक 4,500 किलोमीटर बस मार्ग नेटवर्क शामिल है।

दीर्घकालीन परिवहन विजन प्रस्तुत करते हुए हुम्टा (एचयूएमटीए) के प्रबंध निदेशक जीवन बाबू ने कहा कि हैदराबाद की बढ़ती परिवहन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सार्वजनिक परिवहन नेटवर्क का व्यापक विस्तार जरूरी है।

वर्ष 2050 के प्रस्तावित लक्ष्य इस प्रकार हैं :
मेट्रो रेल नेटवर्क : 400 किलोमीटर
एलआरटी और बीआरटीएस कॉरिडोर : 222 किलोमीटर
विशेष बस लेन : 320 किलोमीटर
एमएमटीएस नेटवर्क : 368 किलोमीटर
बस मार्ग नेटवर्क : 4,500 किलोमीटर
सड़क नेटवर्क : 8,034 किलोमीटर

वर्तमान में हैदराबाद मेट्रो 69 किलोमीटर के नेटवर्क पर संचालित होती है और प्रतिदिन लगभग 4 से 5 लाख यात्रियों को सेवा देती है। एमएमटीएस का नेटवर्क 123 किलोमीटर है और इसमें लगभग 50 हजार यात्री सफर करते हैं, जबकि बसों से प्रतिदिन लगभग 25 लाख यात्रियों को परिवहन सुविधा मिलती है।

कुकटपल्ली को जोड़ने वाली व्यक्तिगत तीव्र परिवहन (पीआरटी) पॉड प्रणाली का प्रस्ताव भी विचाराधीन है। इसके लिए फिलहाल व्यवहार्यता अध्ययन किया जा रहा है।

परिवहन योजना के दिलचस्प प्रस्तावों में गोलकोंडा किले को जोड़ने वाली केबल कार सुविधा भी शामिल है।जीवन बाबू के अनुसार, यह परियोजना विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) के चरण में है। गोलकोंडा किला और कुतुबशाही मकबरों का क्षेत्र लगभग 20 हजार पर्यटकों को आकर्षित करता है, इसलिए बेहतर संपर्क सुविधा महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

योजना में परिवहन टर्मिनलों के आसपास विशेष स्काईवॉक बनाने का प्रस्ताव भी है। इनमें से एक प्रस्ताव जवाहरलाल नेहरू वास्तुकला एवं ललित कला विश्वविद्यालय (जेएनएएफएयू) परिसर को टर्मिनल से जोड़ने का है, जो लगभग 400 मीटर की दूरी पर स्थित है। अन्य पहलों में परिवहन केंद्रों के पास बहुस्तरीय पार्किंग सुविधाएं, 23 किलोमीटर साइकिल ट्रैक का एकीकरण और फ्लाईओवर के नीचे मनोरंजन एवं खेल क्षेत्रों का विकास शामिल है।

क्षेत्रीय नियोजन ढांचे की जानकारी देते हुए जीवन बाबू ने कहा कि तेलंगाना को तीन व्यापक क्षेत्रों में विभाजित किया गया है। इनमें बाहरी रिंग रोड (ओआरआर) के भीतर कोर अर्बन रीजन इकोनॉमी (सीयूआरई), ओआरआर और प्रस्तावित रीजनल रिंग रोड (आरआरआर) के बीच पेरी-अर्बन रीजन इकोनॉमी (पीयूआरई) तथा इसके बाहर ग्रामीण क्षेत्र शामिल हैं।

सीयूआरई क्षेत्र की आबादी लगभग 1.3 करोड़ है।

विस्तारित हैदराबाद महानगर विकास प्राधिकरण (एचएमडीए) क्षेत्र का विस्तार 10,473 वर्ग किलोमीटर हो गया है, जबकि पहले यह 7,257 वर्ग किलोमीटर था। इसमें 11 जिले, 104 मंडल और 1,355 राजस्व गांव शामिल हैं।

शहर में पंजीकृत वाहनों की संख्या 2014 में 42 लाख से बढ़कर लगभग 92 लाख हो गई है, जो मौजूदा परिवहन ढांचे पर बढ़ते दबाव को दर्शाती है।

44 प्रतिशत यात्रा दोपहिया वाहनों से

रेल मंत्रालय द्वारा 29 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में किए गए राष्ट्रीय घरेलू यात्रा सर्वेक्षण के निष्कर्षों से हैदराबाद में आवागमन के तरीकों की जानकारी मिली है।

निष्कर्ष प्रस्तुत करते हुए दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) डॉ. आर. गोपाल कृष्ण ने बताया कि हैदराबाद में कुल यात्राओं में 44 प्रतिशत दोपहिया वाहनों से होती हैं।

लगभग 32 प्रतिशत यात्री 15 मिनट के भीतर अपनी यात्रा पूरी कर लेते हैं, जबकि 45 से 60 मिनट तक चलने वाली लंबी यात्राएं चुनौती बनी हुई हैं।

ये निष्कर्ष सार्वजनिक परिवहन संपर्क सुविधा में सुधार और निजी वाहनों पर निर्भरता कम करने की आवश्यकता को रेखांकित करते हैं।

उपनगरीय रेलवे संचालन की चुनौतियों के बारे में डॉ. आर. गोपाल कृष्ण ने बताया कि दक्षिण मध्य रेलवे वर्तमान में 123 किलोमीटर के नेटवर्क पर लगभग 88 एमएमटीएस सेवाएं संचालित कर रहा है।

व्यस्त समय में यात्रियों की संख्या 45 हजार से 50 हजार के बीच रहती है।

हालांकि, उपनगरीय रेलगाड़ियों को लंबी दूरी की यात्री और मालगाड़ियों के साथ समान पटरियों का उपयोग करना पड़ता है, जिससे सेवाओं की आवृत्ति बढ़ाने की संभावना सीमित हो जाती है।

इन बाधाओं को दूर करने के लिए रेलवे लगभग 10 हजार करोड़ रुपये के निवेश से पटरियों की चौगुनीकरण परियोजनाएं शुरू कर रहा है, ताकि माल और यात्री यातायात को अलग किया जा सके।

आईआईटी हैदराबाद को सिकंदराबाद और लिंगमपल्ली रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों की पहुंच सुविधा बेहतर बनाने के लिए अध्ययन करने का जिम्मा भी सौंपा गया है।

सिकंदराबाद स्टेशन पर प्रतिदिन लगभग दो लाख यात्री आते-जाते हैं। इनमें लगभग 40 प्रतिशत यात्री कारों से स्टेशन पहुंचते हैं। रेलवे पैदल यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा बढ़ाने के लिए फुट ओवरब्रिज भी उपलब्ध करा रहा है।

तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीजीएसआरटीसी) के कार्यकारी निदेशक (ग्रेटर हैदराबाद) श्रीधर ने बताया कि निगम वर्तमान में ग्रेटर हैदराबाद में प्रतिदिन 23.58 लाख से अधिक यात्रियों को परिवहन सुविधा प्रदान करता है।

निगम के बेड़े में 2,681 डीजल बसें और 531 इलेक्ट्रिक बसें शामिल हैं। इसके अलावा, 27 डिपो में 540 अतिरिक्त बसें उपलब्ध हैं। निगम प्रतिदिन लगभग 8.43 लाख किलोमीटर बस संचालन करता है।

आईटी कॉरिडोर से संपर्क सुविधा बेहतर बनाने के लिए टीजीएसआरटीसी जेएनटीयू से रायदुर्ग के बीच कॉन्ट्रा बीआरटीएस कॉरिडोर प्रस्तावित कर रहा है।

निगम कॉर्पोरेट कर्मचारियों और सरकारी कार्यालयों के लिए विशेष परिवहन सेवाओं तथा बस और मेट्रो सेवाओं के बेहतर एकीकरण की भी संभावनाएं तलाश रहा है।

आईटी कंपनियों के लिए विशेष बस सेवाएं

निजी वाहनों का उपयोग कम करने के प्रयासों के तहत श्रीधर ने आईटी कर्मचारियों के लिए विशेष पॉइंट-टू-पॉइंट बस सेवाओं की जानकारी दी।

प्रायोगिक व्यवस्था के तहत सुबह और शाम के व्यस्त समय में चयनित मार्गों पर लगभग 18 बसें संचालित की जा रही हैं। प्रस्तावित सेवाओं का किराया मार्ग के अनुसार 100 और 110 रुपये निर्धारित किया गया है।

निगम आईटी और कॉर्पोरेट कंपनियों से संपर्क कर उनके कर्मचारियों के लिए विशेष परिवहन सेवाएं उपलब्ध कराने के प्रस्ताव भी दे रहा है।

प्रस्तुति के अनुसार, छह सात-सीटर कारें किराए पर लेने से किसी कंपनी को लगभग 4.8 लाख रुपये प्रति माह खर्च करना पड़ सकता है, जबकि एक विशेष इलेक्ट्रिक सुपर लग्जरी एसी बस की लागत लगभग 1.76 लाख रुपये होगी।

इससे प्रति माह लगभग 3.03 लाख रुपये की बचत हो सकती है।

प्रस्तुति में यह भी बताया गया कि 10 कारों के स्थान पर एक बस का उपयोग करने से लगभग 38 वर्गमीटर सड़क क्षेत्र की बचत होगी और कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में 72 प्रतिशत की कमी आएगी।

वर्ष 2050 की प्रस्तावित परिवहन योजना का उद्देश्य मेट्रो रेल, एमएमटीएस, बसों, साइकिलिंग ढांचे, पैदल यात्रियों की सुविधाओं और परिवहन के नए विकल्पों को एक एकीकृत नेटवर्क में जोड़ना है।



हैदराबाद पुलिस आयुक्तालय के अंतर्गत कार्यरत चार पुलिस अधिकारियों ने गुजरात के अहमदाबाद में आयोजित तीसरी अखिल भारतीय पुलिस बैडमिंटन एवं टेबल टेनिस प्रतियोगिता (अखिल भारतीय पुलिस खेल प्रतियोगिता) में एक स्वर्ण और पांच कांस्य पदक जीतकर शहर का गौरव बढ़ाया। पुलिस आयुक्त डॉ. महेश मुरलीधर भागवत ने पदक विजेताओं को बधाई दी। पुलिस आयुक्त कार्यालय में तैनात लतीफा आशा ने अलग-अलग स्पर्धाओं में एक स्वर्ण और एक कांस्य पदक जीता। इसके बाद यातायात विभाग की सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) डी. धनलक्ष्मी ने अलग-अलग स्पर्धाओं में दो कांस्य पदक हासिल किए। सीएसडब्ल्यू के पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) जी. श्रीनु तथा सीएआर मुख्यालय की डीएसपी डी. प्रसन्ना लक्ष्मी ने भी एक-एक कांस्य पदक जीता।

सड़क वर्गीकरण का प्रस्ताव मंजूर

हैदराबाद, 27 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)

सिकंदराबाद छावनी बोर्ड (एससीबी) ने शुक्रवार को चार सार्वजनिक सड़कों को 'सी' श्रेणी से 'ए-1' रक्षा भूमि में पुनर्वर्गीकृत करने के प्रस्ताव को सर्वसम्मति से मंजूरी दे दी। इन सड़कों में रिचर्डसन रोड (उन्नीकृष्णन मार्ग), प्रोटनी रोड (तारपोर मार्ग), बैर रोड (कूकूर आर्मी रोड) और राजेंद्र सिंहजी रोड शामिल हैं।छावनी बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अरविंद कुमार द्विवेदी ने छावनी बोर्ड के अध्यक्ष ब्रिगेडियर एस. राजीव की अध्यक्षता में हुई बोर्ड बैठक में एजेंडे के रूप में यह प्रस्ताव पेश किया। द्विवेदी ने बोर्ड सदस्यों को बताया कि तेलंगाना एवं आंध्र उप क्षेत्र मुख्यालय (टीएएसए) ने इन चार सड़कों को 'सी' श्रेणी से 'ए-1' रक्षा भूमि में पुनर्वर्गीकृत करने की संभावना का अध्ययन करने के लिए पत्र लिखा था।



स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.